सेंसेक्स	82,445.21
निफ्टी	25,103.20
सोना	97690
चांदी	1,08,000
डॉलर	85.66

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
मंगलवार 17 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 262
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की हालत स्थिर

नई दिल्ली । वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की अब स्थिर है और उनके स्वास्थ्य पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, सोनिया गांधी को रविवार रात 9 बजे सर गंगा राम अस्पताल में पेट से संबंधित समस्या के लिए सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत फिलहाल स्थिर है और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को भेजा समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के व्यवसायी पति रॉबर्ट वाड्रा को ब्रिटेन स्थित हथियार सलाहकार संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। उन्हें 17 जून को संघीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है, ताकि इस मामले में उनका बयान दर्ज किया जा सके। इस मामले की जांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। वाड्रा को 10 जून को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन वे यह कहते हुए नहीं आए कि उन्हें 9 जून को फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड परीक्षण कराया था।

पैसेंजर ट्रेन के कोच में आग लगी

पुणे। महाराष्ट्र के दौंड से पुणे आ रही डेमू (डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन में आग लग गई। यह हादसा सुबह 7:05 बजे हुआ। ट्रेन के टॉयलेट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई थी। आग लगने के वक्त एक व्यक्ति टॉयलेट में फंसा हुआ था। दरवाजा लॉक होने के कारण वह बाहर नहीं निकल पा रहा था। जैसे ही यात्रियों ने उसकी आवाज सुनी और धुआं उठता देखा, कुछ लोगों ने तुरंत टॉयलेट का दरवाजा तोड़ दिया और व्यक्ति को बाहर निकाल लिया।

पिकअप पलटी, 5 लोगों की मौत

सारण। सारण में सोमवार की सुबह सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। 15 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और एक बच्चा है। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। दोनों को पटना रेफर किया गया है। हादसा छपरा-हाजीपुर एनएच-19 पर हुआ। नयागांव थाना क्षेत्र के बाजितपुर फोरलेन पर पिकअप वैन पलट गई। बताया जा रहा है कि गाड़ी की स्पीड ज्यादा थी। बाजितपुर के पास अचानक पिकअप का एक चक्का ब्लास्ट कर गया, जिससे गाड़ी असंतुलित होकर पलट गई। सभी लोग दिघवारा से मक्का लोड कर हाजीपुर उसे भुनवाने जा रहे थे। सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान हादसे में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन हुआ था। सोमवार को उनका शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद शव चार्टर्ड प्लेन के जरिए राजकोट लाया गया। पुलिस सुरक्षा के बीच सड़क रास्तों से गुजरते हुए रूपाणी का पार्थिव शरीर उनके राजकोट वाले घर प्रकाश सोसाइटी (निर्मल रोड) लाया गया। यहां करीब एक घंटे तक अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। इसके बाद रामनाथ परा श्मशान घाट ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार किया गया। विजय रूपाणी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल देवव्रत आचार्य, गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल समेत कई नेता शामिल हुए।

देश में पहली डिजिटल-प्लस जाति जनगणना

अगली जनगणना होगी 2027 में, केंद्र ने जारी कर दिया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश की अगली जनगणना के लिए वर्ष 2027 को निर्धारित करते हुए औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी इस अधिसूचना के अनुसार, देश के अधिकांश हिस्सों में जनगणना की आधार तिथि 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि होगी। हालांकि, ठंडे और बर्फीले क्षेत्रों—जैसे लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के कुछ भाग, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड—में यह तिथि 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है। इन क्षेत्रों में मौसम की कठोर परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

गौरतलब है कि यह अधिसूचना वर्ष 2019 में जारी पुराने आदेश को निरस्त करते हुए लागू की गई है। कोविड-19 महामारी के चलते वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना को स्थगित कर दिया गया था, जिसके बाद यह निर्णय देशभर में बहुप्रतीक्षित था। सरकार का कहना है कि इस जनगणना के माध्यम से जनसंख्या से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और अन्य पहलुओं पर आधारित आंकड़े जुटाए जाएंगे। ये आंकड़े आगामी नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए दिशा-निर्देशक की भूमिका निभाएंगे।

डेटा-सुरक्षा के कड़े प्रावधान

गृह मंत्रालय के अनुसार, एन्क्रिप्टेड ट्रांसमिशन, केंद्रीकृत सर्वर और रोल बेस्ड एक्सेस के जरिये सूचनाओं की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। नई कोडिंग सिस्टम साफ्ट-सुधरे डेटा-प्रोसेसिंग में मदद करेगी, जिससे हाथ से लिखी प्रविष्टियों की त्रुटियाँ खत्म हों। यहां बताते चलें कि जनगणना की इस प्रक्रिया की शुरुआत साल 1872 में हुई थी, और तब से लेकर अब तक यह 16वीं बार होगी जब देशव्यापी जनगणना कराई जाएगी। स्वतंत्र भारत में यह 8वीं जनगणना होगी। जनगणना की अधिसूचना जारी होने के साथ ही तैयारियों की प्रक्रिया भी औपचारिक रूप से आरंभ हो गई है। आने वाले महीनों में संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण, तकनीकी संसाधनों की व्यवस्था और जनभागीदारी को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

पहली डिजिटल-प्लस-जाति जनगणना

केंद्र सरकार ने औपचारिक अधिसूचना जारी कर देश-व्यापी जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह 16 वां अखिल भारतीय और स्वतंत्र भारत का 8 वां जनगणना-अभियान होगा, जो 2011 के बाद पहली बार देश की जनसंख्या, धर्म-सम्प्रदाय और सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल का अद्यतन चित्र पेश करेगा। इस बार की जनगणना को दो-चरणी में शेड्यूल किया गया है, पहले चरण में (हाउस-लिस्टिंग एवं आवास अनुसूची)= 16 जून 2025 से 28 फरवरी 2026 तक, जिसके तहत हर मकान और बुनियादी सुविधाओं का ब्योरा दर्ज होगा। दूसरे चरण में (जनसंख्या एवं जाति-गणना)= 27 फरवरी 2027 से 1 मार्च 2027 की मध्यरात्रि तक; यही तिथि ¤जनगणना-संदर्भ¤ भी होगी। बर्फीले क्षेत्रों—जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड—में यह संदर्भ-तिथि 1 अक्टूबर 2026 रखी गई है।

जाति-आधारित आंकड़े· आज़ादी के बाद पहली बार मूल जनगणना प्रपत्र में ही विस्तृत जाति-वर्गीकरण दर्ज होगा, जिससे पिछली बार के सामाजिक-आर्थिक सर्वे (एसईसीसी-2011) की विसंगतियाँ दूर होंगी।

मोबाइल-ऐप व पोर्टल· 30 ?लाख से अधिक प्रशिक्षित गणनाकर्मी टैबलेट-आधारित मोबाइल-ऐप से डेटा भरेंगे, जबकि नागरिक सेल्फ एनुमरेशन पोर्टल पर स्वयं व अपने परिजनों का प्रोफ़ाइल अपडेट कर सकेंगे। पोर्टल केवल संदर्भ-तिथि से कुछ दिन पहले तक खुला रहेगा, ताकि अंतिम समेकन समय पर पूरा हो सके।

मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र पर मनरेगा खत्म करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के आवंटन में कटौती करके इसे खत्म करने की कवायद में जुटी है, जो संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मोदी सरकार गरीबों की जीवन-रेखा मनरेगा को तड़पा-तड़पा कर खत्म करने की कवायद में जुटी है। मोदी सरकार ने अब वर्ष के पहले 6 महीनों के लिए मनरेगा खर्च की सीमा 60 प्रतिशत तय कर दी है। मनरेगा जो संविधान के तहत काम के अधिकार का क़ानूनी अधिकार सुनिश्चित करती है, उसमें कटौती करना संविधान के खिलाफ़ अपराध है।" उन्होंने सवाल किया, "क्या ऐसा मोदी सरकार केवल इसलिए कर रही है,

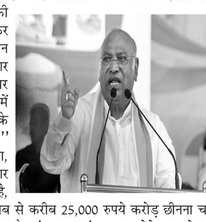

क्योंकि वो गरीबों की जेब से करीब 25,000 रुपये करोड़ छीनना चाहती है, जो कि हर साल, साल के अंत तक, मांग ज्यादा होने पर उसे अगले वित्तीय वर्ष में अलग से खर्च करने पड़ते हैं?" खरगे ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित योजना है, इसलिए यदि आपदाओं या प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पहली छमाही के दौरान मांग में वृद्धि होती है, तो क्या होगा? क्या ऐसी सीमा लागू करने से उन गरीबों को नुकसान नहीं होगा, जो अपनी आजीविका के लिए मनरेगा पर निर्भर हैं?" उन्होंने कहा, "सीमा पार हो जाने पर क्या होगा? क्या राज्य मांग के बावजूद रोज़गार देने से इनकार करने के लिए मजबूर होंगे, या श्रमिकों को समय पर भुगतान के बिना काम करना होगा? कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया कि क्या ये सच नहीं कि एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, केवल 7 प्रतिशत परिवारों को वादा किए गए 100 दिन का काम मिल पाया है? खरगे ने पूछा, "करीब 7 करोड़ पंजीकृत श्रमिकों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगाकर बाहर क्यों किया गया? 10 वर्षों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन क्यों किया गया?

पटाखा फैक्ट्री में धमाका...4 महिलाओं के चीथड़े उड़े

एक महिला पहले दिन नौकरी पर गई थी, शव को पहचानना मुश्किल, 12 झुलसे

अमरोहा। अमरोहा में एक पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर 12.30 बजे भीषण ब्लास्ट हो गया। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहीं 4 महिलाओं की मौत हो गई है। मृतकों में एक महिला की नौकरी का सोमवार को पहला दिन था। हादसे में 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इनमें 6 की हालत नाजुक है। घायल पगडंडी पर बैठे तड़पते नजर आए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री की इमारत और टीनशेड पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। महिलाओं के शव इस कदर जल गए कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। धमाके के बाद शव इधर-उधर बिखर गए। शवों का इकट्ठा करके फैक्ट्री के बाहर टीन पर रख दिया और उसे गत्ते से ढक दिया।

अतरासी गांव से 2 किमी दूर जंगल में फैक्ट्री

पटाखा फैक्ट्री अतरासी गांव से 2 किमी दूर जंगल के बीच में थी। फैक्ट्री में सुबह करीब 25 महिला और पुरुष काम कर रहे थे। इसी दौरान किसी मजदूर के बच्चे ने फुलझड़ी जला दी। इसके बाद पास में रखे पटाखे और बारूद में आग लग गई। धमाके इतनी तेजी से हुए कि अंदर काम कर रहे लोगों को बाहर निकलने तक का वक्त नहीं मिला। करीब 15 मिनट तक ब्लास्ट होते रहे। धमाके के बाद फैक्ट्री का मलबा 300 मीटर दूर तक फैल गया। धमाके की आवाज और धुआं उठता देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचीं। डीएम निधि गुप्ता और एसपी अमित कुमार आनंद मौके पर पहुंचे।

पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से हटाने वाले एफएटीएफ ने कहा

पहलगाम हमला बिना आतंकी फंडिंग के संभव नहीं

ऐसे हमले सिर्फ बंदूक-बारूद से नहीं होते, इनके पीछे फाइनेंशियल नेटवर्क

नई दिल्ली। ग्लोबल टेरर वॉचडॉग फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमला में आतंक फैलाने वालों के समर्थन के बिना नहीं किया जा सकता। इसमें टेरर फंडिंग की गई है। एफएटीएफ का यह बयान पहलगाम हमले के 55 दिन बाद आया है। ग्लोबल टेरर वॉचडॉग ने कहा कि आतंकी हमले लोगों को मारते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और दुनियाभर में डर फैलाते हैं।

एफएटीएफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय अधिकारियों ने पाकिस्तान के लगातार आतंकवाद को समर्थन देने और मल्टीपल सोर्स फंड्स को हथियारों की खरीद में इस्तेमाल करने की बात को उजागर किया है। सूत्रों के अनुसार, ऐसी गतिविधियों की वजह से पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा सकता है। एफएटीएफ की एशिया-पैसिफिक ग्रुप की बैठक 25 अगस्त को होनी है। इसके बाद एफएटीएफ के वर्किंग ग्रुप की बैठक 20 अक्टूबर को होगी। इन बैठकों से पहले भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक डोजियर तैयार कर रहा है। इसमें बताएगा कि पाकिस्तान कैसे फंडिंग का आतंकी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल कर एफएटीएफ के नियमों का उल्लंघन कर रहा है।

2022 में हटाया था पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट से

2018 में पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रखा गया था। तब उसने मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग पर लगाम लगाने के लिए एक एक्शन प्लान दिया था। इसके बाद 2022 में एफएटीएफ ने पाकिस्तान को इस ग्रे लिस्ट से हटा दिया था। सूत्रों ने कहा कि भारत सरकार, एंटी मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फाइनेंसिंग नियमों का पालन करने में विफल रहने के कारण पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डालने के लिए एफएटीएफ के सामने मजबूत केस रखेगा। एफएटीएफ की साल में तीन बार (फरवरी, जून और अक्टूबर) मीटिंग होती है।

पाकिस्तान के बेलआउट पैकेज का भी विरोध

भारत सरकार ने इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड के 9 मई को पाकिस्तान को दिए गए 2.4 बिलियन डॉलर के बेलआउट पैकेज का भी विरोध किया था। इसके बाद इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड ने बेलआउट पैकेज की अगली किस्त जारी करने को लेकर पाकिस्तान के सामने 11 नई शर्तें रखी हैं। नई शर्तों में फेडरल बजट के लिए पार्लियामेंट्री अप्रूवल, बिजली बिलों पर हायर डेट सर्विसिंग सरचार्ज और पुरानी यूज कारों पर प्रतिबंध हटाना शामिल है।

एअर इंडिया का विमान हॉन्गकॉन्ग लौटा

तकनीकी खराबी बताई गई

नई दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट सोमवार को वापस लौट गई। इसमें तकनीकी खराबी की बात सामने आई है। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की थी।

वहीं, रविवार को भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन भी बीच रास्ते से लौट गए थे। इनमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके चलते प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा। अहमदाबाद में 12 जून बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान दो मिनट में क्रैश हो गया था। इसमें पायलट-क्रू समेत 242 लोगों में से 241 की जान चली गई थी। हादसे में सिर्फ एक पैसेंजर बचा।

पीएम के प्रधान सचिव ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र ने हाल ही में हुई विमान दुर्घटना के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए रविवार को अहमदाबाद का दौरा किया। डॉ. मिश्र ने मेघानी नगर में बीजे चिकित्सा महाविद्यालय के निकट दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया, जहां राज्य सरकार, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें घटनाओं के क्रम और तत्काल कार्रवाई के बारे में जानकारी प्रदान की।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, अहमदाबाद में सिविल अस्पताल के अपने दौरे पर डॉ. मिश्र ने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने डीएनए नमूना मिलान प्रक्रिया को देखा। डॉ. मिश्र ने घायल पीड़ितों के साथ बातचीत भी की।

डॉ. मिश्र ने अस्पताल के अधिकारियों को घायल पीड़ितों के चिकित्सा उपचार और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने डीएनए नमूना लेने के प्रयासों की समीक्षा की और वैज्ञानिक सटीकता बनाए रखते हुए तेजी से पहचान पूरी करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधान सचिव ने अहमदाबाद के सर्किट हाउस में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्र और राज्य सरकारों, एएआईबी और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चल रहे राहत, बचाव और जांच प्रयासों पर चर्चा की।

वहीं, एएआईबी ने विस्तृत जांच शुरू कर दी है और विमान के अमेरिका में निर्मित होने के कारण अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अंतर्गत समानांतर जांच कर रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) का पता लगा लिया गया है और उन्हें सुरक्षित प्राप्त कर लिया गया है।

कोरोना से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा मौतें

जबलपुर में डिलीवरी के बाद महिला की जान गई; देशभर में 7264 एक्टिव केस

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस से लगातार दूसरे दिन 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, रविवार को 11 मरीजों ने जान गंवाई। केरल में 7 और दिल्ली, छत्तीसगढ़, एमपी, महाराष्ट्र में 1-1 मौत हुई है। शनिवार को 10 मौतें हुई थीं। कोविड के 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में 7264 एक्टिव मरीज हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1920 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 1433 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव मामले हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला है, जबकि 119 मरीज रिकवर हुए हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को बच्चे को जन्म देने के एक दिन बाद महिला (27 साल) की कोविड से मौत हो गई। कोरोना के नए वैरिएंट से जनवरी 2025 से अब तक 108 मौतें हुई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- हमने कोरोना से निपटने के लिए जरूरी इंतजाम कर लिए हैं।

अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया, पीएम मोदी का माना आभार

नई दिल्ली। अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले। कांत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कांत को जुलाई 2022 में भारत का जी20 शेरपा बनाया गया था। भारत के जी20 की अध्यक्षता संभालने के कुछ महीने पहले उनकी नियुक्ति की गई थी। पेशेवर मंच पर 'मेरा नया सफर' शीर्षक के साथ कांत ने लिखा कि 45 साल की समर्पित सरकारी सेवा के बाद, मैंने नए मौकों को अपनाने तथा जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। मैं जी20 शेरपा के रूप में मेरा इस्तीफा स्वीकार करने और मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने तथा भारत की वृद्धि, विकास एवं प्रगति में योगदान करने का अवसर देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री मोदी का बहुत आभारी हूं।

बेहद उल्लेखनीय रहा कार्यकाल

कांत ने औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के सचिव के रूप में मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे अभियान चलाए। इतना ही नहीं बतौर नीति आयोग सीईओ, कांत ने देश को नीति सुधारों की दिशा में गति दी। उन्होंने लिखा है कि केरल में मशहूर पर्यटन अभियान को आगे बढ़ाया। -साथ ही उन्होंने कोझिकोड (कालीकट) में मननचिरा मैदान के कायाकल्प, हवाईअड्डे के विस्तार, और मछुआरा समुदाय के साथ भी काम किया।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक चंडीगढ़ में हुई

नई दिल्ली। एक राष्ट्र एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पीपी चौधरी ने चंडीगढ़ में एक बैठक की। बैठक में वर्तमान में हरियाणा और चंडीगढ़ के क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों भाजपा, कांग्रेस, जेजेपी, बसपा, इनेलो और पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ एक राष्ट्र एक चुनाव के मामले पर चर्चा हो रही है। एक साथ राष्ट्रीय और विधानसभा चुनाव कराने के लिए 129वां संविधान संशोधन विधेयक बीते साल दिसंबर में लोकसभा में पेश हुआ था। बाद में संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया।

मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक साथ चुनाव कराने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसने पिछले साल मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 18,000 से अधिक पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी थी। इससे पहले पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र के एक राष्ट्र, एक चुनाव (ओएनओई) प्रस्ताव का कड़ा विरोध कर देश के संघीय ढांचे पर सीधा हमला और डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की

भावना के खिलाफ बता दिया था। चंडीगढ़ में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के साथ बैठक के बाद चीमा ने पहल के खिलाफ आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कड़े रुख को दोहराया और तर्क दिया कि यह राज्य की स्वायत्तता को कमजोर करता है।

चीमा ने कहा, जे.पी.सी. और उसके अध्यक्ष ने पंजाब का दौरा किया और एक राष्ट्र, एक चुनाव पर राज्य सरकार और राजनीतिक दलों के विचार मांगे। हमने समिति के समक्ष अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया है, यह एजेंडा देश के लिए हानिकारक है। इसका उद्देश्य राष्ट्र के संघीय ढांचे को खत्म करना है और यह हमारे संविधान के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

सावधान..धनवान की जगह ,किसानों को कंगाल बना सकता है नकली धान का बीज

जिले में असली के नाम पर जमकर फलफूल रहा नकली धान बीज का कारोबार, कटंगी में कंपनी अधिकारियों ने पकड़ा कावेरी शीड 468 का निकली बीज, बालाघाट पहुचकर कृषि अधिकारी से की शिकायत, कृषि अधिकारी ने टीम को जांच के लिए किया रवाना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। खरीब फसल का सीजन शुरू होते ही जिले भर में नकली खाद बीज की बिक्री धड़ल्ले से की जारी है। जहां कुछ लोग अच्छी फसल उत्पादन और किसानों को धनवान बनाने का लालच देकर, असली के नाम पर नकली बीज बेच रहे हैं। जहां नामी जानी कंपनी के नाम पर, अपनी जेब भरने के लिए, असली और ब्रांडेड के नाम पर किसानों को नकली धान बीज थमाया जा रहा है।अगर आप भी किसी नामी कम्पनी का बीज खरीदने जा रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। क्योंकि इन दिनों बाजार, नकली प्रोडक्ट्स से भरा पड़ा है। जो किसानों को मालदार की जगह कंगाल बना सकता है।ताजा मामला कावेरी शीड 468 धान बीज प्रोडक्ट से जुड़ा है। जहां इस कंपनी के पदाधिकारियो ने कटंगी बाजार की दुकान से कावेरी शीड 468 धान की नकली बैग बरामद की है। तो वही असली और नकली की पहचान कराकर इस पूरे मामले की जानकारी कृषि विभाग अधिकारी को दी है। जहां लिखित शिकायत करते हुए कंपनी पदाधिकारियो द्वारा संबंधित दुकानों में दबिश देकर मामले की जांच करने और असली के नाम पर नकली बीज बेचने वाले लोगो पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है। उधर कंपनी पदाधिकारियो से मिली इस शिकायत पर उपसंचालक कृषि अधिकारी फूलसिंह मालवीय ने इस पूरे मामले की जांच के लिए जिला मुख्यालय से एक टीम कटंगी रवाना कर दी है। जहां टीम द्वारा इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

नकली को असली बताकर बेचने का चल रहा खेल

जिले में धान के नकली प्रोडक्ट्स असली प्रोडक्ट्स की तर्ज पर ही पैकेजिंग कर बेचे जा रहे हैं। इसमें साइज, शेप सब एक जैसा ही है।कुछ बातों पर यदि गौर ना किया जाए तो नकली असली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है इसी बात का फायदा धान बीज के सौदागर उठा रहे है। जो नकली को असली कम्पनी का धान बीज बताकर किसानों को नकली धान प्रोडक्ट बेच कर जमकर मुनाफा कमा रहे है। जिसका खुलासा कंपनी पदाधिकारियो द्वारा कटंगी के बाजार में करते हुए मामले की शिकायत उप संचालक कृषि से की गई है।

केवल माल ही नही रैपर भी नकली

ब्रांडेड कंपनियां अपने उत्पाद की क्वालिटी और सुरक्षा के लिए रैपर पर अपना सुरक्षा कोड छापती है, लेकिन मुनाफाखोर उससे भी एक कदम आगे निकल गए हैं। जो ब्रांडेड कंपनी कावेरी शीड 468 के धान बीज प्रोडक्ट का हुबहू रैपर छपवाकर उसमें घटिया माल भरते हैं। नकली रैपर पर भी ब्रांडेड कंपनी का नाम, पता, बैच नंबर, कोड व अन्य जानकारियां छपी रहती हैं। लेकिन गौर करने पर असली और नकली में अंतर साफ नजर आ जाता है जिसका पता चलते ही कंपनी पदाधिकारियो द्वारा कटंगी की एक दुकान में छापामार कार्यवाही को अंजाम देकर मामले की शिकायत बालाघाट मुख्यालय में कृषि अधिकारी से की गई है।

ऐसे पकड़ में आया असली नकली का खेल

बताया जा रहा है कि जिले में असली के नाम पर नकली माल खपाने का खेल लंबे समय से चल रहा है जिसकी शिकायत मिलने पर भी अब तक वैधानिक कार्रवाई नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार कावेरी कंपनी सेल्स फील्ड ऑफिसर को पिछले 2-3 दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कटंगी मार्केट में कावेरी शीड 468 वैरायटी के नाम से डुप्लीकेट बीज का धान बिक रहा है। जिस पर सोमवार को सेल्स फील्ड ऑफिसर शिवायु पटेल ने लालबर्रा एमडीओ मोहम्मद अरशद, कटंगी मार्केट एमडीओ युगल कावरे, वारासिवनी एमडीओ दुष्यंत पटले सहित अन्य पदाधिकारी को साथ लेकर कटंगी में मामले की छानबीन की। जहां पर बस स्टैंड के पास एक किसान कावेरी शीड बीज की धान खरीद कर ले जाता हुआ दिखाई दिया। जिसे रोककर पूछताछ करने पर उसने कटंगी मार्केट से उक्त धान खरीदना बताया। जब धान के पैकेट को देखा गया तो वहां डुप्लीकेट माल था। जिसे कंपनी पदाधिकारी ने अपने साथ रख लिया और ओरिजिनल माल को लेकर सीधे जिला कृषि कार्यालय पहुंचे और इस पूरे मामले की शिकायत कर दी।

पैकेट के रंग,लिखावट व दिशा-निर्देश मिला अंतर

कटंगी के एक व्यापारी द्वारा जिस कावेरी शीड 468 धान बीज प्रोडक्ट की बिक्री की जा रही थी उसके पैकेट के रंग लिखावट पैकेट के अंदर भरी हुई धान व दिशानिर्देश काफी असमानता मिली है। जानकारी के मुताबिक कावेरी शीड 468 धान बीज प्रोडक्ट के असली पैकेट काफी शाफ्ट है।जबकि नकली पैकेट में कड़ी पन्नी उपयोग की गई है ।असली धान के पैकेट में शायनिग है।जबकि नकली में नही है।वही असली पैकेट में धान देखने की विंडो छोटी और बाय (लेफ्ट) साईड में है।जबकि नकली पैकेट में विडो बड़ी और राईट साइड में है।असली पैकेट में 468 ब्लैक व छोटे अक्षरो में व पास पास लिखा है।जबकि नकली में 468 दूर दूर व हरे अक्षरो लिखा हुआ है।असली में लिखावट व फाउंड पास पास है जबकि नकली में दूर दूर फाउंड का उपयोग किया गया है ।वही पैकेट के तराजू में बने चित्र असली पैकेट में उभरे हुए है।जबकि नकली में प्लेन दर्शाया गया है। इसके अलावा पैकेट के पीछे भी रंग रूप और दिशा निर्देश के आकार में काफी अंतर है जिसकी सूक्ष्मता से जांच करने पर कंपनी एडवाइजर ने पूरे मामले की शिकायत करते हुए मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

मामले में वैधानिक कार्यवाही होनी चाहिए- पटेल

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कावेरी शीड 468 कंपनी के जिला सेल्स लीडर शिवायु पटेल ने बताया कि कटंगी मार्केट में हमारी कंपनी का डुप्लीकेट माल बेचा जा रहा है और केवल कटंगी ही नहीं बल्कि पूरे जिले में डुप्लीकेट माल बेचे जाने की शिकायत मिल रही है ।आज जब कंपनी के पदाधिकारी शिकायत पर कटंगी मार्केट पहुंचे तो वहां एक किसान डुप्लीकेट माल खरीद कर ले जा रहा था। उससे बीज धान पेकेट लेकर ओरिजिनल बीज धान का पैकेट साथ में रखकर हमने इसकी शिकायत जिला कृषि अधिकारी से कि है। हमारी मांग है कि ऐसे डुप्लीकेट माल बेचने वालों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए, ताकि किसानों को ओरिजनल के नाम पर डुप्लीकेट माल ना मिल सके।

विधानसभा में उठेगा मुद्दा- राजेंद्र यादव

वही इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव ने बताया कि कटंगी मार्केट में कावेरी शीड 468 का डुप्लीकेट माल बेचने का मामला सामने आया है इसके पूर्व भी वारासिवनी,परसवाड़ा, लांजी और कटंगी में भी ऐसे मामले सामने आए हैं। जिसकी शिकायत करने पर भी आज तक कोई कार्यवाही नहीं की। संबंधित अधिकारियों ने उन मामलों में लीपापोती कर दी। जिसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि कुछ लोग चंद रूपयों के लिए किसानों को ठगने और छलने का काम कर रहे हैं। डुप्लीकेट बीज बेचने का मामला केवल कटंगी या बालाघाट जिले का नहीं बल्कि पूरे मध्य प्रदेश का है। इसकी शिकायत हमने विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से भी की है वह इस पूरे मामले को विधानसभा पटल में उठाएंगी। इसके अलावा लांजी क्षेत्र में ऐसी कंपनी का माल बेचा जा रहा है जिसे मध्य प्रदेश शासन से अनुमति नहीं है। उसके बावजूद भी वहां मिली भगत के चलते दूसरी कंपनी का माल बिना अनुमति के बिक रहा है। हमारी मांग है कि इन पूरे मामलों की जांच होनी चाहिए और संबंधितों पर वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए।

कार्यवाही के लिए टीम रवाना कर दी गई है-मालवीय

इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान जिला कृषि विभाग उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि कावेरी शीड के नाम से डुप्लीकेट माल बिकने की शिकायत कंपनी के पदाधिकारी द्वारा की गई है। जिनसे शिकायत मिलने पर हमने तत्काल एक दल का गठन किया है। जिला मुख्यालय से भी एक दल मामले की जांच के लिए कटंगी भेजा गया है। जो इस पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। जहां जांच के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने आगे बताया कि इसके पूर्व भी जिले में एक दल रोजाना ही ऐसे मामलों की निगरानी कर रही है। जगह-जगह से सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जो नमूने जांच में फेल हो जाते हैं उस धान बीज की बिक्री पर रोक लगा दी जाती है वही माल को सील किया जाता है।कटंगी वाले इस मामले में कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी पुलिस में एफआईआर दर्ज करनी चाहिए। जिला स्तर से भी मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाडली बहना योजना की 25 वीं किस्त की अंतरित

जिले की 3 लाख से अधिक लाडली बहनों के खातों में 42 करोड़ 32 लाख 23 हजार 700 रुपये की राशि हुई अन्तरित

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को जबलपुर के बरगी में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश की विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों बैंक के खातों में राशि अन्तरित की। इसमें मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 25वीं किश्त के वितरण के साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सिलेंडर रिफलिंग तथा संबल योजना की राशि का वितरण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाडली बहनों के खातों में 1551 करो ? 44 लाख रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अन्तरित की है। इसमें बालाघाट जिले की 3 लाख 50 हजार 398 लाडली बहनें शामिल है। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन में परित्यक्ता पेंशन योजना, वृद्धावस्था,दिव्यांग, एसएसपी दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन, सामाजिक सुरक्षा कल्याणी, कन्या अभिभावक पेंशन तथा मानसिक रूप से विकलांग और बहु-विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायता योजना के 59734 पात्र हितग्राहियों को कुल 3 करोड़ 58 लाख 40 हजार 400 रुपये की राशि अंतरित की गई है। साथ ही संबल योजना में जिले के 241 हितग्राहियों को 5 करोड़ 16 लाख रुपये की राशि का अन्तरण मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा किया गया है। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कलेक्टर कार्यालय स्थित कक्ष में

कलेक्टर मृणाल मीना सहित सम्बंधित विभागों क्व अधिकारियों व हितग्राहियों ने देखा ।

जिले की लाभार्थी लाडली बहनें

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लाडली बहना योजना की जून माह की किश्त बहनों के खातों में अन्तरित की गई है। जनपदवार देखा जाए तो जिले में सर्वाधिक लाभार्थी बहने जनपद पंचायत किरनापुर में 38895 बहनों को लाडली बहना योजना की मई माह की राशि अन्तरित की गई है। इसी तरह जपं लांजी में 38856, बालाघाट में 38017, लालबर्रा में 37865, कटंगी में 35347, वारासिवनी में 33543, खैरलांजी में 31822, बिरसा में 27405, परसवाड़ा में 22547 व बैहर में 19748 बहनों के खातों में राशि अंतरित की गई है। वहीं नगर पालिका अंतर्गत बालाघाट में 9005, मलाजखंड में 5923 एवं वारासिवनी में 3835 बहनों को राशि वितरित की गई तथा नगर परिषद बैहर में 2701, कटंगी में 2462 और नपरि लांजी की 2427 बहनों के खातों में राशि अन्तरित की गई है। इस तरह जून माह में जिले की कुल 3 लाख 50 हजार 398 बहनों के खातों में लाडली बहना योजना की राशि अन्तरित की गई है।

विद्युत पोल के ऊपर लाइनमैन विद्युत करेंट से झुलसा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना अंतर्गत ग्राम पौनी में विद्युत खंभे पर चढ़कर विद्युत कार्य करते समय एक लाइनमैन विद्युत करेंट लगने से झुलस गया। विद्युत करंट से झूलसे लाइनमैन बिगारी सिह पिता शेलसिह सैयाम 32 वर्ष ग्राम मोहगांव थाना मलाजखंड निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 जून की शाम 6:30 बजे करीब पौनी के वार्ड नंबर 7 की विद्युत लाइन बंद होने के कारण लाइनमेन बिगारी सिह सैयाम पावर हाउस से विद्युत बंद करने बताकर कर ग्राम पौनी में विद्युत ट्रांसफर से निकली 440 वोल्टेज की लाइन के पोल में चढ़कर विद्युत मेंटेनेंस कार्य कर रहे थे। पावर हाउस से विद्युत बंद नहीं की गई थी। विद्युत पोल पर चढ़कर विद्युत मेंटेनेंस कार्य करते समय लाइनमैन बिगारी सिंह सैयाम विद्युत प्रवाहित विधुत तार के सम्पर्क में आने से वे विधुत करेंट से झुलस गए और तार में ही चिपक गये थे। इसी दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने देखे और बांस से धक्का देकर लाइनमैन बिगारी सिह सैयाम को नीचे गिराये और तुरंत ही बिरसा के अस्पताल में भर्ती किए थे। विद्युत करेंट से लाइनमैन बिगारी सिह सैयाम का सीना गला सीना सहित शरीर अन्य अंग विद्युत करेंट से झुलस गए । विद्युत करंट से झुलसे लाइनमैन बिगारी सिंह सैयाम को बिरसा अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0014/ड-154/2025-26
मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चैनसिंह टेकाम पिता बारेलाल टेकाम जाति गोंड, निवासी ग्राम कंजई, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कंजई, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता माहरीबाई पति बारेलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा

12 (2) म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12(2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 07.02.2007 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कंजई के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 23.06.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 17.06.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बैंकिंग कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

सभी प्रकार की वसूली पर दिया जाए जोर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से कलेक्टर मृणाल मीना व बैंक प्रशासक के मार्गदर्शन में सोमवार को वीसी का आयोजन किया गया । इस बैठक में प्र.मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी. जोशी ने शाखा प्रबंधकों और संस्था प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे कालातीत और अकालातीत ऋण की वसूली पर विशेष ध्यान दें और शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य हासिल करे।शाखा प्रबंधकों और संस्था प्रबंधकों को निर्देश दिया गया कि वे कृषि ऋण वसूली पर विशेष ध्यान दें और लक्ष्य

के अनुसार वसूली करें। बैंक स्तर और सदस्य स्तर पर वसूली की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग को सौंपे गए प्रकरण, ब्याज अनुदान के सॉफ्टवेयर अपलोड की स्थिति, ईआरपी में डाटा प्रविष्टि की स्थिति,खाद भंडारण की स्थिति,खरीफ ऋण वितरण की स्थिति,नवीन बी पैक्स की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।सीईओ पी. जोशी ने शाखा प्रबंधकों और संस्था प्रबंधकों को निर्देशित किया कि वे वसूली पर विशेष ध्यान दें और लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत वसूली करें। उन्होंने कहा कि सभी समिति कर्मचारी डोर टू डोर संपर्क करते हुए वसूली करें और आवश्यक कार्रवाई करें। इस बैठक में राजेश नगपुरे, प्र.फील्ड अधिकारी श्रीमती सीमा दुबे, प्र.लेखा प्रबंधक एम एल यादव, प्र.विपणन अधिकारी सारंग बिसेन, रौनक चौकसे, नीरज बिसेन, राजनंदनी परिहार उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र राज्य की तरह बालाघाट और सिवनी जिले के भी कीर्तनकार को मिले मानदेय, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। श्री गुरूदेव वारकरी जनजागृती सेवा समिति बालाघाट और सिवनी जिले के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक समिति के पदाधिकारी और सदस्य अपनी मांगों को लेकर जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और बताया कि पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की तरह बालाघाट और सिवनी जिले के भजनकार , कीर्तनकार और भागवतकारों को प्रतिमाह मानदेय दिया जाना चाहिए ,उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र राज्यों में कीर्तनकारों को सरकार मानदेय दे रही है तो फिर मध्यप्रदेश में आखिर क्यों कीर्तनकार और प्रवचनकारों को मानदेय नहीं दिया जा रहा है। जबकि यहां की सरकार को भी प्रतिमा भक्ति के माध्यम से जन जागृति फैलाने वाले कीर्तनकारों को भी मानदेय हर महीने दिया जाना चाहिए। आपको बता दे कि जिस प्रकार से सरकार के विभिन्न गतिविधियों को लेकर अलग-अलग विभाग सहित अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाले वॉलिंटियर्स और लोगों को सरकार द्वारा मानदेय दिया जाता है। उसी प्रकार अब जिले में भक्ति से संबंधित कीर्तन और प्रवचन करने वाले कीर्तनकार भी सरकार से अपने लिए मानदेय दिए जाने की मांग कर रहे हैं । उनका कहना है कि जब महाराष्ट्र राज्य में कीर्तनकार सहित प्रवचन करने वाले पंडितों को सरकार प्रतिमा 5000 रूपये का मानदेय दे रही है। तो फिर मध्य प्रदेश में सरकार क्यों कीर्तनकारों को मानदेय नहीं दे रही है। उन्होंने इस पूरे विषय को लेकर बालाघाट जिले के साथ-साथ सिवनी

जिले के भी कीर्तनकारों को एकजुट कर जिला मुख्यालय में आकर कलेक्टर के माध्यम से सरकार को एक ज्ञापन भेजा है । उनका कहना है कि उन्हें भी महाराष्ट्र राज्य की तरह मानदेय दिया जाए। जिसको लेकर जिले में श्री गुरूदेव वारकरी जनजागृती सेवा समिति बनाई गई है । समिति के अध्यक्ष सुनील भगत के नेतृत्व में दोनो ही जिलो से बड़ी संख्या में पहुंचे कीर्तन और प्रवचनकारों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा और मानदेय दिये जाने की बात कही। अध्यक्ष सुनील भगत ने बताया कि संसदीय क्षेत्र सिवनी और बालाघाट के कीर्तन और प्रवचनकारो में बड़ी संख्या में पुरूष और महिलाएं है, जो गांव-गांव, सनातन धर्म, हिन्दु विचारधारा, भ्रूण हत्या बंद करने, मां भारती का संदेश, नशामुक्ति और धर्म का प्रचार-प्रसार करते है, जिसमें, बड़ी संख्या में लोग इसमें लगे है। हम चाहते है कि जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार, 5 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय देती है, उसी प्रकार मध्यप्रदेश सरकार, हमें भी पांच हजार रूपए मानदेय प्रदान करें। ताकि गांव-गांव में कीर्तन, प्रवचन और भागवत कथा के माध्यम से धर्म और सामाजिक कुरीतियो के प्रचार-प्रसार में लगे लोगों को इसका फायदा मिले। उन्होंने कहा कि यह अभी शुरूआत है, इसके बाद शनैः शनैः वह, इस मांग को लेकर क्रमबद्ध तरीके से सरकार का ध्यानाकर्षण करवाते रहेंगे।

आवश्यकता है
हैदराबाद में रहने वाले लांजी के परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
निःशुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

कांग्रेस केंद्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े ने टटोली कांग्रेसियों की नब्ज

जिला अध्यक्ष के दावों को लेकर की आपसी रायशुमारी, 30 जून तक राष्ट्रीय संगठन को सौंपी जाएगी सर्वे रिपोर्ट , सम्भवत: जुलाई में कांग्रेस को मिल सकता है नया जिला अध्यक्ष

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। प्रदेश व देश में सत्ता के लिए झटपटा रही कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने, संगठन का विस्तार कर अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर से कांग्रेस पार्टी द्वारा सृजन अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत पार्टी, जिला अध्यक्ष से लेकर संगठन और बूथ स्तर तक बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। बात अगर जिला कांग्रेस कमेटी की करें तो जिला संगठन में भी बड़ा बदलाव की बात कही जा रही है। जिसको लेकर कांग्रेस पार्टी के बड़े नेता बालाघाट पहुंचकर पार्टी नेताओं, पदाधिकारियो व स्थानीय नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक से मुलाकात कर आपसी रायशुमारी कर रहे हैं। इसी बीच पिछले दिनों 13 जून से बालाघाट जिले की सभी 6 विधानसभा सीटों का दौरा कर पार्टी नेता पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी कर रहे कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े ने अपना आंतरिक सर्वे पूरा कर लिया है। जो जिला अध्यक्षों के दावों को लेकर आगामी 30 जून तक अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय कांग्रेस संगठन को सौपेंगे। जहां से जुलाई तक जिले के नए अध्यक्ष के नाम का चयन कर, कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष के नाम की घोषणा की जाएगी। उक्त जानकारी कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े के द्वारा सोमवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकारवार्ता में दी गई। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष संजय उईके, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, बोधसिंह भगत, नगर अध्यक्ष श्याम पंजवानी, उपाध्यक्ष अनूप सिंह बैस, जुगल शर्मा, सफ्फत खान ,जीतू बर्वे, सौरभ लोधी सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष के लिए 15 से 20 लोगों ने की दावेदारी

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सृजन अभियान केंद्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े ने स्पष्ट तौर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष के लिए दावा करने वाले लोगों के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए। लेकिन बहुत से लोगों द्वारा जिला अध्यक्ष के लिए अपनी दावेदारी किए जाने की बात कही है। बताया जा रहा है कि अब तक 15 से 20 कांग्रेसियों द्वारा कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष के लिए दावेदारी ठोकी गई है। जिनके नाम पर मंथन कर 6 नाम राष्ट्रीय संगठन को सौपे पर जाने की बात कही जा रही है। बताया यह भी जा रहा है कि वर्तमान जिला अध्यक्ष संजय उइके ने जिला अध्यक्ष पद के लिए पुन: दावेदारी नहीं की है।

30 जून तक राष्ट्रीय संगठन को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यवेक्षक सूरज हेगड़े ने बताया कि वह बालाघाट में 13 जून से अब तक सभी 6 विधानसभा का दौरा कर चुके हैं ।सभी नेताओं पदाधिकारी से मुलाकात की है ।जिला अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस संगठन व कार्यकर्ताओं से वार्तालाप किया गया है ।सभी से आपसी रायशुमारी की गई है। सभी की जिला अध्यक्ष को लेकर राय सुनी गई है, सभी से बैठक कर बालाघाट की राजनीतिक परिस्थितियों को जाना है ।कांग्रेस पार्टी जिले में सक्षम है, वहीं जिला अध्यक्ष के लिए कई दावेदार हैं। जिन्होंने अपनी दावेदारी की है इन सभी दावेदारों के लिए अंदरूनी सर्वे कर जल्द ही लिस्ट बनाई जाएगी। 30 तारीख तक राष्ट्रीय संगठन को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी। जहां से नए जिला अध्यक्ष का चयन कर उनके नाम की घोषणा होगी।

जिला अध्यक्ष ऐसा होगा जो सबको लेकर चले

श्री हेगड़े ने आगे बताया की शहरी कांग्रेसियों द्वारा बालाघाट के स्थानीय दावेदार को जिला अध्यक्ष बनाने की बात कही जा रही है। तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र में किए गए सर्वे के दौरान ग्रामीण क्षेत्र से जिला अध्यक्ष बनाए जाने की मांग उठ रही है शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के कांग्रेसियों की मांग अपनी-अपनी जगह जायज है। हमने सभी की बात सुनी है,सभी से अध्यक्ष पद को लेकर राय ली है ।हमने पहले दावेदारों की बात सुनी, फिर कार्यकर्ताओं की बात सुनी, सभी संगठन पदाधिकारी और विभिन्न सामाजिक संगठनों से भी जिला अध्यक्ष के नाम को लेकर रायशुमारी की गई है ।प्रत्येक कार्यकर्ता की बात वरिष्ठ संगठन तक पहुंचाई जाएगी। जिला अध्यक्ष ऐसा होगा जो सबको लेकर चले, सभी की बात सुने, सभी के मशवरे के आधार पर जिला अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा ।

जिला अध्यक्ष के लिए 6 लोगों के नाम भेजे जाएंगे

उन्होंने आगे बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष पद के लिए कई नाम सामने आए हैं कई लोगों ने जिला अध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। लेकिन इनमें से छटनी कर 6 लोगों के नाम राष्ट्रीय संगठन को भेजे जाएंगे।इसमें महिला वर्ग, पिछड़ा वर्ग, सामाजिक काम करने वाले वर्ग को भी देखा जाएगा ।हर एंगल से दावेदार के दावे को परखा जाएगा। उसके बाद ही वरिष्ठ स्तर से जिला अध्यक्ष पद के लिए किसी एक नाम का चयन कर, उनके नाम की घोषणा की जाएगी।

संगठन में एकजुटता की कमी नहीं है

पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने 06 विधानसभाओं का दौरा किया है सभी से जिलाध्यक्ष को लेकर राय ली है हमें नहीं लगता कि संगठन में एक जुटता की कमी है। संगठन मजबूत है, सशक्त है। यही कारण है कि बालाघाट जिले के लोगों ने कांग्रेस को अपना बहुमत दिया है। चार सीटों पर विधायक चुनकर दिए हैं। कांग्रेस हर मोड़ पर मजबूत है। संगठन में जिला अध्यक्ष का चुनाव सभी समीकरण को ध्यान में रखकर किया जाएगा ।दावेदार की उम्र ,उसकी खासियत, जातिगत समीकरण, कार्यकर्ताओं के विचार, उनका अभिमत सभी एंगल से जिला अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी करने वालों को परखा जाएगा और रिपोर्ट राष्ट्रीय संगठन को सौंपी जाएगी। जहां से निश्चित तौर पर अगले माह जुलाई तक पार्टी के नए जिला अध्यक्ष के नाम का चयन कर उनके नाम की घोषणा की जाएगी।

कागजो में बनकर तैयार हुआ एलएलबी कालेज ?

डोंगरिया में कालेज की बिल्डिंग तक नही बनी, फिर भी ऑनलाइन दिखा रही एलएलबी सीट, पीजी कालेज में एलएलबी की सीट शून्य होने से भृमित हो रहे विघार्थी, एनएसयूआई ने, पीजी कालेज पोर्टल पर विधि सीट दर्शाए जाने की करीं मांग, सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर 20 को आंदोलन व पुतला दहन की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।वारासिवनी रोड स्थित ग्राम पंचायत डोंगरिया की शासन से स्वीकृत 10 एकड़ भूमि में पृथक एलएलबी कॉलेज बनकर तैयार हो गया है ।जहां अब पोर्टल पर भी पृथक एलएलबी कॉलेज डोंगरिया में

प्रवेश लेने के लिए रिक्त सीट दिखाई जा रही है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि यहां आरोप एनएसयूआई छात्र संगठन द्वारा पीजी कॉलेज प्रबंधन पर लगाया गया है। बताया गया कि अभी डोंगरिया में विधि कॉलेज की बिल्डिंग भी बनकर तैयार नहीं हुई है ।बावजूद इसके भी वहां पर एडमिशन के लिए एलएलबी की रिक्त सीट दिखाई जा रही है, जबकि पीजी कॉलेज के पोर्टल में एलएलबी की एक भी सीट दर्ज नहीं है। जिसके चलते एलएलबी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी भ्रमित हो रहे हैं ।जिस पर अपनी आपत्ति जताते हुए एनएसयूआई संगठन ने सोमवार को पीजी महाविद्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए ,जल्द से जल्द पीजी कॉलेज पोर्टल में एलएलबी की सीट दर्शाए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने इस मांग को पूरी करने के लिए कॉलेज प्रबंधन को तीन दिनों की मोहलत दी है। जहां तीन दिनों के भीतर मांग पूरी न होने पर 20 जून को एनएसयूआई छात्र संगठन द्वारा पीजी कॉलेज में जंगी प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया जाने की भी चेतावनी दी गई है।

करीब 6 वर्ष पूर्व मिली थी स्वीकृति, कालेज बनना तो दूर आज तक बिल्डिंग भी नही बनी

नगर के अग्रणीय महाविद्यालय पीजी कॉलेज में वर्षो से लंबित प्रथक लॉ कॉलेज की मांग पूरी होती नजर नही आ रही है। प्रथक लॉ कॉलेज निर्माण के लिए पीजी महाविद्यालय को शासन द्वारा करीब 06 वर्ष पूर्व वारासिवनी रोड स्थित ग्राम डोंगरिया में 10 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। भूमि के हस्तांतरण के बाद कयास लगाए जा रहे थे जिले में प्रथक लॉ कॉलेज का सपना पूरा हो जाएगा ।लेकिन यह सपना महज सपना बनकर ही रह गया है ।बताया जा रहा है कि शासन ने ला कॉलेज बनाने के लिए 10 एकड़ जमीन तो दे दी लेकिन उस भूमि में बिल्डिंग निर्माण के लिए फंड का आवंटन अब तक नही किया है ।तब से लेकर आज तक पृथक ला कालेज की राह में फंड की कमी एक बड़ी रुकावट बनी हुई है।

तो 20 जून को महाविद्यालय का घेराव कर पुतला दहन किया जाएगा- ऋषभ

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान एनएसयूआई छात्र नेता ऋषभ सहारे और शुमेद बंसोड ने सयुक्त रूप से बताया कि शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय के एलएलबी डिपार्टमेंट में सीटों को शून्य कर दिया गया है। जबकि शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी महाविद्यालय के द्वारा बार काउंसलिंग ऑफ़ इंडिया की मान्यता के लिए 2028 तक का पेमेंट 21 लाख रुपए किया गया है। जो पेमेंट पीजी कॉलेज के नाम से किया गया है। लेकिन जब विद्यार्थी एलएलबी में एडमिशन कराने के लिए पोर्टल देख रहे हैं तो पीजी कॉलेज में एलएलबी की एक भी सीट नहीं दिख रही है ।पोर्टल पर शून्य सीट है। जबकि पोर्टल में डोंगरिया विधि महाविद्यालय दिख रहा है। जबकि वहां कोई कॉलेज नहीं बना है। इसके विरोध में हमने कॉलेज प्रबंधन को ज्ञापन सौपा है। एनएसयूआई मांग करती है कि शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी कालेज में भी एलएलबी डिपार्टमेंट चालू रहे। और विद्यार्थियों को एडमिशन दिया जाए। पीजी कॉलेज के पोर्टल पर एलएलबी डिपार्टमेंट में सीट दर्शाने के लिए हमने कॉलेज प्रबंधन को तीन दिनों की मोहलत दी है। यदि इन तीन दिनों के भीतर हमारी मांग पूरी नहीं की जाती, तो फिर एनएसयूआई छात्र संगठन के बैनर तले 20 जुन को महाविद्यालय घेराव कर पुतला दहन किया जाएगा।

नपा.सहित जिला मुख्यालय से लगी कुछ ग्राम पंचायत का बालाघाट विधायक ने किया औचक निरीक्षण

चल रहे निर्माण कार्य को समय सीमा में पूर्ण कर पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। बालाघाट विधायक द्वारा शहर से लगे कुछ क्षेत्रों से मिल रही शिकायतों के आधार पर निरीक्षण किया गया ।जहां बालाघाट विधायक ने पानी निकासी की समस्याओं को देखा । गुजरी बाजार में बन रहे एक पार्किंग कॉम्प्लेक्स की स्थिति का जायजा लिया और बताया कि गुजरी बाजार में जो कॉम्प्लेक्स संबंधित विभाग के द्वारा बनाया जा रहा है उसका समय पूरा होने के बाद भी निर्माण कार्य अभी भी चल रहा है , जबकि यह कार्य अभी तक हो जाना था , काम में लगातार लेट लतीफी हो रही है । हनुमान चौक में भरने वाले पानी को लेकर भी बालाघाट विधायक द्वारा चिंता जाहिर की गई है, उन्होंने बताया कि लगातार हर वर्ष हनुमान चौक में जल भराव जैसे हालात बन रहे हैं। उसके बावजूद भी नगर पालिका इस समस्या का समाधान नहीं कर रही है वही कॉम्प्लेक्स को लेकर उन्होंने नगर पालिका सहित पीडब्ल्यूडी विभाग से आये अधिकारी ,कर्मचारी को तत्काल ही तैय सीमा में कार्य किए जाने की बात कही। आपको बता दे की सोमवार को बालाघाट विधायक द्वारा शहर के कुछ वार्डो का औचक निरीक्षण किया गया । जिला मुख्यालय से लगी कुछ ग्राम पंचायत में भी चल रहे निर्माण कार्यों का बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे द्वारा जायजा लिया गया ।सबसे पहले शहर में बरसात के समय पानी निकासी की व्यवस्था को लेकर कुछ वार्डो का जायजा लिया और नगर पालिका के संबंधित अधिकारी व इंजीनियरों को पानी निकासी की व्यवस्था बनाए जाने को लेकर निर्देश दिए गये, उसके बाद बालाघाट विधायक ने इतवारी बाजार में बन रहे पार्किंग जोन का भी निरीक्षण किया । यहां उन्होंने पार्किंग जोन की समय अवधि खत्म होने के बाद भी पार्किंग जोन का निर्माण नहीं होने को लेकर अधिकारियों को

निर्देशित किया कि वह तय समय सीमा में पार्किंग जोन को बनाकर कंप्लीट करें ।इतवारी बाजार में भरने वाले मछली बाजार से उत्पन्न गंदगी और आ रही बदबू को लेकर भी नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह रहवासी क्षेत्र में मछली आदि की दुकान ना लगने दे और आ रही बदबू सहित इतवारी बाजार में साफ सफाई रखें । उन्होंने हनुमान चौक के जल भराव की समस्या का भी उल्लेख नगर पालिका के संबंधित अधिकारी, कर्मचारियों से किया । नगर पालिका द्वारा हनुमान चौक के जल भराव की समस्या को लेकर उन्होंने कहा की यहाँ व्यापारी सहित वार्ड वासी जल भराव के समय परेशान होते हैं उन्होंने नगरी प्रशासन विभाग के मंत्री को हनुमान चौक की जल भराव की समस्या को लेकर पत्र लिखा है, साथ ही जिला मुख्यालय से लगी कुछ ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों का भी उनके द्वारा जायजा लिया गया हैं । वार्ड क्रमांक 2 में बन रही सीसी रोड का भी जायजा लिया गया ।

समय सीमा खत्म होने पर भी पार्किंग जोन नहीं बना है-अनुभा मुंजारे

पद्मेश न्यूज़ से चर्चा के दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि वार्ड क्रमांक 6 शहर का एक प्रमुख वार्ड है। यहां पर इतवारी बाजार बहुत पुराने समय से लगता है। यहां पर गंदगी सहित बन रहे पार्किंग जोन को लेकर उन्हें शिकायत मिली थी, उसी का निरीक्षण करने वह इतवारी बाजार पहुंची हैं , तय समय सीमा खत्म होने के बाद भी पार्किंग जोन नहीं बना है , इसको लेकर उनके द्वारा निर्देश दिए गये हैं साथ ही आ रही दुर्गंध को लेकर मछली बाजार को शिफ्ट करने की भी बात अगर पालिका के अधिकारियों से कही गई है । पानी निकासी की समस्या को भी प्रमुखता से लेने नगर पालिका को निर्देशित किया गया है । उनके द्वारा वार्ड क्रमांक 2 में बन रही सीसी रोड का भी निरीक्षण किया गया है ।ग्राम पंचायत धपेरा (मोहगांव) में भी बन रही सीसी रोड और वार्ड क्रमांक 2 में बन रही रोड के कार्यों को गुणवत्ता से बनाए जाने को कहा है ।निरीक्षण के समय बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे के साथ नगर पालिका के नेता प्रतिपक्ष योगराज लिल्हारे, पूर्व पार्षद पन्ना शर्मा, पूर्व पार्षद छविराम नागेश्वर, पार्षद प्रवीण, पार्षद आशुतोष एवं नगर पालिका से श्री त्रिपाठी , सूर्य प्रकाश उइके , उपयंत्री शील भालेवार और अंशिका चौहान उपस्थित थी ।

जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी संजय एडवीन का निधन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । रेलवे स्टेशन में संचालित जीआरपी पुलिस चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक संजय कुमार एडवीन 62 वर्ष कि अचानक मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल पुलिस में शव पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय कुमार एडवीन मूल रूप से सिवनी के निवासी है। जिनके परिवार में पत्नी और दो बेटी है। जिनकी पत्नी जिला सिवनी के बंडोल संकुल में सहायक शिक्षिका है। संजय एडमिन रेलवे विभाग में सहायक उपनिरीक्षक के पद पर जीआरपी पुलिस चौकी बालाघाट में पदस्थ थे और रेलवे कॉलोनी में रहते थे। 16 जून को 11:00 बजे करीब अचानक संजय कुमार एडवीन की तबीयत खराब होने पर आरक्षक राकेश गड़पाले ने अपने सहकर्मी हनुमंत सैयाम के साथ उन्हें बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में ले गए थे। जहां से हालत खराब होने पर उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट लाए थे। किंतु डॉक्टर द्वारा चेक करने पर उनकी मृत्यु हो चुकी थी। खबर मिलने पर उनकी पत्नी परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात संजय एडवीन का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

नाला में डूबने से एक व्यक्ति की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम परसामऊ के चटुवा नाला में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक लामू सिंह पिता जटा सिंह आर्मो 58 वर्ष चैतूटोला परसामऊ निवासी है। 15 जून को यह घटना उसे समय हुई यह व्यक्ति अपने घर से खेत जाने के लिए निकला था। गढ़ी पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लामू सिंह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था जिसके परिवार में पत्नी और एक बेटा है और एक छोटा भाई मोहन सिंह है जो अपने परिवार के साथ अलग रहता है। बताया गया है कि लामू सिंह का खेत चटवा नाला के उस पार है। नाला पार होने के बाद ही खेत जाना पड़ता है। यही बताया गया कि लामू सिंह शराब पीने का आदी था। 15 जून को लामु सिह ने शराब पिया हुआ था और वह 10:00 बजे करीब अपने घर से खेत जाने निकला था। शाम को जब उसका छोटा भाई मोहन सिंह अपने खेत जा रहा था तभी उसने चटवा नाला किनारे अपने भाई लामू सिंह का गमछा देखा और नाला में झांकने पर नाले के अंदर पानी में उसके भाई लामू सिंह पड़ा हुआ था और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट उसके भाई मोहन सिंह 48 वर्ष ने गढ़ी थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक रूपराम झारिया अपने स्टाफ के साथ चैतूटोला पहुंचे। और चटुवा नाला से लामु सिह का शव बाहर निकलवाये। शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात लामु सिंह का शव मौके पर ही पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये। संभावना व्यक्त की गई कि लामुसिह शराब के नशे में नाला किनारे बैठने के दौरान वह फिसल कर नाले में गिर गया जिससे उसकी नाले के पानी में डूबने से मौत हो गई। उप निरीक्षक श्री झरिया द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

विद्युत करंट से एक व्यक्ति की मौत

पानी की मोटर में पानी भरते समय हुआ हादसा

बिना स्विच ऑफ किए, मोटर में भर रहा था पानी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भांडी(पिपरिया) में विद्युत करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का नाम ग्राम भांडी (पिपरिया) निवासी 45 वर्षीय हीरालाल पिता लयाराम नेवारे बताया गया है। जिसके शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर, अस्पताल चौकी पुलिस द्वारा अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही मामले की जांच के लिए डायरी वारासिवनी थाना पहुंचाई गई है।

विद्युत गुल होने पर ,बिना स्विच ऑफ किए मोटर में पानी भर रहा था हीरालाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार भांडी निवासी हीरालाल की दो लड़की और एक लड़का है ।जिसमें से एक लड़की की शादी हो चुकी है ।जबकि एक ल ?का और एक लड़की अविवाहित है ।बताया जा रहा है कि हीरालाल, बालाघाट में मिस्त्री का काम करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह हीरालाल के परिजन घर के पीछे बने कुए में लगी मोटर से पानी भर रहे थे। तभी अचानक से मोटर ने पानी छोड़ दिया और इसी दौरान विद्युत भी गुल हो गई। जिस पर हीरालाल कुएं के पास जाकर बिना विद्युत लाइन को स्विच ऑफ किए ही मोटर में पानी भरने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक से विद्युत आ गई और हीरालाल को करंट लग गया। जहां हीरालाल विद्युत करंट की चपेट में आने से कुएं के पास ही गिर गया जिस पर उसके परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए तत्काल जिला अस्पताल गंभीर अवस्था में लाया गया। लेकिन जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।बताया जा रहा है कि हीरालाल की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर अस्पताल से मार्ग डायरी मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया। वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही पूरी की। वही मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच के लिए डायरी द्वारा वारासिवनी थाना पहुंचाई गई है ।जहां वारासिवनी पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

अपनी निजि जमीन बताकर लक्ष्मण ने पानी निकासी की नाली को कर दिया था बंद

नाली बंद होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने नाली खोलने पहुंचे तो लक्ष्मण एवं उसके परिजनों ने सरपंच व ग्रामीणों से किये विवाद

राजस्व व पुलिस विभाग घटना स्थल पहुंचकर मामला करवाया शांत, जमीन का सीमांकन किया गया तो जिस जमीन को लक्ष्मण निजि बता रहा था वह शासकीय है

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी के वार्ड नं. 2 में पानी निकासी के लिए पंचायत के द्वारा बनाई गई पक्की नाली को लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा बंद कर दिया था। जिससे रविवार की रात में हुई बारिश के पानी की निकासी नही हो पा रही थी एवं आगामी समय में बरसात के दिनों में भी बारिश होने पर पानी की निकासी नही होने से ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं पानी निकासी की नाली बंद कर देने से ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त था और सोमवार को सुबह सैकड़ों ग्रामीणजन बंद नाली को खोलने के लिए सरपंच के साथ पहुंचे थे। इसी दौरान लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा मेरी निजि जमीन से पानी नही जाने देने की बात कहकर नाली को खोलने से मना कर दिया और सरपंच बीआर ढबाले व ग्रामीणजनों से लक्ष्मण व उसके परिजन विवाद करने लगे। जिसकी सूचना तत्काल लालबर्रा थाना प्रभारी एवं तहसीलदार को दी गई। वहीं पानी निकासी की नाली को लेकर विवाद होने की जानकारी लगते ही तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम व थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी पुलिसबल व राजस्व अमले के साथ ग्राम बम्हनी पहुंचे। जिसके बाद ग्रामीणजनों ने उन्हे बताया कि पुर्वजों के समय से पानी की निकासी लक्ष्मण तुमसरे के मकान के समीप से ही होता है। लेकिन विगत एक वर्ष से लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा मेरी निजि भूमि है कहकर पानी नही जाने दिया जा रहा है और पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली को बंद कर दिया गया था। इसलिए सोमवार को बंद नाली खोलने पहुंचे थे लेकिन लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवार के लोग बंद नाली को खोलने से मना कर विवाद कर रहे है। वहीं लक्ष्मण तुमसरे ने कहा कि मेरी निजि भूमि है इसलिए पानी नही जाने देउंगा। जिसके बाद

तहसीलदार व पुलिस प्रशासन के द्वारा लक्ष्मण को समझाईश दी गई कि पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली को खोल दे ताकि पानी की निकासी हो सके और उसके ऊपर से सीमेन्ट की परत डाल दी जायेगी, जिसका उपयोग कर सकते हो। लेकिन लक्ष्मण अपनी बातों पर अडिग रहा। जिसके बाद राजस्व विभाग के द्वारा पानी निकासी की नाली को लेकर हो रहे विवाद को देखते हुए जमीन का सीमांकन करवाया गया। जिसमें सामने आया कि लक्ष्मण जिस जगह को अपनी निजि भूमि बता रहा था वहां राजस्व रिकार्ड में शासकीय भूमि है। इस तरह से लक्ष्मण शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली को बंद कर अपना कब्जा बता रहा था। सीमांकन होने के बाद स्पष्ट हो गया कि बम्हनी के वार्ड नं. 2 में पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली आबादी (शासकीय) भूमि पर बनी है जिससे पानी निकासी सुचारू रूप से होगी। जिसके बाद विगत एक वर्ष से पानी निकासी के लिए पंचायत के द्वारा बनाई गई नाली को लेकर लक्ष्मण तुमसरे एवं ग्रामीणजनों के बीच हो रहे विवाद का पटाक्षेप हो गया। वहीं पानी निकासी के लिए बनाई नाली को बंद कर देने की समस्या का समाधान होने के बाद तहसीलदार ने पंचायत व ग्रामीणजनों को निर्देशित किया कि जो जमीन शासकीय है उस स्थान तक फेसिंग तार कर लेवें। जिसके बाद ग्रामीणजनों के द्वारा बंद नाली को खोलकर फेंसिंग तार कर दिया है। वहीं बंद नाली खुल जाने से अब वार्ड नं. 2 में जो पानी निकासी की समस्या बनी हुई थी वह दुर हो चुकी है।

नाली की जमीन का सीमांकन होने के बाद एक वर्ष से चल रहे विवाद का हुआ पटापेक्ष

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बम्हनी के वार्ड नं. 2 में पंचायत के द्वारा पानी निकासी के लिए पक्की नाली का निर्माण किया गया था और इस नाली के माध्यम से वार्ड 2, 8 एवं 12 में निवासरत लोगों के घरों एवं बरसात का पानी की निकासी पूर्व से हो रही है। लेकिन जिस स्थान पर पंचायत के द्वारा नाली बनाई गई थी उस जमीन को लक्ष्मण तुमसरे अपना है कहकर बंद कर दिया था। जिसके कारण बारिश एवं निवासरत लोगों के घरों का पानी की निकासी नही हो पा रही थी जिससे वार्डवासियों परेशान थे। साथ ही इस नाली का विवाद विगत एक वर्ष से चल रहा था, लेकिन समस्या का समाधान नही हो पा रहा था और कुछ दिनों में बरसात शुरू होने वाली है ऐसी स्थिति में नाली बंद होने के कारण तेज बारिश होने पर पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती थी। इसलिए ग्रामीणजन सोमवार को बंद नाली को खोलने के लिए पहुंचे थे लेकिन लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवार के लोग अपनी निजि जमीन में नाली बना दिये जाने का विरोध करते हुए बंद नाली को खोलने से मना कर विवाद करने लगे। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने तहसीलदार व पुलिस प्रशासन को बुलाकर अपनी समस्या का समाधान करवाया है। जिसमें लक्ष्मण जिस जगह को अपनी निजि बता रहा था उसका सीमांकन करवाया गया तो वह शासकीय जमीन पाया गया। इस तरह से पानी निकासी के लिए बनाई गई नाली के स्थान को लक्ष्मण अपनी निजि जमीन बताकर ग्रामीणजन व पंचायत से एक वर्ष से विवाद कर रहा था। जिसका सीमांकन करने के बाद इस विवाद पर विराम लग गया है।

मेरी निजि भूमि में पंचायत ने बना दी है नाली - लक्ष्मण

दूरभाष पर चर्चा में लक्ष्मण तुमसरे ने बताया कि जिस स्थान से नाली के माध्यम से पानी निकालने की बात कही जा रही है वह मेरी निजि भूमि है जिसे पूर्व में खरीदी है और शासन से जमीन का पट्टा भी मिला है जिसमें 25 डिस्मिल जमीन है। लेकिन पंचायत के द्वारा मेरी निजि भूमि में नाली बनाकर ग्राम का गंदा व बारिश का पानी बहाना चाह रहे है इसलिए मैंने मना किया है। श्री तुमसरे ने बताया कि मेरे निजि जमीन पर मैने कोठे का निर्माण कर लिया है और मकान के बाजू से गंदा पानी बहने से गंदगी होने से परेशानी होती है किन्तु ग्रामीणजन व प्रशासन जबरदस्ती मेरी निजि जमीन से पानी निकासी के लिए बंद नाली को खोल रहे है, जिससे मैं मानसिक रूप से परेशान हुं और इस नाली का विवाद हाई कोर्ट में चल रहा है। साथ ही यह भी बताया कि शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करने की बात कही जा रही है यह सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है।

अधिकारियों की उपस्थिति में बंद नाली को खुलवाया गया है - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि पानी निकासी के लिए पंचायत के द्वारा नाली बनाई गई है। लेकिन लक्ष्मण व उसके भाई के द्वारा नाली को बंद कर दिया गया है, जिसका विवाद एक वर्ष से चल रहा था। सोमवार को बंद नाली खोलने के लिए ग्रामीणजन पहुंचे थे लेकिन लक्ष्मण व उसके परिवार के लोग खोलने नही दे रहे थे एवं विवाद करने लगे। जिसके बाद तहसीलदार व पुलिस प्रशासन पहुंचा और उन्हे समझाईश दिये कि बंद नाली को खोल दे परन्तु वे नही माने। श्री ढबाले ने बताया कि राजस्व विभाग के द्वारा सीमांकन किया गया जो जिस स्थान पर नाली बनी है वह आबादी में है जिसके बाद बंद नाली को खोलकर पानी निकासी की व्यवस्था बनाई गई है।

स्कूलों में मनाया गया प्रवेशोत्सव, लौट आई चहल-पहल

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। शिक्षा का नया शिक्षण सत्र 16 जून को प्रवेशोत्सव के साथ प्रारंभ होते ही स्कूलों में चहल-पहल लौट आई है और इस प्रवेशोत्सव के साथ ही कक्षा 1 ली से कक्षा 12 वीं तक की पढ़ाई शुरू हो चुकी है। जिससे एक बार फिर स्कूलों में रौनक नजर आई। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश थे कि सभी स्कूलों की साफ-सफाई व रंग-रोगन एवं बच्चों व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में

प्रवेशोत्सव मनाया जाये परन्तु लालबर्रा विकासखण्ड के अधिकांश स्कूलों में बिना रंग-रोगन एवं कम बच्चों की उपस्थिति में प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं शिक्षकगणों की उपस्थिति में नवप्रवेशी बच्चों का तिलकवंदन, मिठाई खिलाकर एवं पुस्तक वितरण कर स्वागत करने के साथ ही छात्र-छात्राओं को पढ़ाई संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

पंढरापानी, देवीटोला खैरगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पंढरापानी, देवीटोला खैरगांव स्कूल में 16 जून को प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा समिति के पदाधिकारी एवं शिक्षकगणों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपस्थितजनों के द्वारा सर्वप्रथम नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का तिलकवंदन, मिठाई, पाठ्यपुस्तक वितरण एवं प्रवेश दिलवाकर उनका स्वागत किया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थितजनों ने अपने स्कूल की पढ़ाई के जीवन को याद करते हुए छात्र-छात्राओं से कहा कि जो जितना अधिक पढ़ा लिखा होगा उसे उतना अधिक ज्ञान होगा और लोगों को उसकी उतनी अधिक आवश्यकता होगी इसलिए सभी छात्र-छात्राएं लक्ष्य बनाकर पढ़ाई कर विभिन्न पदों में पहुंचकर अपने स्कूल, माता-पिता का नाम रौशन करें। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पंचायत सचिव संगठन ने जिला पंचायत सीईओं के नाम जनपद सीईओं को सौंपा ज्ञापन

19 जून को होने वाले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं अवकाश से किसी तरह का संबंध न होने की दी जानकारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय में 16 जून को पंचायत सचिव संगठन जिला अध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे के नेतृत्व में पंचायत सचिव संगठन लालबर्रा के द्वारा जिला पंचायत सीईओं के नाम जनपद पंचायत लालबर्रा सीईओं चंदरसिंह मंडलोई को ज्ञापन सौंपकर 19 जून को पंचायत सचिव संगठन की एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व अवकाश पर नही रहने एवं 19 जून को सचिवों के द्वारा शासकीय कार्य किये जाने की जानकारी दी है। आपकों बता दे कि म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के नाम पर अनेक संगठन संचालित हो रहे है जिनके द्वारा कभी भी धरना प्रदर्शन एवं सामूहिक अवकाश पर रहकर अपनी मांगों को लेकर सरकार से लड़ाई लड़ते है। इसी कड़ी में एक पंचायत सचिव संगठन के द्वारा 19 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं अवकाश पर रहने की अपील की गई है किन्तु म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दिनेशचंद्र शर्मा के निर्देशानुसार म.प्र. पंचायत सचिव संगठन बालाघाट जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे के सचिव संगठन उक्त दिनांक को धरना प्रदर्शन एवं अवकाश में भाग नही लेगें और उक्त कार्यक्रम से इस सचिव संगठन को कोई लेना-देना भी नही है इसलिए 19 जून को होने वाले एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व अवकाश में पंचायत सचिव संगठन के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे ने अपने संगठन के पदाधिकारी व सचिवों को शामिल न होने की अपील की है। चर्चा में म.प्र. पंचायत सचिव संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि कुछ पंचायत सचिव संगठन के द्वारा 19 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं अवकाश पर रहकर विरोध प्रदर्शन प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है और इस संबंध में म.प्र. शासन के नाम ज्ञापन भी सौंप दिया गया है किंतु म.प्र.पंचायत सचिव संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिनेशचंद्र शर्मा से हमें निर्देश प्राप्त

हुए हैं कि म.प्र. पंचायत सचिव संगठन का इस धरना प्रदर्शन व अवकाश से किसी तरह का कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए हमारे सचिव संगठन 19 को अपने कार्य क्षेत्र में उपस्थित होकर अपने कार्य करेंगे। किसी तरह का कोई भी धरना या अवकाश पर कोई भी साथी नही रहेगा क्योंकि जिस संगठन के द्वारा 19 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व अवकाश पर रहकर धरना प्रदर्शन करने की बात कही गई है। इस संगठन से हमारा किसी प्रकार का लेना-देना नही है, हम लोग अपने पंचायत कार्य क्षेत्र में इस दिन उपस्थित रहेगें। जिसकी जानकारी देने के लिए जिला पंचायत सीईओं के नाम लालबर्रा सीईओं को सोमवार को ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर पंचायत सचिव संगठन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे, जितेन्द्र लानगे, हुकुमचंद रहांगडाले, अभिषेक अवधिया, संतलाल पंद्रे, कमलेश चौहान, यशवंत रंगारे, जगराम राउत, जितेन्द्र गनवीर, राजेश मेश्राम, जगदीश शांडिल्य, सुरेन्द्र भंडारकर, सूरज शिव, मूलचंद बिसेन, युवराज पटले, विकास मेश्राम सहित अन्य पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

हमारे संगठन का 19 जून को होने वाले धरना प्रदर्शन से कोई लेना-देना नही है - राजेन्द्र

पंचायत सचिव संगठन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे ने बताया कि प्रदेश के कुछ सचिव संगठन के द्वारा हमारे सचिव साथियों को गुमराह करके 19 जून को एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन एवं अवकाश पर रहने का आव्हान किया गया है। किन्तु इस संबंध में हमारे संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दिनेशचंद्र शर्मा जी से दिशा-निर्देश मिले है कि हमें इस धरना प्रदर्शन व अवकाश पर किसी तरह से भी सम्मिलित नहीं होना है। शासन का काम करना है और इस तरह की अफवाह में कोई ध्यान नहीं देना है। श्री बांगरे ने बताया कि जिला पंचायत सीईओं के नाम जनपद सीईओं को ज्ञापन सौंपकर 19 जून को धरना प्रदर्शन व अवकाश पर नही रहने एवं पंचायत में कार्य करने की जानकारी दी गई है। साथ ही यह भी बताया कि कुछ लोग सचिव संगठन के माध्यम से अपनी राजनीति चमकाने का काम कर रहे हैं जिसका हम लोग विरोध करते हैं और 29 जून को हमारे संगठन के द्वारा प्रदेश स्तर पर भोपाल में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें हमारे क्षेत्र के अधिक से अधिक सचिव उपस्थित होगें, 19 जून को वाले वाले धरना प्रदर्शन कार्यक्रम से हमारे संगठन का कोई लेना-देना नही है।

मानपुर में बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने एवं केबल जलने से बिजली की समस्या से ग्रामीणजन परेशान

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर में बार-बार तकनीकी खराबी आने एवं केबल जलने से ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है। रविवार की शाम में ट्रांसफार्मर खराब होने एवं केबल जल जाने से रातभर बिजली गुल रहने से ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिससे परेशान ग्रामीणजन खराब ट्रांसफार्मर स्थल में पहुंचकर विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया 200 वाट से अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा मानपुर में खराब हुए ट्रांसफार्मर का सुधार कार्य कर बिजली सप्लाई शुरू कर दी है। लेकिन इस ट्रांसफार्मर में अधिक लोड़ होने के कारण विगत दो माह से ग्राम में लो-वोल्टेज एवं बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है, जिससे सभी को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पेट्रोलपंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर से घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है जिसके कारण बार-बार ट्रांसफार्मर में खराबी आ रही है एवं केबल जल रहे है। वहीं बार-बार बिजली कटौती व लो-वोल्टेज के चलते इस भीषण गर्मी में कुलर, पंखे नही चल पा रहे है जिसके कारण गर्मी में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही रात्रि में अंधेरा रहने पर कीड़े-मकोड़े के काटने का भी डर बना रहता है एवं सबसे अधिक परेशानी बच्चों के साथ हो रही है क्योंकि गर्मी के कारण सो नही पाते है और मच्छर काटने से विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। इसलिए ग्रामीणजनों ने विद्युत विभाग से बार-बार खराब हो रहे ट्रांसफार्मर व जल रहे केबल को बदलकर अधिक क्षमता का नवीन ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है। वहीं कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी से दूरभाष पर मानपुर के पेट्रोल पंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर जो बार-बार खराब हो रही है, जिसे बदलकर अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर बार-बार हो रहा खराब - अंकित

अंकित पिपलोद ने बताया कि मानपुर पेट्रोल पंप के समीप 100 वाट का ट्रांसफार्मर है जिससे घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है जिसके कारण ट्रांसफार्मर में लोड़ अधिक होने के कारण बार-बार ट्रांसफार्मर खराब हो रहा है। जिससे ग्राम में लो-वोल्टेज के साथ ही अधिक समय तक बिजली गुल रहने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री पिपलोद ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा खराब होने के बाद ट्रांसफार्मर को सुधार दिया जाता था लेकिन एक-दो दिन बाद पुन: ट्रांसफार्मर में खराबी आने के साथ ही केबल जलने लगते है इसलिए हमारी मांग है कि अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाये।

बिजली की समस्या दुर नही होने से ग्रामीणजन परेशान है - सतीष

सतीष बनवाले ने बताया कि इस भीषण गर्मी में ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है और बार-बार बिजली कटौती होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पुराना ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो जाता है क्योंकि घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाते है तो उनके द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया जाता है समस्या को दुर नही किया जा रहा है।

अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाये प्रशासन - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि दो महीने ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है और आये दिन ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है एवं केबल जल जाते है जिसके कारण घंटों बिजली गुल रहती है। जिसके चलते इस भीषण गर्मी में लोग परेशान होते है एवं अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है। साथ ही यह भी बताया कि विद्युत विभाग में शिकायत करने के बाद उसे सुधार देते है लेकिन एक-दो दिन बाद पुन: ट्रांसफार्मर में खराबी आ जाती है, रविवार की रात में ट्रांसफार्मर में खराबी व केबल जल जाने से लंबे समय तक बिजली गुल रही है इसलिए हमारी विद्युत विभाग से मांग है कि 200 वॉट से अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर जल्द लगाये ताकि बिजली की समस्या से निजात मिल सके।

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर में बार-बार तकनीकी खराबी आने एवं केबल जलने से ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है। रविवार की शाम में ट्रांसफार्मर खराब होने एवं केबल जल जाने से रातभर बिजली गुल रहने से ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिससे परेशान ग्रामीणजन खराब ट्रांसफार्मर स्थल में पहुंचकर विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए खराब ट्रांसफार्मर को बदलकर नया 200 वाट से अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग के द्वारा मानपुर में खराब हुए ट्रांसफार्मर का सुधार कार्य कर बिजली सप्लाई शुरू कर दी है। लेकिन इस ट्रांसफार्मर में अधिक लोड़ होने के कारण विगत दो माह से ग्राम में लो-वोल्टेज एवं बिजली कटौती की समस्या बनी हुई है, जिससे सभी को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पेट्रोलपंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर से घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है जिसके कारण बार-बार ट्रांसफार्मर में खराबी आ रही है एवं केबल जल रहे है। वहीं बार-बार बिजली कटौती व लो-वोल्टेज के चलते इस भीषण गर्मी में कुलर, पंखे नही चल पा रहे है जिसके कारण गर्मी में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही रात्रि में अंधेरा रहने पर कीड़े-मकोड़े के काटने का भी डर बना रहता है एवं सबसे अधिक परेशानी बच्चों के साथ हो रही है क्योंकि गर्मी के कारण सो नही पाते है और मच्छर काटने से विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। इसलिए ग्रामीणजनों ने विद्युत विभाग से बार-बार खराब हो रहे ट्रांसफार्मर व जल रहे केबल को बदलकर अधिक क्षमता का नवीन ट्रांसफार्मर लगाकर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है। वहीं कनिष्ठ अभियंता सरफराज कुरैशी से दूरभाष पर मानपुर के पेट्रोल पंप के समीप स्थित ट्रांसफार्मर जो बार-बार खराब हो रही है, जिसे बदलकर अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

लोड बढ़ने से ट्रांसफार्मर बार-बार हो रहा खराब - अंकित

अंकित पिपलोद ने बताया कि मानपुर पेट्रोल पंप के समीप 100 वाट का ट्रांसफार्मर है जिससे घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है जिसके कारण ट्रांसफार्मर में लोड़ अधिक होने के कारण बार-बार ट्रांसफार्मर खराब हो रहा है। जिससे ग्राम में लो-वोल्टेज के साथ ही अधिक समय तक बिजली गुल रहने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री पिपलोद ने बताया कि विद्युत विभाग के द्वारा खराब होने के बाद ट्रांसफार्मर को सुधार दिया जाता था लेकिन एक-दो दिन बाद पुन: ट्रांसफार्मर में खराबी आने के साथ ही केबल जलने लगते है इसलिए हमारी मांग है कि अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाया जाये।

बिजली की समस्या दुर नही होने से ग्रामीणजन परेशान है - सतीष

सतीष बनवाले ने बताया कि इस भीषण गर्मी में ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है और बार-बार बिजली कटौती होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसका मुख्य कारण है कि पुराना ट्रांसफार्मर बार-बार खराब हो जाता है क्योंकि घरेलु कनेक्शन के साथ ही व्यवसाय कनेक्शन को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को समस्या से अवगत करवाते है तो उनके द्वारा सिर्फ आश्वासन दिया जाता है समस्या को दुर नही किया जा रहा है।

अधिक क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाये प्रशासन - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि दो महीने ग्राम में बिजली की समस्या बनी हुई है और आये दिन ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है एवं केबल जल जाते है जिसके कारण घंटों बिजली गुल रहती है। जिसके चलते इस भीषण गर्मी में लोग परेशान होते है एवं अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है। साथ ही यह भी बताया कि विद्युत विभाग में शिकायत करने के बाद उसे सुधार देते है लेकिन एक-दो दिन बाद पुन: ट्रांसफार्मर में खराबी आ जाती है, रविवार की रात में ट्रांसफार्मर में खराबी व केबल जल जाने से लंबे समय तक बिजली गुल रही है इसलिए हमारी विद्युत विभाग से मांग है कि 200 वॉट से अधिक क्षमता का नया ट्रांसफार्मर जल्द लगाये ताकि बिजली की समस्या से निजात मिल सके।

मामला राजीव सागर परियोजना की नहर का

बोदलकसा नहर केनाल में छोटा पाइप लगाने से किसानों में आक्रोश

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बोदलकसा की नहर कैनाल में छोटा पाइप लगाने से किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा खरीफ की फसल में सिंचाई को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। जिनके अंदर राजीव सागर परियोजना नहर सिंचाई विभाग के खिलाफ आक्रोश है। जहां पर उनके द्वारा विभाग के अधिकारी कर्मचारियों पर छूटे हुए किसानों का एग्रीमेंट नहीं करने और पर्याप्त रूप से पानी नही देने के लिए लगाए गए छोटे पाइप से परेशान है। किसानों के द्वारा शासन प्रशासन से पूर्व की तरह बड़ा पाइप लगाने और समस्त किसानों को पानी उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। क्योंकि उनके सामने खरीफ की फसल के लिए जल संकट जैसी स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है।

अधिकारियों ने बड़ा पाइप निकालकर कैनाल में छोटा पाइप डाल दिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बोदलकसा के जंगल में स्थित तालाब के पास से गुजरने वाली सीतेकसा बांध की राजीव सागर परियोजना नहर में ग्राम के किसानों के लिए एक कनाल में बड़े पाइप के माध्यम से पानी खेतों में सिंचाई के लिए दिया जाता था। परंतु पिछले मई महीने में राजीव सागर परियोजना सिंचाई विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा उक्त स्थान पर बड़े पाइप को निकालकर छोटा पाइप लगा दिया गया है। जो ग्राम के किसानों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विदित हो की खेती में सिंचाई की समस्या से ग्राम के लोग कई सालों से परेशान थे जिनके सामने सिंचाई की समस्या बनी हुई थी। ऐसे में नहर से पर्याप्त सिंचाई का पानी लेने के लिए कुछ वर्षों पूर्व बड़े पाइप को लगाया गया था जिसके माध्यम से मिलने वाले पानी से किसानों के द्वारा खेती की जाती थी। जहां पर बड़े पाइप के माध्यम से करीब २०० एकड़ खेती की सिंचाई कराई जाती थी। परंतु मई महीने में अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा बड़े पाइप को निकाल कर छोटा पाइप लगा दिया गया है। जिससे करीब ३० एकड़ खेती की सिंचाई होने की संभावना व्यक्त की जा रही है बाकी किसान फिर से भगवान भरोसे हो गए हैं। जबकि पिछली बार की लगाई गई फसल में बड़ा पाइप होने पर भी किसानों को समस्या का सामना करना पड़ा था। ऐसे में वह भविष्य में होने वाली समस्या से डरे हुए हैं उनके अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है। तो वहीं विभाग के द्वारा कुछ किसानों का एग्रीमेंट ना होने की बात कही जाती है। परंतु किसानों से समय पर मुलाकात कर उनके द्वारा एग्रीमेंट भी नहीं किया जा रहा है। ऐसे में वह हर तरफ से परेशान हैं पिछली रबी में कुछ लोगों के द्वारा फसल लगाई गई थी उन्हें भी नहर से पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया था अब छोटा पाइप लगा हुआ हैं। यह जो समस्या किसानों के सामने नहर से मिलने वाले पानी की

बनी हुई है जिसको लेकर समस्त किसानों के द्वारा आवेदन सिंचाई विभाग कटंगी को दे दिया गया है। किंतु विभाग के द्वारा वर्तमान तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है और ना ही किसानों से मुलाकात की गई है जबकि छूटे हुए किस एग्रीमेंट करने तैयार है। तो वहीं समस्त किसानों के द्वारा बड़ा पाइप लगाने की मांग राजीव सागर परियोजना सिंचाई विभाग से की जा रही है ताकि समय रहते उन्हें नहर के माध्यम से पानी प्राप्त हो सके।

विरोध करने के बाद भी निकाल दिया बड़ा पाइप-नारायण जैतवार

किसान नारायण जैतवार ने बताया कि सिंचाई की समस्या हमारे सामने अब खड़ी हो गई है। नहर में छोटा पाइप सिंचाई का पानी देने के लिए विभाग के द्वारा लगा दिया गया है। इन्होंने मई के महीने में यह काम किया है इसके पहले बड़ा पाइप लगा हुआ था। इन्होंने नहर से खेतों में कम पानी निकले यही सोचकर यह कार्य किया है यह जब निकाल रहे थे तो हमारे द्वारा विरोध भी किया गया था। परंतु कर्मचारियों के द्वारा ऊपर के अधिकारी का आदेश बताकर पाइप लगाया गया है। यह जो नहर है उससे सैकड़ो एकड़ भूमि सिंचित होती है परंतु वर्तमान में भगवान भरोसे बारिश के सहारे हमें रहना पड़ेगा। अभी कोई अधिकारी इधर देखने में आया नहीं है हम तो यही चाहते हैं कि सिंचाई के लिए बड़ा पाइप लगाया जायें तभी सभी की सिंचाई संभव होगी।

सिंचाई विभाग किसानों के साथ अन्याय कर रहा है-अनंतराम बिसेन

किसान अनंतराम बिसेन ने बताया कि सिंचाई में पानी की समस्या हमारे यहां बनी हुई है कैनाल का पाइप छोटा किया है। सिंचाई नहीं हो पा रही है यह कार्य अभी किया गया है यदि नहर में पानी आता है तो पाइप छोटा होने से पर्याप्त पानी नहीं निकल पाएगा। यह सभी लोगों की समस्या है वहीं पर नहर में बहुत ज्यादा गंदगी हो गई है जिसके साफ सफाई नहीं की गई है इस कारण भी पानी रुकते हुए आता है। गांव से गुजरने वाली नहर की मुख्य केनाल में यह पाइप लगाया गया है जिससे भविष्य में किसानों को ही समस्या है अधिकारी तो अभी आए नहीं है। पानी की समस्या को लेकर आवेदन भी सिंचाई विभाग को दिया गया है पर अभी तक कुछ हुआ नहीं है जबकि बहुत सिंचाई की जरूरत होती है।

किसान एग्रीमेंट करने तैयार है तो विभाग को करना चाहियें-धुरनलाल जैतवार

सरपंच धुरनलाल जैतवार ने बताया कि सीतेकसा बांध राजीव सागर परियोजना की नहर में हमारे ग्राम में मुख्य कैनाल से पानी निकालने के लिए कुछ वर्ष पहले हमने बड़ा पाइप लगवाए थे। उस पाइप के माध्यम से गांव के करीब २०० एकड़ जमीन की सिंचाई होती थी मगर इसमें कुछ किसानों के एग्रीमेंट नहीं थे। तो एरिकेशन के कर्मचारियों ने पाइप छोटा कर दिया है। कर्मचारी एक दो बार आते हैं फिर आते नहीं है हमारे यहां किसान एग्रीमेंट करने तैयार है क्योंकि यह कृषि बाहुल्य क्षेत्र है। किसान हमेशा घर में नहीं रहते हैं उनके भी काम होते हैं हमारी अपील है कि सिंचाई विभाग एग्रीमेंट करवायें अभी जो पाइप लगा है उससे ३० एकड़ भूमि की सिंचाई संभव है। फिर किसी ना किसी का सहारा लेकर बड़ा पाइप करना पड़ेगा किसान मजबूर है।

सांदीपनि उ.मा.वि. वारासिवनी के एनसीसी कैडेट्स ने मनाया विश्व रक्त दान दिवस

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ६ एम पी का स्वतंत्र कंपनी बालाघाट के रूप २७८ सांदीपनि टिहलीबाई शा. उ. मा. वि. वारासिवनी के एनसीसी केडेट्स के द्वारा विश्व रक्तदान दिवस मनाया गया । एनसीसी अधिकारी श्रीमती अन्नू राहंगडाले ने बताया कि यह कार्यक्रम कमाडिंग आफिसर लेफ्ट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में एवं संस्था के प्राचार्य हुमराज पटले के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम ग्राम सिकन्द्रा स्थित उप.स्वास्थ्य केन्द्र में मनाया गया। इस दौरान सरपंच कन्हैयालाल खैरखार,सीएचओ श्रीमती वैशाली पारधी, एएमएम श्रीमती मालती चौधरी, डॉ. मनोज पंवार,नामेन्द्र बैस , अमित डोंगरे एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे ।तथा विश्व रक्तदान दिवस पर एनसीसी केडेट्स के द्वारा शपथ ग्रहण की गई एवं सरपंच के द्वारा कैडेट्स को रक्तदान का महत्व समझाया गया। रक्तदान दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने पोस्टर, भाषण, नारे आदि का प्रदर्शन किया।

विधायक पटेल ने अधिकारियों के साथ अस्पताल का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक विवेक पटेल ने अधिकारियों के साथ सोमवार को सिविल अस्पताल का निरिक्षण किया। वहीं पुरानी बिल्डिंग में रखे सामानो को अन्य भवनों में शिफ्ट कर पुरानी बिल्डिंग को ध्वस्त करने का निर्देश भी दिया। वर्तमान में वारासिवनी सिविल अस्पताल मात्र ४९ बिस्तरों का हैं जहाँ पर वारासिवनी खैरलांजी के करीब १२० से अधिक गाँवो के मरीज यहाँ इलाज के लिए आने के साथ ही भर्ती भी होते है। लेकिन यहाँ पर मरीजों की तादाद में बिस्तरों की सँख्या कम होने के चलते मरीजों को अधिक दूरी तय कर जिला अस्पताल में भर्ती होने जाना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए लंबे समय से वारासिवनी खैरलांजी के इस सबसे बडे अस्पताल को १०० बिस्तर का किए जाने की माँग लोंगों के द्वारा की जा रही थी। जिस पर प्रदेश सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए १०० बिस्तरों के अस्पताल निर्माण के लिए २४ करोड़ ९ लाख रुपये की राशि प्रदान की है। इस दौरान मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलवार,एसडीएम राजीव रंजन पांडे,बीएमओ डॉ कमलेश झोडे, इंजीनियर अंजू बिसेन के साथ विधायक विवेक पटेल ने अस्पताल का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि १०० बिस्तरों वाले इस अस्पताल का निर्माण पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर किया जाएँगा और यहाँ भर्ती मरीजों को अस्पताल की नई बनी बिल्डिंग में नए भवन के निर्माण तक भर्ती किया जाएँगा। विधायक पटेल ने कहा कि इस अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और माहौल मिले जिसके लिए वे लगातर प्रयासरत हैं। श्री पटेल ने कहा कि वारासिवनी का सिविल अस्पताल क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल हैं जहाँ पर एक सैकड़ा से अधिक गाँव के लोग इलाज कराने आते है। लेकिन डॉक्टरों की कमी की वजह से मरीजों को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ता है। हमारा प्रयास हैं कि यहाँ पर पर्याप्त डॉक्टरों की पदस्थापना हो इसके लिए हमनें मुख्यमंत्री से चर्चा कर उन्हें इस बात से अवगत भी कराया हैं जिस पर उन्होंने पर्याप्त डॉक्टरों की शीघ्र नियुक्ति का आश्वासन दिया हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन हेतु योग साधकों की बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में योग साधक साधिकाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी २१ जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रात: काल ५ बजे से दीप प्रज्ज्वलित कर मनाया जाएगा ।उक्त आयोजन शासन के प्रोटोकाल के अनुसार निर्धारित योग अभ्यास हेतु ६.३० बजे से टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। वर्षा की स्थिति बनने पर टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय के विभिन्न कक्षों में उक्त आयोजन किया जाएगा। शासन के द्वारा आयोजित बैठक में आमंत्रित किए जाने पर योग साधक साधिकाएं सम्मिलित होंगे । जिसमें विभिन्न कीर्तिमान स्थापित करने वाले योग अभ्यासी बच्चों एवं उनके पालकों को सम्मानित किया जाएगा। सभी ६.३० बजे से प्रोटोकाल के अनुसार योग अभ्यास करने हेतु टिहली बाई शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर आयेंगे। योग प्रदर्शन के पश्चात सभी को अंकुरित अनाज का स्वल्पाहार भी वितरित होगा। शासन की गाइड लाइन के अनुसार सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में किशोर कठौते, भेजेंद्र चौधरी,गोविंद टेंभरे, ऋतु अग्रवाल,गणेश चुरहे,प्रणय श्रीवास्तव ,मनीराम बिसेन,दुलीचंद कावड़े, नंद किशोर एडे, लक्ष्मीकांत पटले ,बसंत मिश्रा ,अशोक सोनवाने, सोहन पटले,राजू सोनेकर,श्वेता सोनेकर,राज कुमार टेंभरे, निलेश नेमा आदि उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर में विश्व हिन्दू परिषद की बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित श्री सिद्ध जागृत जोड़ा पीपल हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक विभाग मंत्री पंकज बिसेन सहित संगठन पदाधिकारी सदस्यों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र तक संगठन के विस्तार और उस पर संपर्क जैसे कार्यों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वहीं क्षेत्र में हो रहे धर्मांतरण गौ तस्करी लव जिहाद जैसे विषयों पर भी चर्चा कर रोक लगाने आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई। पद्मेश से चर्चा में पंकज बिसेन ने बताया कि वारासिवनी प्रखंड का पालक मुझे बनाया गया है ऐसे में संगठन की जो मासिक बैठक होती है इसका आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य रूप से संगठन के विस्तार को लेकर चर्चा की गई है कि ग्राम सहित मंजरे टोले तक किस प्रकार संगठन को खड़ा किया जा सकता है। इसको लेकर ग्राम स्तर पर नाम भी लिए गए हैं । वहीं आगे जिला और प्रांत की बैठक होना है उसकी भी तैयारी की गई है। अध्यक्ष श्याम बोकड़े ने बताया कि यह बैठक विशेष रूप से आयोजित की गई थी जिसमें धर्मांतरण गोरक्षण एवं लव जिहाद संगठन विस्तार जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा कर वरिष्ठ पदाधिकारी का मार्गदर्शन लिया गया है। इस अवसर पर श्याम बोकडे,अभिषेक अग्रवाल, पंकज एड़े,मिथिलेश राणा ,युगल भगत ,शुभम शुक्ला ,विनय नागेंद्र ,हितेंद्र पात्रे ,तरुण ठाकरे ,कैलाश कसार, हर्षित टेंभरे ,लोचन गौतम ,इंद्रेश टेंभरे ,बिट्टू पारधी ,निकेश अमूले, दीपक शुक्ला ,आशिक पंचेश्वर, जयेश पटले ,शैलेश पटले, साहुल ठाकरे, तुषार देशमुख ,मनीष गोस्वामी ,दसरू बंबूरे ,लखन आड़े ,चिरंजीव आड़े ,अंकित पटले मौजूद रहे।

भानपुर के पूर्व सरपंच ने अतिक्रमण हटाने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जनप्रतिनिधियों के दबाव में अधिकारी अतिक्रमण करने वालो पर नही कर रहा कार्यवाही-भरतलाल डहारे

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुर के हैंडपंप में किए गए अतिक्रमण को लेकर भानपुर के पूर्व सरपंच भरतलाल डहारे के द्वारा तहसीलदार खैरलांजी को को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के नाम का ज्ञापन सौंपकर शासकीय हैण्डपंप और अन्य आवश्यक जगह का अतिक्रमण हटाने की मांग की गई हैं। ज्ञापन में पूर्व सरपंच भरतलाल डहारे ने बताया कि २२ मई २०२५ को नायब तहसीलदार, पीएचई विभाग अधिकारी पटवारी ने घटना स्थल पर आये थे। ग्राम के वार्ड नं .९ धोबी मोहल्ला से चर्चा चल रही थी इसी बीच अतिक्रमण करने वाले गांव के ५ लड़के लोग आये और शिकायत कर्ता एवं वार्ड वासी को गाली गलोच देने लगे । जो कि सुनी नही जाती और मारने पीटने पर आमाद होने लगे। वार्ड की जनता चिल्लाकर.चिल्लाकर बोल रही थी कि हम लोग एक एक बुंद पानी के लिए तरस रहे है। उक्त परिस्थिति को देखते हुये अधिकारी गण बिना कुछ कार्यवाही किये वापस चले गये। पुर्व में इस घटना स्थल कि पटवारी द्वारा स्थल का पंचनामा बनाया गया है किन्तु ठोस कार्यवाही नही कि गई है। इस कारण अतिक्रमणकारियों का हौसला बुलंद हो गया है अतिक्रमणकारी अधिकारियों को भी कुछ नही समझ रहे है। ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा भी गरीब वार्ड वासियों के प्रति किसी प्रकार का ध्यान नही दिया जा रहा है। इस विषय में पहले भी ग्राम पंचायत सरपंच के द्वारा ३१ जुलाई २०२३ को झुठी जानकारी जिला कलेक्टर बालाघाट को भी दी जा चुकी है। इसमें अनुभागीय अधिकारी राजस्व को भी २६ जून २०२३ को दबाव में आकर सहायक यंत्री लोक स्वास्थ यांत्रिकी के द्वारा झुठी एवं असत्य जानकारी दी गई। हम चाहते है कि उपरोक्त दर्शित बिंदुओं पर गंभीरता से गौर करते हुये स्थल की पुन जांच कर वार्ड वासियो की गंभीर समस्याओं का समाधान करने एवं वार्ड क्रमांक ९ में लगे दोनों हैण्डपंप के पानी की जांच जो पुर्व में जांच करने के लिए बोले थे। किन्तु आज तक किसी प्रकार की जांच नही की गई जो कि जांच करना अति आवश्यक है जिससे कि सच और झुठ का पता लग सके।

ईरान-इजरायल भिड़ंत ः तीसरे विश्व युद्ध का शंखनाद- दो घड़ो में बटी दुनियां..?

विश्व के आकाश पर फिर एक बार तीसरे विश्व युद्ध के बादल मंडराने लगे हैं, जिसके कारण दुनियां दो हिस्सों में विभाजित नजर आ रही है, ईरान और इजरायल की आपसी भिड़ंत के कारण यह स्थिति पैदा हुई है, इजराइल की तरफ से अमेरिका दम भर रहा है, तो ईरान के साथ रूस और चीन खड़े हैं, अब दावा किया जा रहा है कि इसराइल ने यदि ईरान पर हमला किया तो अमेरिका और यूरोप जैसे देश तुरंत बेंजामिन नैतन्याहू के समर्थन में खड़े नजर आएंगे। दूसरी तरफ ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई इस लड़ाई में अकेले नहीं है बल्कि उनके साथ रूस और चीन खड़े नजर आ रहे हैं। यदि यह स्थिति जमीनी हकीकत में तब्दील होती है तो इससे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज़ हो जाएगा, बहरहाल दोनों ही ओर से हमले जारी हैं और इससे स्थिति भयावह होने की आशंका जताई जा रही है। विश्व को आशंका है कि शक्तिशाली देशों की यह भिड़ंत कहीं परमाणु युद्ध में तब्दील न हो जाए, क्योंकि दोनों ही खेमें परमाणु हथियारों से लैस हैं और इसीलिए विश्व के कई देशों से इस टकराव को रोकने की आवाज आ रही है और विश्व दो गटों में बटा साफ नजर आ रहा है। इस बीच चीन ने कहा है कि वह पूरी मुस्तैदी से ईरान के साथ खड़ा है और क्षेत्रीय स्थिरता का समर्थन करता है, रूस ने भी इसी तरह का रूख अख्तियार किया है, रूस ने ईरान को शांति का चैंपियन बताया है, इसी बीच अमेरिका ने अपने समर्थक इसराइल को उन्नत हथियारों के साथ खुफिया सहायता भी उपलब्ध करा दी है, यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनायिक जोसेफ बोरेत्व का कहना है कि इसराइल का आत्मरक्षा का अधिकार है, यद्यपि यू.एन. ने 800 अमेरिकी और यूरोपीय अधिकारियों ने खुले पत्र में सरकारी नीतियों की आलोचना की है जिसमें कहा गया कि यह नीतियां नैतिक स्थिति को कमजोर कर रही है, चीन और रूस का ईरान समर्थन ऐसे समय में आया है, जब ईरान पर इजरायल द्वारा साइबर हमले और लक्ष्यपूर्ण हिंसा के आरोप लगे हैं, ईरान ने जवाबी कार्यवाही की धमकी दी है, जिससे तनाव बढ़ता दिखाई देने लगा है। ऐसी परस्पर तैयारीयों और घोषणाओं के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक आपातकालीन बैठक आयोजित कर इस पूरे मामले पर गंभीर विचार विमर्श करने का फैसला लिया है। यह बैठक आज भारतीय समयानुसार अर्धरात्रि के बाद होगी। जिसे युद्ध की आशंका के बीच अहम माना जा रहा है, स्थिति इसलिए भयावह आशंका से परिपुरित नजर आ रही है, क्योंकि अमेरिका और यूरोप इजरायल के साथ अपने सैन्य बल को साथ लिए खड़े नजर आ रहे हैं, तो चीन और रूस ईरान की हर तरह की मदद की पेशकश कर रहे हैं, इस बीच चीन और रूस ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के इस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें ईरान को क्षेत्रीय शांति बनाए रखने को कहा गया है, इसके लिए आयोजित बैठक में चीन और रूस ईरान के पक्ष में प्रस्ताव पेश करेंगे, जबकि अमेरिका वह यूरोप इजराइल का बचाव करेंगे, क्योंकि यह टकराव वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर रहा है भारत जैसे देशों की इस द्वंद्व में पक्षपात विहीन रहने की रणनीति है, ऐसा इसलिए क्योंकि ईरान और इसराइल दोनों ही भारत के अच्छे दोस्त हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर इस विस्फोटक स्थिति को यदि ठीक से नहीं संभाला गया तो फिर तीसरे विश्व युद्ध की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता इसलिए इस पर पूरे विश्व की नजर है।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता ब?ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीड़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की ब?ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी। भूमि को पुन:स्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुन:स्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को ब?ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है। मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी 卐स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019卐 की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है। भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वत: उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यत: धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं।

-ललित गर्ग

राजमाता जीजाबाई ः मातृत्व, साहस और नेतृत्व की अद्वितीय गाथा

भारतीय इतिहास की महान विभूतियों में राजमाता जीजाबाई का नाम आदर और श्रद्धा से लिया जाता है। वे केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की जननी ही नहीं थीं, अपितु वे एक विचार, एक दृष्टिकोण और एक प्रेरणा की मूर्तिमान अभिव्यक्ति थीं। उनका जीवन मातृत्व, नेतृत्व, राजनीतिक समझ, धार्मिकता और सामाजिक चेतना का संगम था। 'शिवाजी अंधश्रद्धा से परे' (लेखक ः जेम्स डब्ल्यू लेन) में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिवाजी का व्यक्तित्व मुख्यत: जीजाबाई की शिक्षा, दृष्टिकोण और अनुशासन का ही प्रतिफल था। राजमाता जीजाबाई का जन्म 12 जनवरी 1598 को लखुजी जाधवराव और महालसा बाई के यहां देवगिरी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था। लखुजी जाधव अहमदनगर के निज़ामशाही दरबार में एक उच्चस्तरीय मराठा सरदार थे। जाधव वंश की यह कन्या अपनी बाल्यावस्था से ही राजनीतिक घटनाओं, सैन्य चर्चा और धार्मिक वातावरण से घिरी हुई थी। डॉ. जयसिंह राव पवार अपनी पुस्तक मराठों का इतिहास में उल्लेख करते हैं कि जीजाबाई की प्रारंभिक शिक्षा में शास्त्र, नीति, धर्म और प्रशासनिक मूल्यों का समावेश था। वे रामायण और महाभारत की गूढ़ शिक्षाओं में रुचि रखती थीं, जिससे उनके भीतर नीति और धर्म की समृद्ध समझ विकसित हुई। जीजाबाई का विवाह शाहजी भोंसले से हुआ, जो बीजापुर दरबार में एक शक्तिशाली सैन्य प्रमुख थे। विवाह के उपरांत जीजाबाई को राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, दमन और पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ा। शाहजी के बीजापुर दरबार में रहते हुए वे प्राय: राज्य से दूर रहते थे। इस स्थिति में जीजाबाई ने पुणे में रहकर बालक शिवाजी का लालन-पालन किया। शिवचरित्र (लेखक ः बाबासाहेब पुरंदरे) के अनुसार पुणे की वीरान भूमि को उन्होंने न केवल बसाया, बल्कि उसे शिवाजी की कर्मभूमि भी बनाया। वे स्वयं प्रशासनिक कार्यों में भाग लेती थीं और बालक शिवाजी को शासन कौशल की शिक्षा देती थीं। राजमाता जीजाबाई ने मातृत्व को केवल संतान-पालन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने इसे राष्ट्र-निर्माण का माध्यम बनाया। शिवभारत (कवि पंडित परमानंद द्वारा रचित) में वर्णन मिलता है कि जीजाबाई प्रतिदिन शिवाजी को रामायण और महाभारत की कहानियाँ सुनाया करती थीं और उन्हें रघुकुल और पांडवों के आदर्शों से जोड़ती थीं। जीजाबाई ने बालक शिवाजी को यह सिखाया कि एक राजा का धर्म केवल शासन करना नहीं है, बल्कि प्रजा की सेवा और रक्षण करना भी है।

उन्होंने बालक शिवाजी को महत्त्वपूर्ण सूत्र सिखाया ः

राजा वह नहीं जो राजमहलों में रहे, बल्कि वह है जो रणभूमि में प्रजाजनों के लिए लड़े।

सत्ता सेवा का माध्यम है, अधिकार का नहीं।

'भारतीय नारियां' (लेखिका ः रमा झा) के अनुसार, जीजाबाई का मातृत्व एक ऐसा स्तंभ था जिस पर सम्पूर्ण मराठा साम्राज्य का निर्माण खड़ा हुआ। जीजाबाई कट्टर धार्मिक थीं, परंतु वह कट्टरता अंधविश्वास नहीं, बल्कि समावेशी और सहिष्णु विचारधारा पर आधारित थी। उन्होंने शिवाजी को हिन्दू धर्म की गहराई, उसकी नैतिकता और सार्वभौमिक दृष्टिकोण से परिचित कराया। शिवाजी अंधश्रद्धा से परे में यह भी वर्णित है कि जीजाबाई के धार्मिक दृष्टिकोण ने शिवाजी को अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उनकी प्रेरणा से शिवाजी ने मंदिरों के संरक्षण के साथ-साथ मस्जिदों और सूफी दरगाहों का भी सम्मान किया, जैसा कि 1674 में उनके राज्याभिषेक के समय धर्मगुरुओं की बहुलता से सिद्ध होता है जीजाबाई ने शिवाजी को न केवल धार्मिक और नैतिक मूल्य सिखाए, बल्कि उन्होंने सैन्य कौशल और राजनीतिक चातुर्य भी सिखाया। बालक शिवाजी को उन्होंने यह सिखाया कि दुश्मन को हराना तलवार से नहीं, पहले बुद्धि से करना चाहिए। 'राजमाता जीजाऊ' (लेखक ः दत्तोपंत आपटे) के अनुसार, वे शिवाजी के सभी रणनीतिक योजनाओं में मानसिक सहारा बनी रहीं। जब शिवाजी ने 1645 में बीजापुर के विरोध में स्वराज्य की घोषणा की, तो जीजाबाई ने न केवल आशीर्वाद दिया बल्कि उनकी योजना को विस्तार भी दिया। राजमाता जीजाबाई उस कालखंड की महिला थीं, जब समाज में महिलाओं की स्थिति अत्यंत सीमित थी, परंतु उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध किया कि महिलाएं केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि समाज का नेतृत्व भी कर सकती हैं।

Women in Indian History (लेखिका ः किरण पवार) में उल्लिखित है कि जीजाबाई ने पुणे में बालिकाओं की शिक्षा के लिए पाठशालाएं खुलवाईं और विधवाओं के लिए संरक्षण गृह की स्थापना करवाई। वे इस बात की पक्षधर थीं कि स्त्रियों को भी राष्ट्र के निर्माण में समान भागीदारी दी जानी चाहिए। उनका यह दृष्टिकोण मराठा समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और जागरूकता लाने में क्रांतिकारी सिद्ध हुआ। शाहजी की अनुपस्थिति, शिवाजी के संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता — इन सब के बीच जीजाबाई एक दृढ़ स्तंभ बनकर खड़ी रहीं। जब शिवाजी अग्निपरीक्षा से गुजर रहे थे, तब जीजाबाई ने उन्हें साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित किया। जब अफजल खान के साथ युद्ध की योजना बनी, तब जीजाबाई ने अपने पुत्र को सजीव उदाहरणों के माध्यम से बताया कि धर्म और स्वराज्य की रक्षा के लिए छल का उपयोग यदि शत्रु कर रहा है, तो न्यायसंगत उत्तर देना आवश्यक है। राजमाता जीजाबाई का जीवन केवल मराठा इतिहास तक सीमित नहीं है। वह भारतवर्ष की समूची मातृशक्ति की प्रतीक बन गईं। उनके विचार, शिक्षाएं और दृष्टिकोण आज भी प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. सदाशिव कान्हेरे अपनी पुस्तक 'भारतीय इतिहास की महामाताएं' में लिखते हैं कि यदि जीजाबाई जैसी माताएं न होतीं, तो शिवाजी जैसे राष्ट्रनायक का जन्म संभव न होता। उन्होंने केवल शिवाजी को ही नहीं, भारत को एक स्वराज्य का स्वप्न देखने की शक्ति दी।

राजमाता जीजाबाई का जीवन एक जीवंत दृष्टांत है कि मातृत्व का मर्म केवल संतान का पालन नहीं, अपितु राष्ट्र का निर्माण है। उनकी शिक्षाएं, रणनीतिक समझ, धार्मिक सहिष्णुता, महिला सशक्तिकरण और साहसिक नेतृत्व आज के युग में भी प्रासंगिक हैं।

वह केवल एक माँ नहीं थीं, वह भारतमाता की प्रतिनिधि थीं — एक ऐसी प्रतिनिधि, जिनकी शिक्षाओं ने एक युग को गढ़ा और लाखों को प्रेरणा दी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि जब एक माँ जाग जाती है, तो एक शिवाजी जन्म लेता है और जब लाखों माँएं जीजाबाई जैसी हो जाती हैं, तब एक सशक्त राष्ट्र खड़ा होता है।

-डॉ. शैलेश शुक्ला

आओ खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में भारत ही एक ऐसा देश है जहां रिश्तोंनातों की बहुत गहराई से कद्र होती है, जो कि आदि अनादि काल से ही भारत की मिट्टी में समाया हुआ है,इसलिए जो मानव भारत की मिट्टी पर पैदा हुआ है उसमें प्राकृतिक रूप से उसके मन में रिश्ते नातों, संबंधों की कद्र करना समा जाता है, परंतु समय का तकाजा है,उसके चकरे के घूमने से कई चीजें न केवल बदल जाती है,बल्कि व्यक्ति विशेष का स्वभाव, अंदाज, आदत तो छोड़ो लेकिन उसके जीवन की दिनचर्या ही बदल जाती है जिसमें उसके रिश्ते नाते संबंधों में दरार आने लगती है, जिससे वह व्यक्ति खुशीयों की खूबसूरत लकीर से हटकर अकेलापन और दुख की ओर चल पड़ता है। मेरा मानना है कि इसका सबसे मजबूत कारण मिस अंडरस्टैंडिंग मिस कम्युनिकेशन व कम्युनिकेशन गैप है, चूंकि सामने वाला व्यक्ति, कहना कुछ चाहता है, हम समझते कुछ हैं, और हो कुछ और जाता है इसलिए सबसे पहले हमें उस अंडरस्टैंडिंग के अंदाज को समझने की जरूरत है,जिस लहजे में हमसे बोला जा रहा है, अगर हम यह तकनीक सीख गए तो मेरा पूरा विश्वास है हमारे रिश्ते नाते हमेशा दूर-दूर तक साधारण वह मजबूत रहेंगे। अवस्था में रहेंगे और हमें खुशियां मिलेगी क्योंकि खुशियों के लिए हमारे द्वारा बनाए संबंधों रिश्तो नातों को मजबूत स्वस्थ और खुशहाल बनाना जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे रिश्तो के बिना जीवन बेकार है रिश्तो पर ध्यान देने की जरूरत है, खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों को तोड़ने में गलतफहमी संवादहीनता व नांसमझी की मुख्य भूमिका हैँ।खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी हैँ।

साथियों बात अगर हम अपने जीवन में रिश्तों नातों को निभाने की करें तो,व्यक्ति के जीवन में उसका परिवार, दोस्त और रिलेटिव सबसे ज्यादा करीब होते हैं।रिश्ता चाहें जो भी हो,उसे निभाने के लिए कई जरूरी बातों का ख्याल रखना होता है। परिवार में हर व्यक्ति की सोच और स्वभाव एक दूसरे से अलग होती है, लेकिन फिर भी सभी घर में एक दूसरे के साथ बैलेंस बनाकर चलते हैं।कई बार व्यवहार बिल्कुल अलग होने और सोच एक दूसरे से न मिलने के कारण रिश्ते खराब हो जाते हैं और कई बार टूट भी सकते हैं,ऐसा कोई नहीं चाहता कि उनका रिश्ता उनके करीबियों से खराब हो जाए या टूट जाए, इसलिए अपने किसी भी रिश्ते में लापरवाही या नासमझी नहीं करनी चाहए। रिश्तो को खुशहाल रखने के लिए इन बातों को रेखांकित करना जरूरी है। (1) इज्जत और सम्मान करें-रिश्ता चाहें माता पिता से हो या दोस्तों से हो, उसकी मर्यादा को हमेशा याद रखना चाहिए,कोई भी रिश्ता बिना सम्मान के ज्यादा दिन नहीं टिक पाता है अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे की इज्जत करना बेहद जरूरी है। (2)भरोसा करें और ईमानदार रहें-दुनियां के हर रिश्ते की नींव भरोसे पर टिकी होती है। भरोसा कमजोर पड़ते ही सालों पुराने और खून के रिश्ते भी टूट जाते हैं,इसीलिए हमको अपने किसी भी रिश्ते में बेवजह शक नहीं करना चाहिए और अपनों का भरोसा कभी नहीं तोड़ना चाहिए। (3) इन चीजों को करने से बचेंरोक-टोक ना करें-हर समय की रोक-टोक किसी भी व्यक्ति को परेशान कर सकती है और वे आपसे धीरे धीरे दूर हो सकते हैं, इसीलिए बेवजह बात बात पर रोक टोक ना करें और सामने वाले को उनका पूरा समय देने की कोशिश करें। (4) मिसकॉम्युनिकेशन से बचें-किसी भी रिश्ते में कम्युनिकेशन गैप आने से रिश्ते खराब हो जाते हैं, इस स्थिति से बचने के लिए मन में कोई बात ना रखें और खुलकर बात करें और दूसरो को भी अपने मन की बात कहने का मौका दें।

साथियों बात अगर हम रिश्ते खराब होने के कारणों की करें तो, जब जब किसी रिश्ते के बीच में मैं का भाव आ जाता है तो है रिश्ता खराब होना निश्चित होता है,उसरिश्ते को तब तक नहीं बचाया जा सकता जब तक की मैं का भाव मिटा न दिया जाए।और यह हमारी आपसी तालमेल पर ही निर्भर करता है कभी हम अपनी गलती माने, कभी सामने वाला

अपनी गलती माने, इसी प्रकार से जिंदगी खुशी पूर्वक चलती रहती है। परंतु यदि हम यह सोच कर बैठ जाएंगे कि हम तो गल्ती करते ही नहीं, तो फिर रिश्ता निभाना मुश्किल हो जाएगा। कई बार हमको उस बात के लिए भी सामने वाले से माफी मांग लेनी चाहिए, जिसमें कि हमारा कोई दोष नहीं है,क्योंकि कभी-कभी यह समय की आवश्यकता होती है और बाद में सही समय पर उस व्यक्ति को उसकी गलती का एहसास दिलाया जा सकता है।परंतु यदि अभी लड़ाई चल रही है और हम भी अपनी बात पर अड़ गए, तो फिर विवाद का अंत होना संभव ही नहीं है, विवाद बढ़ता ही चला जाएगा और यह स्थिति हमारे जीवन में अशांति और क्लेश घर कर जाएगा। एक सफल रिश्ते की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है,विश्वास और एक दूसरे पर भरोसा, इसे कभी भी नहीं टूटने देना चाहिए, क्योंकि यदि एक बार किसी का भरोसा आप पर से उठ गया, तो यकीन मानिए फिर दोबारा से उस व्यक्ति को भरोसे में ला पाना असंभव ही होता है वह हमेशा हमें शक की दृष्टि से ही देखेगा। यदि एक बार हमारे जीवन में शक नामक घुन लग गया तो यकीन मानिए फिर वह हमको तबाह करके ही छोड़ता है। पुरानी कहावत है लव रिक्वायर्स टोलरेंस।इसका सीधा अर्थ है प्यार में नजर अंन्दाजी यानि झुकना जरुरी है।यानि अगर झुकोगे नहीं,तो टूट जाओगे(रिश्ता खत्म) ।तलाक के 90 प्रतिशत मामले अकड़ का नतीजा होते हैं। दोनों में से कोई भी झुकने को तैयार नहीं होता। इसलिए रिश्ता टूट जाता है।गलती हुई है,तो सॉरी बोलिए।बात को खत्म करिये। नजर अन्दाज करने की आदत डालिये।छोटी सी गलती को तूल देना अच्छा नहीं!अगर रिश्ता पति पत्नी का है,तो न कोई छोटा है,न कोई बड़ा ।टोकरी शहतूत के पेड़ की टहनी से इसलिए बनती है कि उसमें लचक होती है।वह मोड़ने पर टूटती नहीं ।यानि जो व्यक्ति झुकना नहीं जानता,वह टूट जाता है। इसलिए रिश्ता जिन्दा रखना है,तो झुकना सीखें वरना,एक दिन राख के ढेर में यादों को तलाशते रहजाएंगे ।रिश्तों में एक दूसरे को स्पेस देना बहुत जरूरी है। क्योंकि जब तक हम उनसे दूर नहीं जाएंगे वो आपकी कमी को कभी महसूस नहीं कर पाएंगे।और अगर रिश्तों को बेहतर बनाने की सोच से हम नजदीकियां बढ़ाएगे तो कहीं उलटा ही ना हो जाए,क्योंकि ज्यादा मिठास भी शुगर कर देती है,हाहाहा... ।इसलिए थोड़ी दूरियां बनाइये ताकि हमारी कमी उन्हें महसूस हो,हमको याद करने का उन्हें अवसर दे।

साथियों बात अगर हम रिश्तो को जोड़े रखने की टिप्स को समझने की करें तो, रिश्तो को जोड़े रखने के लिए कभी अंधा कभी बहरा तो कभी गूंगा होना पड़ता है जी हां! यह रिश्ते को ही नहीं आज अपने घर में भी हर बुजुर्ग को बच्चों के साथ रहना, खाना है,तो यह करना चाहिए। यह उपाय हमको हर समस्या से बचाए रखता है।(1) समझदारी-रिश्तों को मजबूती से जोड़ने के लिए समझदारी बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप दूसरों की भावनाओं को समझ सकते हैं।(2) संवाद कौशल-सही संवाद कौशल रखना रिश्तों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, जिससे समस्याओं का समाधान हो सकता है।(3)समर्पण-रिश्तों को टिकाऊ बनाए रखने के लिए समर्पण बहुत महत्वपूर्ण है, जिससे आप एक दूसरे के साथ खुशियों और दु:खों का हिस्सा बन सकते हैं। (4) सहमति और समर्थन-रिश्तों में सहमति और समर्थन देना जरूरी है ताकि हर कदम पर आप एक दूसरे के साथ हों। (5) आपसी आत्मविश्वासरिश्तों को मजबूत रखने के लिए आपसी आत्मविश्वास महत्वपूर्ण है, ताकि आप खुद को और दूसरों कोसमझ सकें।जो लोग रिश्तो के प्रतिवफादार नहीं होते, और उनकी मर्यादा नहीं समझते या उनकी कीमत नहीं समझते, ऐसे लोग अपने रिश्तो को आसानी से तोड़ देते हैं।रिश्ते तोड़ते समय उनके मन में जरा सा भी संकोच या शर्म महसूस नहीं होती क्योंकि ऐसे लोग शर्म और संकोच से परे होते हैं, वह जानते ही नहीं है कि ,शर्म, मर्यादा और संकोच क्या कहलाता है ? ऐसे व्यक्तियों से यदि रिश्ता टूट जाता है तो दुख नहीं करना चाहिए,क्योंकि यह व्यक्ति आगे जाकर हमें और ज्यादा परेशान करते हैं।हमें यदि कल परेशान होना है तो ,क्यों ना हम इनके रिश्ते से टूट कर ,अभी बिखर कर फिर नए तरीके से संभलकर जीवन को आगे बढ़ाएं।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ खुशियों के खूबसूरत रिश्तों नातों संबंधों की कद्र करें।खुशहाल रिश्तों नातों को मजबूत करने नजरअंदाजी झुकना व समर्पण का भाव होना अत्यंत जरूरी.रिश्तों नातों को खुशहाल बनाने आपसी आत्मविश्वास, समर्पण सहमति समर्थन व समझदारी का भाव रूपी अस्त्र की महत्वपूर्ण भूमिका हैँ

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। आवकें कमजोर रहने से सोमवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार तेजी पर रहे। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन में सुधार रहा। किराना जिंसों में सौंफ बाजार सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में आवकें कमजोर रहने से भावों में तेजी आयी। मूंग में अच्छे मालों में बाजार 7100-7400 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। चना 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में कामकाज सुस्त-सुस्त ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन सुधार पर देखा गया। उधर, किराना जिंसों में दिसावरी सुस्ती से सौंफ में नरमी का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4150, खोपरा गोला 250-290, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्स्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2650, (160) 2900-3000, (200) 3300-3400, (250) 3400-3500

तेल- सींगदाना 1350-1360, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2160-2170, सोया साल्वेंट 1070, सोया रिफाइंड 1140, कपास्या 1180-1190, धूलिया 1190-1200, कड़ी 1200,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1160, मुम्बई सोया 1170-1180,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2250, देवास-उज्जैन 2250, खंडवा-बुरहानपुर 2225, अकोला 3100 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5100-5200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5900-6000, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7300-7400, नायलोन 7400-7500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7500-8500, मीडियम 7400-7600, बेस्ट 7700-7800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 104500, चाँदी (99) 104400, टंच 103600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 86.05 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने से रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.17 पर खुला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.16 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 86.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट को दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.11 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए तनाव से भरा रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है। आप अपनी किसी समस्या को छोटा ना समझे, नहीं तो बाद में वह बढ़ सकती है। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा और किसी बात को लेकर परिवार में यदि अनबन चल रही थी, तो वह आपको समस्या देगी, इसलिए किसी मामले को आप शांत रहकर निपटाने की कोशिश अवश्य करें।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आज आप अपने कामों को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे और मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आपका कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मेल-मुलाकात करने आ सकता है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा, नहीं तो लड़ाई-झगड़ें बढ़ सकते हैं। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधाएं दूर होगी। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप राजनीति में हाथ आजमाने की कोशिश करेंगे, जहां आपको कोई बड़ा पद मिल सकता है। आपकी इनकम भी बढ़ेगी और आप अपने जरूरी कामों को भी आसानी से निपटाएंगे।

कर्क- आज आप अपनी शौक की चीजों पर अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य आगे आएं, लेकिन आपको अपने जीवनसाथी से चल रही अनबन को भी बातचीत के जरिए दूर करने की आवश्यकता है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से भी आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। कोई सहयोगी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप खूब खुला खर्च करेंगे, फिर भी आपको धन को लेकर कोई समस्या नहीं आएगी। आपके परिवार का कोई सदस्य अस्पताल में भर्ती हो सकता है और आपको किसी काम को लेकर मनमर्जी चलाने से बचना होगा, नहीं तो वह काम बिगड़ सकते है। आप अपनी संतान से किए हुए वादे को भी आसानी से पूरा कर सकेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। आपको अपने किसी मामले को छोटा नहीं समझना है। आप मौज-मस्ती में रहने के कारण कामों में लापरवाही कर सकते हैं। संतान के करियर को लेकर यदि कोई समस्या आपको घेरे हुए थी, तो वह भी दूर होगी। आपको किसी से धन को लेकर कोई वादा करने से बचना होगा। आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप कामों को करने की कोशिश तो करेंगे, लेकिन आपके मन में भ्रम रहने से आपकी समस्याएं और बढ़ेगी। आपका कोई नया वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है, लेकिन पारिवारिक समस्याओं को देखकर आपका मन परेशान रहेगा। कार्यक्षेत्र में बॉस से कहासुनी हो सकती है। आपको अपने भाई बहनों का पूरा साथ मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। आप अपने कामों में कुछ बदलाव करेंगे और अपने व्यापार में भी अच्छा धन लगा सकते हैं। आपके पिताजी का कोई पुराना रोग उभर सकता है, जो आपको परेशानी देगा। यदि आप किसी निर्णय को लेकर जल्दबाजी दिखाएंगे, तो उसके लिए बाद में आपको पछतावा हो सकता है। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारियों पर खरे उतरेंगे, जिससे परिवार के सदस्य भी आपसे खुश रहेंगे। आपको अपने सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आएंगे, जो आपको मजबूरी में ना चाहते हुए भी करने पड़ेंगे, लेकिन बिजनेस कर रहे लोगों की योजनाएं उन्हें समस्या दे रही थी, तो वह आज बेहतर लाभ देगी, जिससे उनकी इनकम भी बढ़ेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा। आपको कुछ टेंशन हो सकती है। आप अपनी माताजी से काम को लेकर कोई वादा कर सकते हैं। आप अपने बिजनेस को आगे ले जाने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। आपको अपने घर परिवार के खर्चों पर पूरा ध्यान देना होगा। मामा पक्ष से भी आपको धन लाभ मिलता दिख रहा है।

मीन- आज आप अपने मित्रों से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक काम ना मिलने से थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। आप अपने घर-परिवार में चल सही समस्याओं को लेकर अपने पिताजी से सलाह अवश्य करें। आपका धन यदि कहीं अटका हुआ था, तो आप उसे निकालने की पूरी कोशिश करेंगे।

शब्दजाल - 7932

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका, बांग्लादेश, भारत, इंग्लैंड, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल - 7931 का हल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6876

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6875

अ	नि	ता		रे	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8400

बाएँ से दाएँ

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

ऊपर से नीचे

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

शब्द पहेली-8399 का हल

त	मा	शा	ई		ह	जा	म	त
ल	ता		मा	ज	रा		त	ह
वा			न		र	न		री
र	ह	न		न	त	म	स्त	क
		शे		य		की		
ना	मु	म	कि	न		न	मा	ज
वा		न	फा		स			रु
कि	म		य	म	न		द	र
फि	त	र	त		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.06 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.24 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.40 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.03 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.17 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.38 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.25 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	23.58 बजे से
		मेष	01.28 बजे से
		वृष	03.08 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 01.02 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 09.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.47 बजे तदनन्तर विष्टि 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872378
जूलियन दिन 2460843.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः भारतीय संस्कृति का अधिष्ठान

गंगा और यमुना, दोनों हिमालय से निकलीं. लेकिन गंगा ठहरी कुछ गोरी और यमुना का रंग काला. गंगा को अपनी शुभ्रता का अभिमान हुआ. वह ऊपर-ऊपर चली. बेचारी यमुना अपने श्यामल वर्ण के कारण उससे कुछ दूर-दूर चली. लेकिन गर्वीली गंगा ने आगे चलकर देखा कि बिना यमुना के वह शतमुख से सागर में नहीं मिल सकेगी. इसलिए नम्रभाव से गंगा रुकी. उधर से यमुना आई. गंगा ने बड़े प्रेम से उसका स्वागत करते हुए कहा, ''यमुना बहन, तू मेरे पास आ. मैंने तेरा रंग देखकर तुझे हेय माना. पर तेरे किनारे पर कृष्णा भगवान ने भक्ति की वर्षा की, छोटे-बड़ों को एक किया, अपनी वंशी से एकता का गान किया, मिल-बांटकर खाने की प्रेरणा दी. अरे, तेरी महिमा के क्या कहने !'' यमुना ने गद्गद् स्वर में गंगा से यह सुनकर कहा, ''क्यों बहन, तुम मेरी बड़ाई करती हो, किन्तु तुम्हारी महिमा तो अपरम्पार है. मेरे किनारे पर भक्ति का विकास अवश्य हुआ, पर तुम्हारे किनारे से ज्ञान का प्रकाश फैला. भगवान पशुपतिनाथ तुम्हारे किनारे पर साधना-लीन हुए. असंख्य ऋषि-मुनि तुम्हारे ही तट पर तपस्या करते हैं. राजा-महाराजा अपना राजपाट त्यागकर ब्रह्मचिंतन करते हैं. बहन, तुम पूर्ण ज्ञान हो.'' तभी गुप्त रहनेवाली सरस्वती बोली, ''भक्ति और ज्ञान आवश्यक हैं, पर बिना कर्म के वे अधूरे हैं. इसलिए भक्ति का ज्ञान से और भक्ति-ज्ञान का कर्म से मिलन अनिवार्य है.'' फिर क्या था ! ज्ञानमयी गंगा, भक्तिमयी यमुना और कर्ममयी सरस्वती बाहें फैलाकर एक-दूसरें के आलिंगन में बंध गई. तीनों नदियों का संयम ज्ञान, भक्ति और कर्म की धाराओं का संगम है. भारतीय संस्कृति का यही अधिष्ठान हैं.

सूडोकु नवताल- 7185

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7184 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 677.55 अंक करीब (0.84 फीसदी) बढ़कर 81,796.15 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 भी 227.90 अंकों (0.92 फीसदी) की तेजी के साथ 24,946.50 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 27 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही हरे निशान में बंद हुए जबकि 3 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही

लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, निफ्टी 50 की 50 में से 45 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की 5 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे ज्यादा 2.39 फीसदी बढ़कर बंद हुए जबकि टाटा मोटर्स के शेयर आज सबसे ज्यादा 3.56 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।आज कारोबार के दौरान टेक महिंद्रा, टीसीएस के शेयरों में भी तेजी रही। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज टेक महिंद्रा के शेयर 2.12 फसदी एचसीएल टेक 1.66 फीसदी, टीसीएस 1.40 फीसदी, एटरनल (जोमेटो) 1.34 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.28 फीसदी, टाटा स्टील 1.25 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.25 फीसदी, इंफोसिस 1.21 फीसदी, आईटीसी 1.08 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.04 फीसदी, भारती एयरटेल 1.04 फीसदी, पावरग्रिड 1.03 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.93 फीसदी, एलएंडटी 0.89 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.86 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.75 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.75 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.65 फीसदी, एनटीपीसी 0.48 फीसदी , महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.47 फीसदी , बजाज फाइनेंस 0.47 फीसदी, टाइटन 0.44 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.44 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.36 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.27 फीसदी और एसबीआई के शेयर 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, अडाणी पोर्ट्स के शेयर 0.35 फीसदी और सनफार्मा के शेयर 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कमजोरी के साथ खुले। सेंसेक्स 152.78 अंक की तेजी के साथ 81,271.38 और निफ्टी 43.40 अंक की बढ़त के साथ 24,756.10 पर कारोबार कर रहा था। वहीं कमजोर वैश्विक संकेतों के साथ लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में बिकवाली देखी गई।

बेटियों के लिए आवश्यक है सुकन्या समृद्धि योजना

नई दिल्ली। दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे शिक्षा और शादी जैसे बड़े खर्चों के लिए वित्तीय योजना का महत्व स्वीकार किया जा रहा है। इसी दिशा में भारत सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना (एसएचवाय) की शुरुआत की है। एसएसवाय एक सरकारी समर्थित बचत योजना है जो बच्चों के भविष्य की देखरेख करती है। इस योजना में माता-पिता अपनी बेटियों के नाम

से खाता खोलकर निवेश कर सकते हैं। 10 साल की उम्र तक खाता खोल सकते हैं और एक से अधिक बेटियों के लिए भी यह योजना उपलब्ध है। इस योजना में 6 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसके दौरान पैसा निकाला नहीं जा सकता, लेकिन ब्याज मिलता रहता है। बेटी के 18 और 21 साल की उम्र में निवेश का निकासी कर सकते हैं। एक उदाहरण के रूप में, यदि कोई अभिभावक ने अपनी 1 वर्ष की बेटी के नाम पूरी सीमा में निवेश किया है, तो साल 2025 में वह अधिकतम 1.5 लाख का निवेश करेगा। इस प्रकार सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो सकती है और माता-पिता को आने वाले जीवन के महत्वपूर्ण पलों के लिए तैयार रखने में मदद कर सकती है।

ईरान-इजरायल तनाव से उड़ानों के मार्ग बदलने से हवाई यात्री परेशान

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान तनाव ने ईरान, इजरायल और पाकिस्तान के बीच यात्रा योजनाओं पर काफी असर डाल दिया है। ईरान, इजरायल, जॉर्डन, सीरिया और इराक ने हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे विमानों का मार्ग बदल गया है और यूरोप जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उड़ान कंपनियों की

लागत में वृद्धि होने के कारण हवाई किरायों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे यात्रियों को आराम नहीं मिल रहा है। फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन इन इंडियन टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी के एक अधिकारी ने बताया कि तनाव के कारण उड़ान कंपनियों की लागत में वृद्धि होने के चलते विमानों के समय पर किराये में भी वृद्धि हो रही है। उनके अनुसार यह समस्या इसी क्षेत्र में आगे भी बढ़ सकती है। हवाई क्षेत्रों पर अस्थायी प्रतिबंध से विमानों को आने-जाने में अधिक समय लग रहा है। विमानन कंपनियों ने इस मुद्दे पर चेतावनी दी है कि खाड़ी देशों से आने-जाने वाले उड़ान मार्गों पर भारी भीड़ है। इसके चलते यात्रा का समय बढ़ने की संभावना बन रही है। भारतीय एयरलाइंस एवं एयर इंडिया ने अपने मार्गों में परिवर्तन किए हैं और मार्ग बदलने से यात्रियों को हो रही असुविधा को देखते हुए उचित कदम उठाया है।

बेनेगांव-टेड़वा मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत, भारी वाहन फरार

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी-बालाघाट मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा ग्राम बेनेगांव और टेड़वा के बीच उस समय हुआ जब एक भारी वाहन ने तेज रफ्तार में जाकर मोटरसाइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के संबध में बताया जा रहा है कि 16 जून को शाम करीब 7-10 बजे गणेश पिता रामेश्वर आवरे उम्र 35 वर्ष वार्ड क्रमांक 09 बेनेगांव निवासी जो अपनी मोटर सायकल क्रमांक एमपी 50 जेड एम 3517 से ग्राम टेड़वा से अपने ग्राम बेनेगांव जा रहा था। जैसे ही बेनेगांव के प्रकाश देशमुख के घर पास पंहुचा ही था कि बालाघाट की ओर से आ रहा एक भारी वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे गणेश आवरे को सर पर भारी चोट आई, प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि गणेश भारी वाहन के नीचे आ गया था जिससे उसका सिर फटकर भेजा बहार आ गया और उसकी घटना स्थल पर ही मृत्यू हो गई। घटना की खबर लगते ही आस पास के ग्रामीण जन बड़ी संख्या में इकठ्ठा हो गये लेकिन तब तक भारी वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया था। घटना की सूचना लांजी पुलिस को प्रदाय की गई जहां पुलिस के द्वारा मौका स्थल पर पंहुचकर यथा स्थिती को नियंत्रण में लिया गया तथा मौका स्थल पर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर शव को सिविल अस्पताल लांजी पोस्टमार्टम हेतु लाया गया। वहीं पुलिस अज्ञात भारी वाहन की तलाश मे जुटी हुई है उक्त संबंध मे अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जायेगा।

जनपद में हितग्राहियों को संबल योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्रो का किया वितरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के द्वारा 16 जून को ग्रामीण क्षेत्रो के हितग्राहियों को संबल योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्रो का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाडे, रेवाजी करहाटकर, सीईओ रामगोपाल यादव सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इनकी उपस्थिती हितग्राहियों को स्वीकृति पत्रो का वितरण किया गया। मध्यप्रदेश शासन की जन कल्याण कारी संबल योजना 2.0 जिसमें क्षेत्र के हितग्राहियों को उनके परिवार के सदस्यो के मृत्यू उपरांत 2 लाख रूपये तक की सहायता राशि प्रदान की जाति है। इस योजना के अन्तर्गत 16 जून को प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री डॉ मोहन यादव जो कि महाकौशल के बरगी विधानसभा क्षेत्र के दौरा कार्यक्रम के तहत पंहुचे जहां उन्होने संपूर्ण प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना संबल के तहत सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के खातो में अनुगृह सहायता राशि प्रदान की गई। इसी योजना के तहत जनपद पंचायत लांजी क्षेत्र के 23 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना है। जिनमें 22 सामान्य मृत्य प्रकरण एवं एक आकस्मिक दुर्घटना प्रकरण शामिल है। इन्ही 23 हितग्राहियों को अनुगृह सहायता की लगभग 48 लाख रूपये के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये है। कार्यक्रम में उक्त 23 लाभान्वितों मे से 8 हितग्राहियों अतिथियों के द्वारा स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये है। मध्यप्रदेश शासन की इस योजना को अति महत्वपूर्ण योजना बताते हुये जिसमे सीधे तौर पर हितग्राहियों को लाभ प्राप्त हो रहा है। जनपद पंचायत के समस्त पदाधिकारियों के द्वारा सभी हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान कर लाभांवित किया गया।

मृग माह लगते किसानों ने शुरू की धान की बुआई

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र में मानसून की पहली बारिश व मृग माह लगते ही किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। जैसे ही आसमान से पानी गिरा, वैसे ही खेतों में हल चलने लगे और धान की बुआई का काम शुरू हो गया। इस बार जून महीने में समय पर बारिश हुई है, जिससे किसानों को धान बोने का अच्छा मौका मिल गया है। बारिश के बाद खेतों की मिट्टी नरम हो गई है, जिससे किसानों को बुआई करने में आसानी हो रही है। किसान बड़ी उम्मीदों के साथ खेतों में मेहनत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस बार मौसम उनके पक्ष में है, इसलिए वे अच्छी पैदावार की उम्मीद कर रहे हैं। कृषि विभाग की ओर से भी किसानों को हर जरूरी सहायता दी जा रही है। किसानों ने कृषि केन्द्रों से धान बीज की खरीदारी की जा रही हैं। विभाग के अधिकारी गाँव-गाँव जाकर किसानों को सही तरीके से खेती करने की सलाह भी दे रहे हैं। अब गांवों में हर तरफ खेतों में हल चल रहे हैं, बैल और ट्रैक्टर खेतों में दिखाई दे रहे हैं और किसान अपने काम में जुटे हुए हैं। चारों ओर हरियाली की शुरुआत हो गई है और खेतों में जीवन की चहल-पहल नजर आने लगी है। किसान कह रहे हैं कि अगर आगे भी मौसम इसी तरह साथ देता रहा, तो इस बार धान की अच्छी फसल होगी। मेहनत और सही समय पर बारिश से उन्हें अच्छी आमदनी की उम्मीद है। इस तरह, लांजी क्षेत्र में बारिश के साथ ही खेती की गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं और किसान उत्साह से भरे हुए हैं।

मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत हितग्राहियों को सहायता राशि हुई हस्तांतरित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशानुसार 16 जून 2025 को मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना 2.0 के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के खातों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से सहायता राशि भेजी गई।इस अवसर पर जबलपुर संभाग के ग्राम बेलखेड़ा, तहसील बरगी, जिला जबलपुर में एक मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लांजी नगर परिषद में एलईडी टीवी के माध्यम से दिखाया गया, जिससे लांजी क्षेत्र के लोग भी इससे जुड़ सके।

लांजी के 5 हितग्राहियों को मिला लाभ

इस कार्यक्रम में लांजी नगर परिषद क्षेत्र के 5 दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को सहायता राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इन लाभार्थियों को मृत्यु उपरांत अनुग्रह सहायता के रूप में निम्नानुसार राशि प्रदान की गई। स्व. छत्रपाल तरारी 4 लाख रुपए , स्व.लक्ष्मी सिरसाज 2 लाख रुपए , स्व.संजय सैयाम 2 लाख रुपए, स्व.रमेश मिश्रा 2 लाख रुपए, स्व.अनीश खान 2 लाख रुपए। इस योजना का उद्देश्य असमय मृत्यु होने पर दिवंगत श्रमिकों के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, जिससे उनके परिवार को कठिन समय में राहत मिल सके।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

लांजी नगर परिषद में आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रमुख उपस्थितजन निम्नलिखित रहे। संदीप रामटेककर उपाध्यक्ष, नगर परिषद, श्रीमती कस्तूरा वाकडे सभापति, नगर परिषद, बी. एल. लिल्हारे मुख्य नगरपालिका अधिकारी, इसके अलावा परिषद के अन्य कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे, जिनमें श्रीमती वंदना भार्गव, संतोष भार्गव, तेजराम आसटकर, शमीम खान, मचलेश चोरवाड़े, रणदीप वराड़े, देवेंद्र भंडारकर, नितिन बरगैया, श्रीमती जयवन्ति कचवाहे, उमेंद्र सोमनकर, श्रीमती सुशीला रणदिवे। इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सरकार श्रमिक परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ी है और उन्हें समय पर सहायता पहुँचाने के लिए संकल्पित है।

विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में " विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस" के अवसर पर सहारा वृद्धाश्रम भटेरा चौकी बाालाघाट में विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण षिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में उपस्थित श्री सतीष शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2016 एवं माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही निशुल्क विधिक सहायता योजना के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। श्री शर्मा ने कहा कि भारत में 60 फीसदी वरिष्ठ नागरिक दुर्व्यवहार का सामना करते है जो कि बहुत दुखद है, इस ओर हम सभी को ध्यान देने की आवष्यकता है कि वरिष्ठ नागरिकों से किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न हों। शिविर में उपस्थित जीतेन्द्र मोहन धुर्वे जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट ने कहा कि दुनियाभर में हर साल 15 जून का दिन विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस" के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का खास मकसद ही है बुजुर्ग के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की तरह लोगों का ध्यान आकर्षित करना, उन्हें जागरूक करना और इसे रोकने के प्रयास करना। आजकल कई ऐसे मामले सुनने को मिलते हैं जहां लोग बूढ़े मां-बाप के साथ अच्छा बर्ताव नहीं करते, उन्हें वृद्धाश्रम में रहने के लिए भेज देते हैं और भी कई कारणों से परेशान करते हैं। जो बहुत ही दुखदायी है,हमे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान करना चाहिए। साथ ही मध्यस्थता एवं विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल से आशुतोष शुक्ला डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, दुर्गेश लिमजे एवं चन्द्रेश नागेश्वर असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल, सहारा वृद्धाश्रम के संचालक ी धनेन्द्र हनवत, जिला प्राधिकरण के कर्मचारी धनेन्द्र उपराढ़े, वृद्धजन एवं वृद्धाश्रम के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहें।

तैराकी का ग्रीष्मकालीन शिविर का हुआ समापन, 5 दिवसीय योग शिविर हुआ प्रारम्भ

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। तैराकी संघ द्वारा आयोजित मासिक तैराकी ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन सोमवार को बजरंग घाट पर समापन हुआ। यहाँ कलेक्टर मृणाल मीना ने शिविर में शामिल हुए तैराक युवकों प्रमाण पत्र वितरित किये। इस दौरान युवकों नव अपने अनुभव साझा किए। कलेक्टर श्री मीना ने तैराकी संघ के युवकों तथा संघ के पदाधिकारियों को 21 जून को आयोजित होने वाले योग दिवस के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के सम्बंध में चर्चा की गई। अब तैराकी संघ द्वारा संघ से जुड़े तैराक युवा और अन्य नागरिको के लिए सुरम्य वातावरण में नदी किनारे 5 दिवसीय योग प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस दौरान एसडीएम गोपाल सोनी, तैराक संघ के महेंद्र सुराणा,पूर्व नपा अध्यक्ष रमेश रँगलानी व तपेश असाटी सहित नगर के को तैराकी संघ व आम नागरिकों के लिए 5 दिवसीय योग शिविर आयोजित करने की रूपरेखा तय की।

सरकारी महकमे से उठी मांग

भ्रष्टों पर सरकारी भत्ते की मौज हो बंद, तब रुकेंगे रिश्वतखोरी के मामले

भोपाल। मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को रोकना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। बीते साल के आंकड़े बताते हैं कि लोकायुक्त टीम ने 238 मामलों में रंगे हाथों रिश्वतखोरों को पकड़ा। बीते छह माह में 100 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। बड़ी बात यह है कि भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को लेकर शिकायतों के अलग-अलग मंचों पर पीड़ितों के आवेदनों की संख्या दो हजार के भी पार है। प्रदेश को भ्रष्टाचार की जद में देख प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी कर्मचारी संगठन ने बड़ी मांग सरकार से की है। यह मांग है निर्वाह भत्ता बंद करने की। यह वहीं भत्ता है जो निलंबन के बाद संबंधित दोषी अधिकारी-कर्मचारी को दिया जाता है। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र भी लिखा गया है। तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि प्रदेश में भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोर सरकारी मुलाजिमों पर सरकार उपकार करती है। पहले तो शिकायतों पर कार्रवाई कर निलंबन फिर निर्वाह भत्ता भी सरकार ही देती है। यह संबंधित दोषी कर्मचारी या अधिकारी को जीवन यापन के लिए दिया जाता है। निलंबन सजा के दौर किया जाता है तो निर्वाह भत्ता की आवश्यकता क्यों। उमाशंकर तिवारी ने यह भी बताया कि इस भत्ते के कारण भ्रष्टों पर कोई असर भी नहीं पड़ता। साथ ही रिश्वतखोरी को बढ़ावा मिलता है। दूसरी बात यह भी कि रिश्वतखोर या भ्रष्टाचारी का खुलासा तब होता है जब इसका खुलासा होता है। जबकि सालों तक ऐसे ही भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी लूट करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भत्ता की रकम जनता की पसीने की कमाई से ही सरकार के द्वारा दी जाती है। लिहाजा किसी भ्रष्टाचारी को जनता के हिस्सा का पैसा आखिर क्यों दिया जाए। यदि निलंबन 90 दिनों के लिए है, तो कर्मचारियों को उनके वेतन का 50 प्रतिशत निर्वाह भत्ते के रूप में मिलता है। यदि यह निलंबन 90 दिनों से अधिक समय तक जारी रहता है तो निर्वाह भत्ता वेतन का 75 प्रतिशत होगा। निर्वाह भत्ते में एसआरए, महंगाई भत्ता या कोई अन्य विशेष वेतन जैसे भत्ते शामिल नहीं हैं। निर्वाह भत्ते की राशि किसी कर्मचारी के मूल वेतन से अधिक नहीं होनी चाहिए। निर्वाह भत्ता बंद करने को लेकर कांग्रेस और बीजेपी भी एक राह है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता स्वदेश शर्मा ने बताया कि प्रदेश रिश्वतखोरों की चपेट में है। निर्वाह भत्ता बंद होने से धांधली करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों में भय भी होगा। निलंबन पर वेतन के 75 प्रतिशत तक राशि भत्ते के रूप में देने से दोषी सजा नहीं मौज ही कटता है। उधर बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता शिवम शुक्ला ने कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। ऐसे में कर्मचारी संगठन की ओर से मांग पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। यह मामला पहली बार सरकार के संज्ञान में लाया गया है। कर्मचारी संगठन की यह पहल स्वागत योग्य है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कोलारस के पूर्व विधायक का कांग्रेस से इस्तीफा

वीरेन्द्र रघुवंशी ने स्वास्थ्य का हवाला दिया, बोले- शायद मेरे लायक पार्टियां नहीं बचीं

भोपाल। शिवपुरी के कोलारस से पूर्व विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पार्टी से इस्तीफा देने की बात लिखी है।

पूर्व विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी ने 2 सितंबर 2023 को तब के पीसीसी अध्यक्ष कमलनाथ के समक्ष भाजपा छोड़कर कांग्रेस का दामन थामा था। तब वे कोलारस भाजपा विधायक थे।

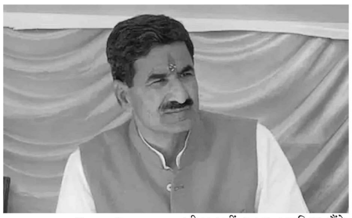

सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन जीऊंगा

सोशल मीडिया पर इस्तीफा पोस्ट करने के बाद रघुवंशी से इनकी वजह जानने की कोशिश की गई। फोन से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता, इसलिए मैंने अपने राजनीतिक कदम पीछे खींच लिए हैं। अब आगे वह सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन जीएंगे। उन्होंने पार्टियों के आज के वातावरण को लेकर कहा- अब यहां वैसा वातावरण नहीं है। अब या तो मेरे लायक पार्टियां नहीं बचीं या फिर मैं राजनीतिक पार्टियों के लिए नहीं बचा। यह बात मैं भी नहीं समझ पा रहा हूं। इसके चलते मैंने राजनीति से दूर रहने का मन बना लिया है। आगे अब मैं किसी भी पार्टी में नहीं जाऊंगा।

कांग्रेस पार्टी से ही हुई थी राजनीति की शुरुआत

विधायक वीरेंद्र रघुवंशी ने अपने राजनीतिक कॅरियर की शुरुआत कांग्रेस से ही की थी। वर्ष 2007 का उपचुनाव शिवपुरी विधानसभा से वह जीत कर पहली बार विधायक बने थे। 2008 और 2013 के विधानसभा चुनाव में मिली हार का जिम्मेदार बीरेंद्र रघुवंशी ने अपने ही वरिष्ठ नेताओं को मानते हुए कांग्रेस से वर्ष 2014 में इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था। 2018 के विधानसभा चुनाव में वे भाजपा की टिकट पर कोलारस विधानसभा से विधायक चुने गए। हालांकि 5 साल की विधायकी पूरी होने से पहले ही उन्होंने 2023 में कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने प्रेस से बात करते हुए अपना दर्द बयां किया था। उन्होंने कहा था कि जिन लोगों की वजह से मैंने कांग्रेस छोड़ी थी, वही लोग भाजपा में शामिल होकर विकास के कार्यों में रोड़ा अड़ाने का कार्य कर रहे थे।

युवा कांग्रेस के चुनाव में मतदान का बिगुल बजा

20 जून से 19 जुलाई तक होगा 6 पदों के लिए मतदान

भोपाल। कांग्रेस के युवा संगठन युवा कांग्रेस के चुनाव में मतदान का बिगुल बज गया है। अब घोषित किए गए कार्यक्रम के अनुसार 20 जून से 19 जुलाई तक मतदान होगा।

युवा कांग्रेस के चुनाव में विभिन्न पदों के लिए दावेदारों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए जाने, इन नामांकन पर दावे-आपत्ति बुलाए जाने और उनका निराकरण कर प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी करने का काम हो गया है। अब मतदान के कार्यक्रम की घोषणा का इंतजार किया जा रहा था। वैसे तो सभी को यह उम्मीद थी कि 16 जून से ही इस चुनाव का मतदान शुरू हो जाएगा। 15 जून की शाम को इस चुनाव को लेकर यह घोषणा की गई है कि युवा कांग्रेस का सदस्यता और मतदान अभियान 20 जून से शुरू होगा। इस दिन सुबह 9 बजे से इस कार्य की शुरुआत होगी, जो कि 19 जुलाई को शाम 5 बजे तक चलेगा। इस चुनाव के माध्यम से ही युवा कांग्रेस के सभी पदों पर पदाधिकारी का निर्वाचन होगा।

50 में मिलेगी सदस्यता और दे सकेंगे 6 वोट

युवा कांग्रेस के चुनाव कार्यक्रम के अनुसार किसी भी युवा को सदस्य बनने के लिए 50 की राशि चुकाना पड़ेगी। यह राशि जमा कर सदस्य बनने के तत्काल उपरांत संबंधित व्यक्ति मतदान कर सकेगा। ऐसे हर सदस्य को छह पदों के लिए वोट देने का अधिकार होगा। इस व्यक्ति द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष, असेंबली प्रेसीडेंट, जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव, प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव के पद के लिए मतदान किया जाएगा। यह पूरा मतदान ऑनलाइन होगा। मतदान 20 जून को समाप्त होने के पश्चात मतगणना और परिणाम की घोषणा की जाएगी।

कांग्रेस को नहीं मिला ट्रांसजेंडर प्रत्याशी

इस बार कांग्रेस द्वारा प्रदेश महासचिव का एक पद ट्रांसजेंडर प्रत्याशी के लिए आरक्षित किया गया था। इस पद के लिए किसी भी ट्रांसजेंडर युवा द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया है। ऐसे में यह पद रिक्त रहना निश्चित हो गया है। कांग्रेस के नेताओं द्वारा कोशिश किए जाने के बावजूद उन्हें कोई ट्रांसजेंडर प्रत्याशी नहीं मिला।

कांग्रेसी होकर भी आरएसएस से जुड़ा हूं

-सुसनेर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भैरो सिंह परिहार बोले

भोपाल। आगर-मालवा की सुसनेर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भैरो सिंह परिहार ने खुले मंच से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तारीफ की है। उनका एक वीडियो सामने आया है, इसमें वे कहते दिख रहे हैं कि वे कांग्रेसी होते हुए भी संघ से जुड़े हैं। इस वीडियो को बीजेपी ने तंज कसते हुए एक्स पर शेयर किया और राहुल गांधी को टैग करते हुए लिखा कि जिस संघ को राहुल गांधी दिन-रात कोसते हैं, उसी संघ से कांग्रेस के विधायक जुड़े हुए हैं और उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। बीजेपी ने राहुल गांधी को सलाह दी कि अब नींद से जागिए और अपनी पार्टी में स्लीपर सेल और 'घोड़े' मत ढूंढिए।

वीडियो करीब 10 दिन पुराना बताया गया है। कांग्रेस विधायक परिहार आगर मालवा में राजपूत महासभा के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि आप भी संघ से जुड़े हुए हैं। मैं आपका सम्मान करता हूं। मैं भी संघ से जुड़ा हुआ हूं। कांग्रेसी होते हुए भी संघ से जुड़ा हूं। संघ के लिए मैंने काम किया है। पहले संघ के एक कार्यक्रम में आया था, उसमें मुख्यमंत्री भी थे। परिहार ने कहा कि मैंने कई पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम किया है। दो साल पहले जब दारा सिंह मुख्यमंत्री से मिलने आए थे और गरोठ के विधायक को पुलिस उठाने आई थी, तब मैंने संघ के लिए कॉम्प्रोमाइज करवाया था। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेसी तो गिनती के बचे हैं। अगर मैं संगठन में आ गया तो मंडल अध्यक्ष पूछेगा- कौन आया है ये?

आपकी पार्टी में भी कुछ अच्छे लोग

बीजेपी प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने इस वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि सुसनेर से कांग्रेस विधायक भैरो सिंह परिहार खुले मंच से कह रहे हैं कि वे संघ से जुड़े हैं। हो सकता है, आपकी पार्टी में कुछ अच्छे लोग भी हों। हालांकि, ये भी हो सकता है कि वे अच्छे लोग आपके दिल में न हों।

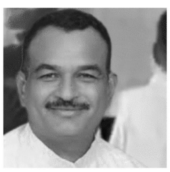

पहली बार के विधायक हैं भैरो सिंह

भैरो सिंह आगर मालवा जिले की सुसनेर विधानसभा सीट से पहली बार विधायक चुने गए हैं। उन्होंने साल 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के विक्रम सिंह राणा 'गुड्डू भैया' को हराया था। वे करीब 10 दिन पहले गरोठ में सोंधिया समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इसमें सभी राजनीतिक दलों और संगठनों के लोग शामिल थे। विधायक के इस बयान की कांग्रेस संगठन में शिकायत भी हुई है।

नौ पार्षदों के उप निर्वाचन में 8823 मतदाता करेंगे मताधिकार का उपयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 9 नगरीय निकायों में एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। उप निर्वाचन में 8 हजार 823 मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7 में कुल 1486, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11 में 1946, नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7 में 1386, गौतमपुरा के वार्ड 15 में 758, ककरहटी के वार्ड 13 में 389, बिछिया के वार्ड 13 में 576, खांड के वार्ड 8 में 375, न्यूटन चिखली के वार्ड 4 में 512 और नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में 1395 कुल मतदाता है। यहां पर पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा। निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 16 जून से शुरू हो चुका है।

जिलों में 'प्रभार' पर प्रशासनिक व्यवस्था

एक अधिकारी को तीन-चार अतिरिक्त प्रभार देने की मजबूरी

भोपाल। प्रदेश में समय पर पदोन्नति और पदस्थापना नहीं होने से प्रशासनिक व्यवस्था डगमगाने लगी है। जिसका जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। अधिकारियों की पदस्थापना में देरी की वजह से पिछले 17 दिन से दतिया कलेक्टर प्रभार में चल रहा है। 10 जिलों में महीनों से एडीएम नहीं है। ऐसी स्थिति में एडीएम का अन्य अधिकारियों को प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। कुछ जिलों में जिला पंचायत सीईओ प्रभारी हैं, तो करीब आधी जनपद पंचायतों में सीईओ के दायित्व प्रभारी अधिकारियों को दे रखे हैं। प्रदेश में बड़े जिलों की अपेक्षा छोटे जिलों में प्रशासनिक व्यवस्था ज्यादा लचीली है।

पिछले महीने 31 मई को दतिया कलेक्टर रिटायर हो गए हैं। इसी तरह उमरिया के एडीएम शिव गोविंद मरकाम भी पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए थे, लेकिन उनकी जगह अन्य किसी को नहीं भेजा गया। चंबल संभागायुक्त का दायित्व लंबे समय से ग्वालियर संभागायुक्त ही संभाल रहे हैं। जिलों में पोस्टिंग नहीं होने से एडीएम स्तर के अधिकारी सेवानिवृत्ति होते गए, लेकिन नई पोस्टिंग नहीं की है। इस वजह से हरदा, सीधी, सिंगरौली, श्योपुर, मऊगंज, डिंडोरी, देवास, छिंदवाड़ा, झाबुआ और उमरिया जैसे जिलों में एडीएम का दायित्व प्रभार में सौंप रखे हैं। यानी 10 जिलों में एडीएम प्रभारी अधिकारी बने बैठे हैं।

जनपद, खनिज अधिकारी भी प्रभारी

मप्र पंचायत विभाग के पास अधिकारियों का भारी टोटा है। विभाग के अनुसार 313 विकासखंड हैं। इसके मुकाबले करीब 158 जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ही काम कर रहे हैं। ऐसे में शेष जनपद प्रभारियों के भरोसे हैं। ऐसे में काम चलाने के लिए जिलाधीशों ने एसडीएम, तहसीलदारों को जनपद के अतिरिक्त प्रभार सौंप दिए हैं। शिवपुरी में 2023 बैच के एसडीएम अनुपम शर्मा को एसडीएम के साथ जनपद सीईओ, मंडी और खनिज का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जबकि अधिकारी को सेवा में आए ही सालभर पूरा नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति अन्य जिलों में भी है। डिंडोरी, मंडला, टीकमगढ़, शहडोल जैसे जिलों में एसडीएम के पास अतिरिक्त प्रभार भी हैं।

नए जिलों में हालत ज्यादा खराब

प्रदेश के छोटे एवं नए जिलों में पूरा प्रशासनिक तंत्र अप-डाउन वाले अधिकारियों के भरोसे हैं। पांढुर्ना में ज्यादातर अधिकारी छिंदवाड़ा एवं आसपास के जिलों से आते हैं। मैहर में सतना से आते हैं, मऊगंज में रीवा से आते हैं। इसी तरह निवाड़ी जिले में भी ज्यादातर विभागों के अधिकारी टीकमगढ़ से आते हैं। इसकी प्रमुख वजह अधिकारियों के जिला स्तर जैसी सुविधाएं नहीं हैं। निवाड़ी जिले में गठन के 4 साल तक कलेक्टर कार्यालय एक स्कूल भवन से संचालित हुआ था।

बीजेपी प्रशिक्षण वर्ग में सीएम डॉ. मोहन ने किया योग

भोपाल। पचमढ़ी में बीजेपी के प्रशिक्षण शिविर के तीसरे और अंतिम दिन सोमवार को शिविर के समापन सत्र में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने सुबह योग किया। इसका वीडियो भी सामने आया है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पचमढ़ी में योग किया। सीएम ने शीर्षासन, मयूरासन समेत कई दुर्लभ आसन किए। डॉ. मोहन के योगासन देखकर सांसद और विधायक भी हैरान रह गए। इसके बाद उन्होंने चार-पांच विधायकों से कहा, मेरा हाथ झुकाकर दिखाओ। सीएम ने अपनी भुजा फैलाई, लेकिन चार-पांच विधायक भी उनका हाथ नहीं झुका सके। आपको बता दें कि 14 जून से पचमढ़ी के होटल ग्लेन व्यू में इस वर्ग की शुरुआत हुई थी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया था। पहले दिन केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सत्रों को संबोधित किया था।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद लौटी चहल-पहल

भोपाल। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज से स्कूल शुरू हो गए हैं। बच्चों के स्वागत के लिए कई स्कूलों में रंगोली सजाई और तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। बच्चे शिक्षकों के आत्मीय व्यवहार से गदगद नजर आए। हालांकि अभिभावकों की मशक्कत भी नजर आ रही है। कोई स्कूल तो कोई बस स्टॉप छोड़ने की जुगत में देखे गए।

स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र तो अप्रैल में शुरू हो गया था। इसके बाद 45 दिन का लंबा ग्रीष्मकालीन अवकाश भी अब खत्म हो गया है। सोमवार सुबह-सुबह शहर में स्कूली बसें खूब नजर आईं। चौराहे... जहां स्कूल के बस स्टॉप बने हैं, वहां पर खुशी-खुशी बच्चे स्कूल जाने के लिए नजर आए।

मप्र में जल्द लागू होगा स्मार्ट पीडीएस सिस्टम

- 4.74 करोड़ हितग्राहियों की ई केवायसी पूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली लागू करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इस व्यवस्था को सुचारु रूप से लागू करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी अनिवार्य की गई है। एमपी में 4.74 करोड़ हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी हो चुकी हैं। जून महीने में 100 प्रतिशत हितग्राहियों को जोड़ने का लक्ष्य है।

प्रदेश में चलाए जा रहे ई-केवाईसी अभियान के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 11 लाख हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराई जा चुकी है। प्रदेश के कुल 5.32 करोड़ हितग्राहियों में से 4.74 करोड़ हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूर्ण हो चुकी है, जो कुल संख्या का 89 प्रतिशत है। यह उपलब्धि प्रदेश की प्रशासनिक तत्परता और जनभागीदारी का प्रमाण है।

54.8 लाख शेष हितग्राहियों के लिए विशेष अभियान

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में अभी भी 54.8 लाख पात्र हितग्राही ऐसे हैं जिनकी ई-केवाईसी बाकी है। इन्हें जोड़ने के लिए जून माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसे लिए सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि ग्राम और वार्ड स्तर पर शिविरों का आयोजन करते हुए शेष हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी कराई जाए। अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने सभी संभागायुक्तों और कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि वे इस अभियान को अपनी प्राथमिकता सूची में सर्वोपरि रखें और सभी आवश्यक मानव संसाधनों, तकनीकी उपकरणों व जागरूकता गतिविधियों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करें। अभियान की मॉनिटरिंग प्रतिदिन स्तर पर की जाएगी।

मोबाइल ऐप से घर बैठे ई-केवाईसी की सुविधा

राज्य सरकार ने हितग्राहियों की सुविधा और डिजिटल पहुंच को ध्यान में रखते हुए मेरा ई-केवाईसी नामक मोबाइल एप लांच किया है। यह एप एंड्रॉयड आधारित सभी स्मार्टफोनों पर उपलब्ध है और इसे गूगल प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। इसके माध्यम से कोई भी हितग्राही, चाहे वह वृद्ध हो, दिव्यांग हो या ग्रामीण अंचल में रहने वाला हो, अपने आधार नंबर और ओटीपी दर्ज करके घर बैठे खुद और अपने परिवारजनों की ई-केवाईसी कर सकता है। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि लंबी लाइनों, दस्तावेजी परेशानी और बार-बार केंद्रों पर जाने की आवश्यकता भी खत्म होती है।

मंत्री ने जनता से की ये अपील

खाद्य मंत्री ने प्रदेश के समस्त राशन पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपनी ई-केवाईसी पूरी करें। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी न केवल तकनीकी अनिवार्यता है, बल्कि यह सुनिश्चित करती है कि वास्तविक पात्र हितग्राही को उसका पूरा हक समय पर और बिना किसी बाधा के प्राप्त हो। 'मेरा ई-केवाईसी' एप और शिविरों के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई भी व्यक्ति इस प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि ई-केवाईसी को एक सामाजिक दायित्व के रूप में लें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। ई-केवाईसी पूर्ण करने से हितग्राहियों को भविष्य में राशन वितरण में बाधा या कटौती की कोई आशंका नहीं रहेगी।

एसपी और सब इंस्पेक्टर आईजी कार्यालय में अटैच

-पचमढ़ी में आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में ड्यूटी के दौरान हुई थी जोरदार बहसबाजी

भोपाल/नर्मदापुरम। पचमढ़ी में आयोजित भाजपा के प्रशिक्षण शिविर में ड्यूटी के दौरान नर्मदापुरम जिले में तैनात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और सब इंस्पेक्टर के बीच हुए तीखे विवाद को गंभीरता से लेते हुए पुलिस मुख्यालय ने दोनों को मैदान से हटाते हुए आईजी कार्यालय में अटैच कर दिया गया है। गौरतलब है की आदेश से एक दिन पहले दोनों अधिकारियों के बीच हुई झड़प की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार एडिशनल एसपी आशुतोष मिश्र और एसआई कमल किशोर मौर्य के बीच तीखी झड़प हुई थी। उस दौरान वहां से डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल गुजर रहे थे। उन्होंने भी यह सारा माजरा देखा था। इधर, घटना की वीडियो वायरल होने पर पुलिस मुख्यालय ने भी इसे गंभीरता से लिया। जिसके बाद पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के कार्यालय से सोमवार को आदेश जारी हुआ। जिसमें बताया गया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र और उप निरीक्षक कमल किशोर मौर्य का आचरण अमर्यादित और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। जिस कारण विभाग की छवि भी धूमिल हुई है। इसलिए दोनों अधिकारियों को तत्काल आईजी नर्मदापुरम जोन अटैच करने के आदेश दिए गए हैं।

मप्र में मानसून की एंट्री

बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते पहुंचा; अबकी बार 106 प्रतिशत बारिश का अनुमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में सोमवार दोपहर बाद मानसून ने प्रदेश में दस्तक के दी। मानसून बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते प्रदेश में पहुंचा। इस बार मानसून 1 दिन लेट हो गया। पिछली बार 6 दिन की देरी से 21 जून को आया था। प्रदेश में मानसून के प्रवेश की सामान्य तारीख 15 जून है। चूंकि, इस बार देश में मानसून 8 दिन पहले ही आ गया था। इसलिए संभावना थी कि एमपी में यह जून के पहले सप्ताह में ही आ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। महाराष्ट्र में एक ही जगह पर मानसून ठहरा रहा। इस वजह से यह आगे नहीं बढ़ा। दो-तीन दिन से मानसून की गतिविधियां फिर बढ़ीं। इसके बाद आज यह प्रदेश में छा गया।

सोमवार दोपहर को प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश हो रही हैं। इनमें बड़वानी, खंडवा, खरगोन, बुरहानपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर, रीवा समेत और जिले शामिल हैं।

भारतीय मौसम विभाग ने जून से सितंबर यानी चार महीने तक प्रदेश में 104 से 106 प्रतिशत तक बारिश होने का अनुमान जताया है। यानी, इस बार प्रदेश में 40 इंच या इससे अधिक पानी गिर सकता है। 27 मई को मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया था।

देश में 8 दिन पहले पहुंचा था मानसून

इससे पहले मानसून ने देश में भी 8 दिन पहले दस्तक दी थी। वहीं, 26 मई को मानसून महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में 15 दिन पहले ही पहुंच गया था, जबकि यहां मानसून आने की सामान्य तारीख 10 जून तक है। हालांकि, इसके बाद मानसून एक ही जगह पर ठहर गया था। इस वजह से मध्यप्रदेश में आने में ज्यादा दिन लग गए। पहले मौसम विभाग ने 4 जून तक मानसून की एंट्री की संभावना जताई थी।

कृषि भूमि पर कॉलोनी बनेगी तो होगी जब्ती

कॉलोनाइजर पर मप्र सरकार सख्त... नियम तोड़कर कॉलोनी बनाने पर होगी जेल, संपत्ति व बैंक खाते होंगे सीज

भोपाल। मध्य प्रदेश में अवैध कालोनियों के खिलाफ सरकार अब कड़ा रुख अपनाने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति ने नियमों को दरकिनार कर गैरकानूनी तरीके से कॉलोनी बसाई, तो उसके खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। उसके साथ ही ऐसे कॉलोनाइजर की संपत्ति जब्त कर उसके बैंक खाते सीज किए जाएंगे। मोहन सरकार ने इस दिशा में मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों को और सख्त करने की तैयारी कर ली है। नए नियमों का प्रारूप बन चुका है और इसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

37 साल पुराने कानून में अब आएगा बदलाव

वर्ष 1998 से ही मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों में यह प्रावधान है कि कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त किसी भी अवैध कॉलोनी के निर्माण पर कॉलोनाइजर को जेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें पुलिस को सीधे गिरफ्तारी का अधिकार है। इसके बावजूद अब तक किसी कॉलोनाइजर पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अवैध कॉलोनियों की संख्या लगातार बढ़ती गई। अब सरकार नियमों को प्रभावी और सख्त बनाकर इस समस्या पर अंकुश लगाने जा रही है।

अनधिकृत कॉलोनियों का अधिग्रहण करेगी सरकार

नए प्रस्ताव के अनुसार किसी कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटी, तो सरकार पहले उस कॉलोनी का अधिग्रहण करेगी। उसके बाद वहां मौजूद खाली प्लॉट को सरकार द्वारा बेचा जाएगा और कॉलोनी का व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इससे स्थानीय निकायों को राजस्व की हानि से बचाया जा सकेगा। रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा ऐसे कॉलोनियों का सर्वे करवाया जा रहा है। जब तक सर्वे पूर्ण नहीं होता, तब तक उन कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक रहेगी।

वैध करने के पुराने नियमों में भी बदलाव

पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने वर्ष 2022 तक की अवैध कॉलोनियों को वैध करने का निर्णय लिया था। इसके लिए 2021 में कॉलोनी विकास नियमों में संशोधन कर 31 दिसंबर 2016 तक बनी कॉलोनियों को वैध करने का प्रविधान जोड़ा गया था। वर्तमान में यह संशोधित नियम लागू है, जिसमें यह भी तय किया गया कि एलआईजी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के रहवासियों से कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। जबकि अन्य वर्गों से विकास शुल्क का केवल 50 प्रतिशत ही वसूला जाएगा और शेष 50 प्रतिशत राशि निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

प्रदेश में 3000 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां

प्रदेश में वर्तमान समय में 3000 से अधिक अवैध कॉलोनियां हैं। इनमें अधिकांश नगर निगम और नगर निकाय की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। अब सरकार का उद्देश्य ऐसे अवैध निर्माण को पूरी तरह से रोकना है।

पहले टेस्ट के लिए अंतिम ग्यारह का चयन बना भारतीय टीम के लिए मुश्किल

नीतीश और शार्दुल में है टक्कर, चौथे स्थान के लिए भी नहीं हो पाया बल्लेबाज पर फैसला

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में उतरेगी। इसके लिए अंतिम ग्यारह का टीम प्रबंधन के लिए मुश्किल होता जा रहा है। प्रबंधन को नंबर चार पर विराट कोहली की जगह उतरने वाले खिलाड़ी पर फैसाल करना है। इसके अलावा ऑलराउंडर के तौर पर नीतीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर में से किसे शामिल किया जाये भी फैसला लेना है। नीतीश को कोच गंभीर पसंद करते हैं पर शार्दुल का प्रदर्शन पिछले काफी समय से शानदार रहा है। ऐसे में उनकी अनदेखी भी संभव नहीं है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रवींद्र जडेजा व वॉशिंगटन सुंदर में से किसे रखें ये भी सवाल उठ रहा है।

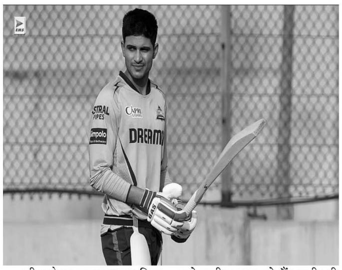

टीम के कप्तान शुभमन गिल ने हाल में मीडिया से बात की थी पर तब उन्होंने यह नहीं बताया था कि कोहली की जगह चौथे नंबर पर कौन खेलेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि वह स्वयं इस नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। पारी की शुरुआत के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को शामिल किया जाएगा। वहीं तीसरे नंबर पर साई सुदर्शन और अभिमन्यु ईश्वरन में किसी एक को जगह मिलेगी। वर्तमान प्रदर्शन को देखते हुए सुदर्शन को जगह मिलना तय है। इसकी एक वजह उन पर कप्तान का भरोसा है। सुदर्शन ने आईपीएल में शुभमन के साथ बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये थे।

नीतीश और शार्दुल ठाकुर में से किसी एक का चयन कठिन है। इसका कारण है कि नीतीश ने ऑस्ट्रेलिया दौर में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने शतक भी लगाया था। इंग्लैंड के हालातों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई होनी जरूरी भी पर नीतीश को टीम के चौथे पेसर के तौर पर नहीं देखा जा सकता क्योंकि वह 10-12 ओवर नहीं रक सकते। इससे शार्दुल की दावेदार मजबूत होती है। शार्दुल गेंदबाज हैं और उनसे 10-15 ओवर गेंदबाजी कराई जा सकती है। इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक जमाकर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी क्षमता भी दिखायी है।

ऐसे में शुभमन को अब फैसला लेना है कि वे विराट कोहली की तरह आक्रामक कप्तानी करते हुए 4 विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरते हैं या फिर 3 तेज गेंदबाज और एक बल्लेबाजी ऑलराउंडर ऑलराउंडर नीतीश को रखते हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह। = यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, करुण नायर, रवींद्र जडेजा/वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप- पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बांए हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

आईपीएल में पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे।

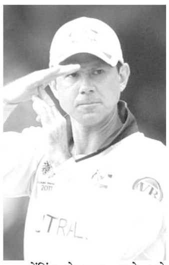

पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं। ऐसे में अर्शदीप पर और अधिक जिम्मेदारी आ जाएगी। पोंटिंग ने कहा, मुझे लगता है कि ड्यूक्स गेंद उनके लिए इंग्लैंड में भी सहायक रहेगी। मुझे लगता है कि बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी अंतर पैदा करता है।

पोंटिंग ने पिछले साल काउंटी क्रिकेट में इस गेंदबाज के कार्यकाल पर जोर दिया। पिछले साल काउंटी चैंपियनशिप के दौरान केंट का प्रतिनिधित्व करते हुए अर्शदीप ने पांच डिवीजन 1 खेलों में 13 विकेट लिए थे। , जिसमें 3/58 का आंकड़ा उनका सर्वश्रेष्ठ रहा।

दिल्ली डेयरडेविल्स में कई खराब लोग लोगों के कारण खेलना कठिन रहा - डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि जब वह आईपीएल में पहली बार दिल्ली डेयरडेविल्स जिसे अब दिल्ली कैपिटल्स के नाम से जाना जाता है में पहुंचे थे तो वहां का माहौल देखकर हैरान हो गये थे। डिविलियर्स के अनुसार तब टीम में कई गलत तरीके के लोग थे। इस पूर्व क्रिकेटर ने यहां तक कहा कि उस टीम में कई जहरीले और कैंसर जैसे लोग थे। डिविलियर्स ने हालांकि इन लोगों के नाम नहीं बनाये हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी को नहीं लेना चाहते थे। डिविलियर्स ने 2008 से 2010 तक इस टीम से खेला था।

डिविलियर्स ने इस टीम के लिए तीन सत्र में 28 मैच खेले थे। जब डिविलियर्स दिल्ली के लिए खेलते थे तब इस टीम के कप्तान वीरेंद्र सहवाग थे। सहवाग की अनुपस्थिति में गौतम गंभीर भी टीम की कप्तानी करते थे। इसी टीम में ग्लेन मैक्ग्रा और डैनियल वेटोरी जैसे ऑस्ट्रेलियाई भी थे। डिविलियर्स ने अपने अनुभवों के बारे में कहा, 'मैं किसी का नाम लेना पसंद नहीं चाहूंगा। वहां एकदूसरे से जलने वाले लोग थे जिस कार टीम बिखर गयी।' डिविलियर्स ने कहा, 'बहुत सारे दिग्गज थे। मैं अब भी याद करता हूं। मैंने यहां कई अच्छे तो कई बुरे अनुभव किए। यहां मेरे जीवन और करियर का अहम हिस्सा शामिल है। मैंने ग्लेन मैक्ग्रा और डेनियल वेटोरी के साथ अच्छा समय बिताया था।' डिविलियर्स ने मैक्ग्रा को अपना हीरो बताया। उन्होंने कहा, '2006 में उनके खिलाफ टेस्ट मैच खेलते समय मैं डरा हुआ था। सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। इसके बा उन्होंने मेरी तारीफ की। यह मेरे लिए सुखद पल था।' डिविलियर्स मानते हैं कि दिल्ली डेयर डेविल्स में उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। उन्होंने बताया कि कुछ जहरीले किरदारों ने टीम के माहौल को खराब किया। इससे वहां खेलना मुश्किल हो गया।

इंग्लैंड को हराने भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा - क्लार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को सही कदम बताते हुए कहा है कि इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभा है। क्लार्क के अनुसार अब देखना होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना ये युवा टीम किस प्रकार खेलती है। 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की इस सीरीज से टीम एक नये युग की ओर बढ़ेगी।

इस दौरे में शुभमन गिल को जहां कप्तानी मिली है वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उप-कप्तान है। इस सीरीज में टीम के पास युवा गेंदबाज हैं जिनपर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करने का दबाव रहोग। इसके अलावा मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी उसे बेहतर इस्तेमाल करना होगा। बुमराह इस सीरीज में केवल तीन मैच ही खेल पायेंगे। ऐसे में ये तय करना होगा कि कौन से मैचों में उन्हें उतारा जाये।

क्लार्क ने कहा, ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा, मेरे लिए मुख्य बात भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए हम सभी जानते हैं कि बुमराह (जसप्रीत) पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। तो, वह कौन से टेस्ट मैच खेलेंगे? क्या वह लगातार पहले तीन मैच खेलेंगे? आप यह सीरीज जीत जाते हैं, और आखिरी दो मैच मायने नहीं रखते। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। मुझे लगता है कि पांच टेस्ट मैच खेलने के कारण उनके शरीर को नुकसान होगा। और फिर मैंने शमी (मोहम्मद) को भी टीम में नहीं देखा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में उनका न खेलना बहुत बड़ी बात थी और अगर वह और फिट बुमराह ऑस्ट्रेलिया में होते तो यह सीरीज बहुत अलग होती। साथ ही कहा कि भारत में बहुत प्रतिभा है। मुझे लगता है कि प्रतिभा के मामले में भारत हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। बस यह है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी इस सीरीज में कितनी जल्दी अपनी छाप छोड़ पाते हैं ये देखना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच खेलना कठिन होता है और ये बात उन्हें समझनी होगी।

भारतीय टीम के पास साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, नितीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो इंग्लैंड में भारत के लिए पहली बार सफेद जर्सी पहनकर मैदान में उतरेंगे। गेंदबाजी विभाग में बुमराह के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और अर्शदीप अपनी तेज गति अंतर पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छा आक्रमण है। मुझे लगता है कि भारतीय टीम में सीरीज जीतने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। यह सिर्फ अनुभव है जिसकी टीम के पास कमी है।

जेनसन भविष्य में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे -पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में नसेन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिली है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को धवस्त कर दिया था। रबाडा के कारण हालांकि लोगों का ध्यान जेनसन की गेंदबाजी की ओर नहीं गया पर ये भी ध्यान रखना चाहिये कि उनकी गेंदबाजी से जो दबाव बना था उससे ही रबाडा को विकट लेने में आसानी हुई। बाएं हाथ के जेनसन ने मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड जैसे स्टार बल्लेबाजों को आउट किया था। फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के बाद भी जिस प्रकार वह गेंदबाजी के लिए वापस आये उससे भी उनके अंदर का जुनून दिखता है। वह अनुभवी बल्लेबाजों के खिलाफ भी निडर होकर गेंदबाज करते करते दिखे। दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में उनकी भूमिका को कम आंकना भूल होगी।

भारत-पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को होगा

मुम्बई । 30 सितंबर से महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट भारत में खेला जाएगा। इसमें पहला मुकाबला भारत और श्रीलंका के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मैच हाईब्रिड मॉडल के तहत कोलंबो में खेले जाएंगे। भ्रारत और पाकिस्तान का मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 5 अक्टूबर को खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 28 लीग गेम होंगे, जिसके बाद फाइनल और सेमीफाइनल समेत तीन नॉकआउट होंगे, ये मुकाबले बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापत्तनम और कोलंबो में खेले जायंगे। पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में होगा। वहीं अगर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचता है तो इसे कोलंबो में खेला जाएगा जबकि दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। 2 नवंबर को होने वाला फाइनल बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी। उसके बाद 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से खेलेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मैच 22 अक्टूबर को इंदौर में खेला जायेगा। इस टूर्नामेंट के लिए मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे क्वालीफाई किया।

कठिन समय को याद कर रो पड़े करुण, पुराना ट्वीट भी वायरल हुआ

मुम्बई । सात साल के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाली बल्लेबाज करुण नायर आजकली टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। करुण को घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। अपने करियर में कठिन समय को याद करते हुए करुण ने कहा कि एक समय वह बुरी तरह से टूट गये थे। साल 2022 में अपनी पत्नी सनाया टंकारिवाला के जन्मदिन पर वह रो पड़े थे। उसी समय जब उन्होंने 'डियर क्रिकेट, मुझे एक और अवसर दो' वाला ट्वीट किया था। उस समय उन्हें कर्नाटक राज्य टीम से बाहर कर दिया गया था। जिसे वह अब अपने जीवन का 'सबसे कठिन समय' मानते हैं।

करुण इंग्लैंड के खिलाफ तिहरा शतक लगाकर एकदम से चर्चाओं में आये थे। इस क्रिकेटर ने अंतिम बार साल 2017 में भारतीय टीम की ओर से खेला था। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर उनकी जगह पर हनुमा विहारी को शामिल किया गया था। आने वाले महीनों में उनका फॉर्म खराब हो गया। उनके फर्स्ट-क्लास आंकड़े, जिन्होंने उन्हें टीम में जगह दिलाई थी वह भी नीचे आने लगे। ऐसे में जब कर्नाटक टीम ने उन्हें बाहर कर दिया तो कोई और टीम अवसर देने के लिए नहीं मिली। उन्होंने सनाया के जन्मदिन के जश्न के दौरान अपनी भावनाओं को काबू में करने के प्रयास किये पर जब वे घर लौटे तो टूट गए। उसी दिन उन्होंने वह पोस्ट किया। यह अब उनकी वापसी के बाद से ही वायरल हो रहा है।

नायर ने बताया, 卐मेरी पत्नी ने कहा कि तुम क्या कर रहे हो तो मैंने उसे बताया कि मैं कैसा महसूस कर रहा हूं। यह शायद मेरे जीवन का सबसे कठिन क्षण था। उस समय मुझे लगा कि मेरी दुनिया समापत् हो गई है1 मुझे नहीं पता था कि आगे क्या करना है। मैं अपने से पूछ रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए? मेरा परिवार है और मेरा बेटा हाल ही में पैदा हुआ था लेकिन मैं खो गया था। मानसिक रूप से मैं खत्म हो गया था।

सरफराज को लेकर टीम प्रबंधन पर बरसे आकाश चोपड़ा

तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

मुम्बई। भारत ए की ओर से बल्लेबाज सरफराज खान के अच्छे प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एक बार फिर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। चोपड़ा ने कहा है कि अगर प्रबंधन को सरफराज पर भरोसा ही नहीं था तो उसे क्यों इंग्लैंड दौरे पर ले जाया गया था। चोपड़ा ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि सरफराज को इस दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ए और भारतीय टेस्ट टीम के बीच इंट्रा स्क्वॉड मैच में सरफराज ने जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने कहा है कि जब आपको सरफराज की तकनीक ही पसंद नहीं है तो उनको इंडिया ए के लिए भी क्यों रखते हो?

15 चौके और 2 छक्कों की मदद से इस इंट्रा स्क्वॉड मैच में शतक लगाने से पहले सरफराज ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी 92 रनों की पारी खेली थी। पिछली सीरीज के दौरान ये बल्लेबाज भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा था पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उसको अवसर नहीं मिला था। इस पर चोपड़ा ने कहा है कि इस खिलाड़ी ने ऐसा कुछ गलत नहीं किया है कि उनको टेस्ट टीम में न रखा जाए।

चोपड़ा ने कहा, सरफराज ने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। वास्तव में, उन्होंने अब तक कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने जो एक मैच खेला, उसमें उन्होंने 90 से ज्यादा रन बनाए। वे शतक नहीं बना पाए, लेकिन उन्होंने रन बनाए। उसके बाद, आपने उन्हें अगले मैच में नहीं खिलाया और वे टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। वह अब तक इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में विफल नहीं हुए हैं, लेकिन आपने उन्हें मौका ही नहीं दिया। यह अच्छी कहानी नहीं है। मैं समझ सकता हूं कि अगर आपको उसकी तकनीक या खेलने के तरीके पर भरोसा नहीं है, तो शायद वह वहां रन नहीं बना पाएगा, तो आपको फैसला लेना होगा। फिर उसे इंडिया ए के साथ भी मत भेजिए, क्योंकि आपके पास पहले से ही एक धारणा है।

आकाश ने कहा, अगर आपको लगता है कि वह रन बना सकता है और इसीलिए उसे इंडिया ए टीम में चुना गया है, तो उसे इंडिया टेस्ट टीम में भी खिलाइए। उसने क्या गलत किया है? उसने बेंगलुरु में शतक बनाया। फिर वह दो मैचों में विफल रहा, लेकिन उन मैचों में किसी और ने भी तो रन नहीं बनाए। उसने ऑस्ट्रेलिया में एक भी मैच नहीं खेला। वहीं सरफराज को टेस्ट टीम से बाहर करने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने तर्क दिया था, कभी-कभी आपको सिर्फ अच्छे फैसले लेने होते हैं।

आईपीएल में खेले खिलाड़ियों ने दिलायी दक्षिण अफ्रीका को जीत

लॉर्ड्स। दक्षिण अफ्रीका को यहां लॉर्ड्स के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में मिली जीत के बाद ये साफ हो गया है कि फार्म में चल रहे खिलाड़ी ही टीम को जीत दिला सकते हैं। इस बार दक्षिण अफ्रीकी अंतिम ग्यारह में शामिल कई खिलाड़ियों ने आईपीएल में भी खेला था और वे शानदार फार्म में थे। ऐसे खिलाड़ियों की तादाद ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा थी। इस प्रकार देखा जाये तो आईपीएल का दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में अहम योगदान रहा।

डब्लयूटीसी के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे एडन मार्करम ने दूसरी पारी में 136 रन बनाये थे। इससे पहले मार्करम ने लखनउ सुपरजायंटस की ओर से आईपीएल सत्र में 445 रन बनाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने भी गुजरात टाइटंस के लिए अच्छी गेंदबाजी की थी जबकि मार्को येंसन ने पंजाब के लिए 14 मैच में 16 विकेट लिए थे। इन दोनो ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की थी। वहीं स्टब्स ने आईपीएम में 13 पारी में 190 के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए और उनका प्रदर्शन भी फाइनल में अच्छा रहा। गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने आरसीबी के लिए अहम भूमिका निभाई थी और अब दक्षिण अफ्रीका को विजेता बनाया है। रॉयन रिकल्टन ने मुम्बई इंडियंस के लिए खेला था । उनका प्रदर्शन भी अच्छा रहा। इस प्रकार डब्लूयटीसी फाइनल विजेता दक्षिण अफ्रीकी टीम में आईपीएल खेले 6 खिलाड़ी थे। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया टीम में केवल चार खिलाड़ी ही आईपीएल खेलकर पहुंचे थे। इसमें तीनों गेंदबाज मिचेल स्टॉर्क , जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने आईपीएल खेला था और इनका प्रदर्शन भी फाइनल में अच्छा है। वहीं ट्रेविस हेड आईपीएल के बाद फाइनल में भी विफल रहे।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉज़ेन की यात्रा की और इंट्रा-स्काड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे।

वरिष्ठ अधिवक्ता से लेकर जुड़ा है मामला

ईडी ने कड़ी फटकार के बाद जारी किया समन लिया वापस

नई दिल्ली। केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय हाल के कुछ माह में अपनी कार्यशैली के कारण सुप्रीम कोर्ट के निशाने पर आ चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक कार्रवाई पर ना सिर्फ आपत्ति जाहिर की है, बल्कि बयान जारी कर ईडी के एक्शन के तहत छिपे निहितार्थ को भी उजागर किया है।

दरअसल, ईडी ने वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को हाल ही में समन जारी किया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स ने आपत्ति जताकर बयान जारी किया है, जिसमें कानूनी पेशेवरों के लिए चिंता जाहिर की गई है।

16 जून को सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स के मानद सचिव निखिल जैन द्वारा हस्ताक्षरित बयान में ईडी की कार्रवाई को अनुचित करार देकर कहा गया है कि यह कानूनी पेशे और कानून के शासन के कामकाज को प्रभावित करने वाली प्रवृत्ति है, जो जांच के दायरे से बाहर है। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स ने ईडी की ऐसी प्रवृति पर गहरी चिंता जाहिर की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बयान में कहा गया है, दातार एक सम्मानित वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, जिसकी ईमानदारी पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। उन्होंने पेशेवर आचरण और कानूनी नैतिकता के शीर्ष मानकों को लगातार बनाए रखा है। सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स ने कहा कि ईडी की कार्रवाई कानूनी सलाह को आपराधिक मिलीभगत करार दे रही है जो दुर्भाग्यपूर्ण है। बयान में कहा गया है कि ईडी का यह दृष्टिकोण संवैधानिक रूप से अस्थिर और कानूनी रूप से अनुचित है।

बयान में कहा गया है कि इस तरह की कार्रवाइयों से कानूनी सलाहकारों की स्वतंत्रता और नागरिकों के बिना किसी डर के कानूनी प्रतिनिधित्व के संवैधानिक अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा है। एसोसिएशन ने कहा, 卐यह कदम बड़े पैमाने पर कानूनी समुदाय को एक भयावह संदेश देता है और प्रत्येक नागरिक के बिना किसी डर को भय के स्वतंत्र कानूनी परामर्श प्राप्त करने के मूलभूत अधिकार को खतरे में डालता है।

सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड्स ने कहा कि वह एजेंसियों द्वारा कार्यकारी शक्ति के मनमाने प्रयोग के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराता है। इस बीच, ईडी ने दातार को जारी किया समन वापस लिया है।

क्या है मामला?

बता दें कि ईडी ने दातार को समन केयर हेल्थ इंश्योरेंस द्वारा रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की पूर्व चेयरपर्सन रश्मि सलूजा को दिए कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) की जांच के सिलसिले में दिया है। दरअसल, दातार ने सलूजा को कानूनी सलाह दी थी। कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना अब ईडी और भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) की समानांतर जांच का विषय है। एजेंसी इसकी जांच कर रही है कि क्या 2.27 करोड़ से अधिक ईएसओपी-जिनकी कीमत 250 करोड़ से अधिक है का जारी होना विनियामक मानदंडों का उल्लंघन था या वित्तीय अनियमितता से जुड़ी एक बड़ी योजना का हिस्सा था।

ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद कई एजेंसियां विमान हादसे की जांच में जुटीं

अहमदाबाद। एयर इंडिया विमान हादसे की जांच कर रही टीम को कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर यानी ब्लैक बॉक्स मिल गया है। इससे भीषण हादसे के कारणों का पता लगाने में मदद मिलेगी, जिसमें अब तक 270 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में विमान में सवार 241 यात्री और क्रू के अलावा 29 लोग मेस के शामिल हैं।

इससे पहले विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने केवल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर मिलने की पुष्टि की थी। अधिकारियों ने ब्लैक बॉक्स की बरामदगी की जानकारी पीएम मोदी के प्रधान सचिव को दे दी है, जो रविवार को अहमदाबाद पहुंचे थे। प्रधान सचिव ने क्रैश साइट का निरीक्षण किया और सिविल अस्पताल में जाकर घायलों से मुलाकात की। पीएम के प्रधान सचिव ने सर्किट हाउस में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों, एएआईबी और एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में राहत, बचाव और जांच कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। रिलीज के मुताबिक एएआईबी ने इस दुर्घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है साथ ही विमान अमेरिकी निर्मित होने के कारण अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड भी अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत समानांतर जांच कर रहा है।

प्रधान सचिव ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से घटनाक्रम और राहत कार्यों की जानकारी ली। सिविल अस्पताल में उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और डीएनए सैंपल मैचिंग का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दी जाए और पूरी प्रक्रिया सहज और संवेदनशील तरीके से पूरी की जाए। उन्होंने घायलों से भी बातचीत की और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि उनका इलाज प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद हादसा है। सभी लोग शोक में डूबे हैं। ऐसे में पीड़ित परिवारों का दुख बांटना और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करना हमारा कर्तव्य है।

विमान हादसे में मारे गए 119 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हुआ, अब तक 76 शव सौंपे गए

अहमदाबाद। 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे मारे गए लोगों के डीएनए मिलान और सत्यापन के बाद उनके परिजनों को पार्थिव देह सौंपे जा रहे हैं7 ताजा जानकारी के मुताबिक अब तक 119 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है और 76 शव उनके परिजनों को सौंप दिये गए हैं7 राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक उचित तंत्र स्थापित किया है कि दुर्घटना पीड़ितों के पार्थिव शरीर को सौंपने से लेकर बीमा दावे के निपटान के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने तक, परिवारों को किसी भी स्तर पर कोई कठिनाई न हो। इतना ही नहीं पीड़ितों को हर संभव तरीके से सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार ने मृतक के परिजनों से तत्काल संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने तथा प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से किसी भी बीमा कंपनी अथवा किसी भी सरकारी अथवा अर्द्धसरकारी कार्यालय में यह कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न कराने की पहल की है। प्रशासन आयोगों और गवाहों के आधार पर मृतक के पारिवारिक इतिहास सहित दस्तावेज उपलब्ध कराकर सहायता कर रहा है। जिला प्रशासन ने पार्थिव शरीर सौंपने की प्रक्रिया और दुर्घटना पीड़ितों के परिवारों के साथ निरंतर समन्वय के लिए 250 से अधिक नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इन सभी प्रक्रियाओं को सही तरीके से पूरा करने के लिए पर्यवेक्षण अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। राज्य सरकार के संबंधित जिलों के सांसद, विधायक, स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के पदाधिकारी, स्थानीय नेता और सदस्य, कलेक्टर, पुलिस प्रमुख, जिला विकास अधिकारी, नगर आयुक्त आदि अधिकारी दुर्घटना पीड़ित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर स्तर पर उनकी मदद के लिए खड़े हैं। फिलहाल यात्रियों और स्थानीय निवासियों के रिश्तेदारों से लिए गए रक्त के नमूनों में से 119 डीएनए मैच पाए गए हैं। इनमें से 76 शवों को सौंप दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सिविल अस्पताल के नियमित स्टाफ के अलावा करीब 855 अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया है। अब तक सिविल अस्पताल से जितने भी पार्थिव शरीर परिजनों को सौंपे गए हैं, उन्हें बड़े सम्मान व गरिमा के साथ सौंपा गया है तथा भविष्य में भी उन्हें इसी प्रकार सौंपा जाएगा। सिविल अस्पताल अधीक्षक ने इस मामले से संबंधित किसी भी निराधार संदेश और खबर पर विश्वास न करने की अपील की है।

दामाद के बाद संजय झा की बेटियों को लेकर नीतीश पर हमलावार तेजस्वी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान और जीतनराम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड में अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल के मनोनयन के बाद विपक्ष नीतिश सरकार पर हमलावार है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश की सरकार को जमाई आयोग का गठन हुआ। अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की बेटियों को सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील बनाने पर सवाल उठा दिया है।

आरजेडी के सोशल मीडिया खाते से केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी पोस्ट करके दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों की हकमारी पर सवाल उठाया गया है। कानून मंत्रालय के 9 अक्टूबर 2024 के आदेश के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से केस लड़ने के लिए संजय झा की बेटियों अद्या झा और सत्या झा की सेवा तीन साल के लिए ली गई है। कानून की पढ़ाई कर चुकी दोनों बेटियों की सेवा वकीलों के ग्रुप ए पैनल में ली गई है। बात दें कि केंद्र और राज्य सरकारें जिला से सुप्रीम कोर्ट तक वकीलों की सेवा लेती है, इसके लिए पैनल में नाम होना चाहिए। जिल स्तर पर पीपी व एपीपी की सेवा भी इसी तरह ली जाती है।

राजद ने आरोप लगाया है कि जेडीयू नेता संजय झा की दोनों बेटियों को कोई विशेष अनुभव नहीं है। राजद ने पूछा है कि जदयू के कितने दलित, पिछड़े और अति पिछड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों या कार्यकर्ताओं के बेटे-बेटियों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि बिना अनुभव यह उपलब्धि प्राप्त कर लें।

भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषियों को बांग्लादेशी कहकर निशाना बनाया जा रहा - ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में भाजपा बंगाली भाषी नागरिकों को निशाना बना रही है और यहां तक कि वैध दस्तावेज धारकों को भी अवैध बांग्लादेशी प्रवासी बता रही है। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान उस समय हंगामा शुरू हो गया जब मुख्यमंत्री ने भाजपा पर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने कहा, आपको शर्म आनी चाहिए कि आप वास्तविक भारतीय नागरिकों को सिर्फ उनकी भाषा के आधार पर बांग्लादेशी बता रहे हैं। बंगाली के साथ-साथ गुजराती, मराठी और हिंदी में बोलने में भी गर्व महसूस होना चाहिए। अगर आप मुझसे पूछें तो मैं इन सभी भाषाओं में बोल सकती हूं। उन्होंने कहा, एक ओर आप भारतीयों को उनके द्वारा बोले गए शब्दों के कारण बांग्लादेशी बता रहे हैं, और दूसरी ओर आप इन लोगों को, जिनके पास मतदाता पहचान पत्र, पैन और आधार कार्ड हैं, अपने राज्यों में आजीविका कमाने के अधिकार से वंचित कर रहे हैं। केंद्र पर राज्य को मिलने वाली केंद्रीय धनराशि रोकने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के सौतेले व्यवहार के बावजूद राज्य ने पथश्री के तहत 69,000 किलोमीटर सड़कें बनाई हैं और 11,000 करोड़ रुपये की आवास योजना शुरू की है। ममता ने कहा, बंगाल लगातार पांच बार सड़क और ग्रामीण आवास परियोजना रैंकिंग में शीर्ष पर रहा है। उन्होंने दावा किया कि वित्तीय संकट के बावजूद राज्य में लोगों को औसतन 50 दिन का रोजगार मिल रहा है और उनकी सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत 1.5 करोड़ कार्य दिवस सृजित किए हैं। ममता ने कहा, "एक ओर आप बंगाल के गरीब लोगों को वंचित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर आपके राज्यों में विभिन्न दुर्घटनाओं में मौतों का सिलसिला जारी है।" बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार सामाजिक कल्याण पर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप अनुसूचित जाति (26 प्रतिशत), अनुसूचित जनजाति (6 प्रतिशत), पिछड़ी जातियों और मुसलमानों (30 प्रतिशत) के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, कोई भी हमारे मार्ग को बाधित नहीं कर सकता या हमें अपने सपनों को साकार करने से नहीं रोक सकता।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने किसे कहा, किराए के टट्टू...इन पर ध्यान नहीं दें

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले खालिस्तानी समर्थकों पर तीखा हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने इन प्रदर्शनकारियों को किराए के टट्टू करार देकर कहा कि इन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, इनका एक और वीडियो कल वायरल हो रहा है। ये लोग पड़ोसी देश (पाकिस्तान) से पैसा लेते हैं, लेकिन जब फंडिंग नहीं मिली, तब वे उसी के खिलाफ हो गए। इन किराए के टट्टुओं को गंभीरता से मत लीजिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साइप्रस की यात्रा के बाद 16-17 जून को कनाडा के कनानास्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जाएंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर यह उनकी छठी लगातार जी-7 भागीदारी होगी। पीएम मोदी ने अपने बयान में कहा, यह शिखर सम्मेलन वैश्विक मुद्दों और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। मैं भागीदार देशों के नेताओं के साथ भी चर्चा के लिए उत्सुक हूं।

अतीक अहमद की मौत के बाद उसके गुर्गों का आतंक अब भी जारी

प्रयागराज पुलिस ने करीबियों पर दर्ज की सात एफआईआर

इलाहाबाद। प्रयागराज में माफिया गैंगस्टर अतीक अहमद की मौत के बाद भी उसके करीबी और रिश्तेदारों का आतंक जारी है। अतीक अहमद के गुर्गे अब भी अवैध प्लाटिंग में सक्रिय हैं, जिसके चलते प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने सात एफआईआर दर्ज कराए हैं। इनमें अतीक अहमद के साधू इमरान, उसके भाई जानू, जेपी दुबे, मदन सिंह और अन्य शामिल हैं। यह सभी एफआईआर पीडीए के भवन निरीक्षक कुंवर आनंद द्वारा दर्ज की गई हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने अतीक अहमद के साढ़ू इमरान, उसके भाई जानू, जेपी दुबे और मैदान सिंह सहित कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। यह एफआईआर पीडीए के भवन निरीक्षक कुंवर आनंद द्वारा दर्ज कराई गई हैं। पहली एफआईआर में अतीक अहमद के साढ़ू इमरान के भाई जानू, सूरज, विजय और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन पर आरोप है कि वे कटहुला गौसपुर में अवैध प्लाटिंग कर रहे थे। दूसरी एफआईआर में अवैध प्लाटिंग के ही मामले में डॉ. कामरान, इमरान, जानू और अन्य के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया है। इन पर भी भीटी उपहार में अवैध प्लाटिंग का आरोप है। तीसरी एफआईआर नफीस आलम और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई है। नफीस आलम और अन्य पर गौसपुर एयरपोर्ट रोड पर अवैध प्लाटिंग का आरोप है। चौथी एफआईआर मदन सिंह, मैदान सिंह, अतीक अहमद उर्फ पंजाबी और अन्य के खिलाफ दर्ज कराई गई है. इन पर गौसपुर नई एयरपोर्ट रोड पर अवैध प्लाटिंग का आरोप है। पांचवी एफआईआर जेपी दुबे और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई है। छठवीं एफआईआर जेपी दुबे और किशन लाल के खिलाफ दर्ज की गई है। एक अन्य एफआईआर करेली

पीओके समेत पाकिस्तान के कई क्षेत्र भारत में विलय को तैयार!

-संघ नेता का दावा, यह दृष्टिकोण जनता और सेना की इच्छाओं के अनुरूप

शिमला। वरिष्ठ आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार ने कहा है कि हमें इंतजार करना चाहिए। यह संभव है कि भारत-पाकिस्तान की सीमा बदल जाए और कच्छ के रण और लद्दाख से हटकर पाकिस्तान में 100-150 किलोमीटर अंदर चली जाए। एक तरफ पाकिस्तान हो सकता है और दूसरी तरफ सिंध, बलूचिस्तान, पख्तूनिस्तान और गिलगित-बाल्टिस्तान समेत पीओके हो सकता है। वे सभी आजादी और भारत में विलय के लिए पाकिस्तान के खिलाफ लड़ेंगे। इंद्रेश किन्नौर, लाहौल और स्पीति की चार दिवसीय यात्रा के बाद शिमला में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कथित तौर पर पीओके भारत में शामिल होना चाहता है, बलूचिस्तान पूर्ण स्वतंत्रता चाहता है, और सिंध दोनों विकल्पों पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा अगर कल पीओके, गिलगित, बलूचिस्तान, सिंध और अन्य इस्लामाबाद के खिलाफ उठ खड़े होते हैं, तो सीमाएं बदल जाएंगी। युद्ध मौजूदा सीमा पर नहीं रहेगा, यह पाकिस्तान के अंदर जाएगा।

इंद्रेश कुमार ने दावा किया कि यह दृष्टिकोण भारत की सरकार, जनता और सेना की इच्छाओं के अनुरूप है, जो संभावित रूप से एक अहम भू-राजनीतिक बदलाव की ओर ले जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, चीन और अमेरिका को डर है कि भारत एक दिन ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है...मैंने आपको एक साथ कई संकेत दिए हैं। यह सरकार, जनता, भारतीय सेना और इस क्षेत्र की भी इच्छा है। जो पंजाबी पाकिस्तान बचेगा, वह भी आज की सत्ता व्यवस्था को खारिज करता है।

पीओके भारत में विलय चाहता है, बलूचिस्तान पूरी आजादी चाहता है, पख्तूनिस्तान साफ ??नहीं है...और सिंध आजादी के साथ भारत में विलय के लिए तैयार है। इसके अलावा इंद्रेश ने रविवार को आरोप लगाया कि चीन तिब्बत समेत हिमालयी क्षेत्र में बौद्धों की पहचान और उनकी संस्कृति को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। इंद्रेश कुमार ने दावा किया कि तिब्बत पर कब्जा करने के बाद चीन उनकी पहचान को कमजोर करने के लिए चीनी युवकों की तिब्बती और हिमालयी बौद्ध लड़कियों से शादी करा रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन ने हाल में घोषणा की है कि वह दलाई लामा के उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा करेगा और कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाना चाहिए ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि तिब्बती और अन्य जगहों के बौद्ध अपने धार्मिक और आध्यात्मिक मामलों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने तिब्बती मठों और इलाकों का दौरा किया और लोगों से बातचीत की। बौद्धों और सनातनी हिंदुओं से एकजुट रहने और उन्हें विभाजित करने के प्रयासों को विफल करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि ईसाई मिशनरियां भी सेवा और शिक्षा के माध्यम से धर्मांतरण करा रही हैं।

एलओसी पर बाड़बंदी को लेकर एडीईओ ने कर्नल पर किया हमला, वीडियो वायरल

यूजर ने लिखा- यह न केवल एक अधिकारी पर हमला बल्कि सेना का अपमान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर बाड़बंदी के प्रोजेक्ट को लेकर हुआ विवाद अब बढ़ गया है। इस विवाद में सहायक रक्षा संपदा अधिकारी (एडीईओ) त्रियाम सिंह ने भारतीय सेना के कर्नल अंकुश चौधरी पर हमला कर दिया। यह घटना 12 जून की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक त्रियाम सिंह ने बाड़बंदी प्रोजेक्ट के लिए जरूरी बोर्ड प्रोसीडिंग्स पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसने न केवल रक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए है बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों को भी हवा दे दी।

जवाब में कर्नल चौधरी के सिख सैनिकों ने एकजुटता दिखाते हुए त्रियाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने इस मामले को और गरमा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल अंकुश चौधरी इस बाड़बंदी प्रोजेक्ट के प्रभारी थे। उन्होंने त्रियाम सिंह से प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह प्रोजेक्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद और भी अहम माना जा रहा है। इस हमले के बाद एलओसी पर बाड़बंदी को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है।

त्रियाम सिंह ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और बहस के दौरान कर्नल चौधरी पर शारीरिक हमला कर दिया। इस घटना ने सैनिकों में गुस्सा भड़का दिया और इंजीनियर रेजिमेंट के सिख सैनिकों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सैनिकों की यह प्रतिक्रिया साफ दिखाई दे रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ गुस्सा निकाला।

एक यूजर ने लिखा कि यह न केवल एक अधिकारी पर हमला है, बल्कि उन सभी सैनिकों का अपमान है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि एडीईओ भाग्यशाली थे कि जवान वहां मौजूद नहीं थे, वरना कहानी कुछ और होती। सैन्य दिग्गजों ने भी इस घटना की निंदा की है। एक अन्य ने एक्स पर लिखा सैनिकों के लिए उनका कमांडिंग ऑफिसर भगवान के समान होता है।

कई लोगों ने डीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक पोस्ट में दावा किया गया कि डीईओ अक्सर प्रोजेक्ट्स को रिश्वत के लिए रोकता है। इस घटना ने मार्च 2025 में पंजाब के पटियाला में हुई एक अन्य घटना की याद दिला दी, जिसमें कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे पर पंजाब पुलिस के कर्मियों ने हमला कर दिया था। उस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। एलओसी पर बाड़बंदी का यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, खासकर हाल के आतंकी हमलों के बाद। बाड़बंदी प्रोजेक्ट का उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और सीमा पर सुरक्षा को और मजबूत करना है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रक्षा मंत्रालय के अंदर भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोजेक्ट्स को भी प्रभावित कर रहा है? त्रियाम सिंह के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। सैनिकों की प्रतिक्रिया को कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता करार दिया, जबकि अन्य ने इसे अपने कमांडर के प्रति वफादारी का प्रतीक बताया है।

इजराइल-ईरान तनाव- रूस ने अपने नागरिकों से कहा, तुरंत छोड़ दें इजराइल

तेल अवीव। तेल अवीव स्थित रूसी दूतावास ने अपने देश के नागरिकों को सलाह देते हुए कहा है, कि वे क्षेत्र में स्थिरता बहाल होने तक तुरंत ही इजराइल छोड़ दें। ईरान-इजराइल में जारी संघर्ष को देखते हुए रूसी राजदूत अनातोली विक्टरोव ने सोमवार को यह जानकारी मीडिया को दी है। राजदूत विक्टरोव ने कहा, कि इजराइल में मौजूद तमाम रूसी नागरिकों को स्थिति सामान्य होने तक देश छोड़ देना चाहिए। उन्होंने अपने देश के नागरिकों को मिस्त्र के रास्ते जाने की भी सलाह दी है, जहां पर उन्हें वीजा फ्री अराइवल की सुविधा है। वहां पहुंचकर वे रूस के लिए फ्लाइट आसानी से ले सकते हैं। उन्होंने कहा, कि मुझे यह स्वीकार करना होगा कि स्थिति तनावपूर्ण है और इजराइल में राजनयिकों और रूसी नागरिकों दोनों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही रुसी राजदूत विक्टरोव ने कहा कि यदि बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने की आवश्यकता आन पड़ती है तो इमर्जेंसी प्लान्स पर विचार किया जाएगा। इससे पहले रूसी राजदूत ने ईरान की राजधानी तेहरान में अपने वाणिज्य दूतावास में कामकाज को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था और इसी के साथ ही अपने कुछ नागरिकों को भी देश से वापस बुला लिया था।

यदि पुलिस से डर है, तो मीडिया के सामने आत्म समर्पण करें नक्सली

आईजी संजय सिंह ने प्रेस वार्ता कर नक्सली मुठभेड़ की दी जानकारी

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। बीते शनिवार को थाना रुपझर, चौकी सोनेवानी अन्तर्गत पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ मे पुलिस ने चार खूंखार नक्सलियों को मार गिराया है। जिनके पास से राइफल विस्फोटक सामग्री ,नक्सली साहित्य सहित विभिन्न प्रकार की सामग्रीया जप्त की गई है।वही मारे गए सभी नक्सलियों के शव बरामद कर शवो को जिला अस्पताल लाकर मर्चुरी में सुरक्षित रखा गया है। तो वही नक्सलियों के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। पचामादादर-कटेझिरिया जंगल क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ को लेकर सोमवार को पुलिस कंट्रोल रूम में आईजी संजय सिंह द्वारा एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया।जिसमे पुलिस अधिकारियों द्वारा स्पष्ट किया गया की मध्यप्रदेश की आत्मसमर्पण पॉलिसी काफी अच्छी है। नक्सलियों ने नक्सली विचारधारा को छोड़कर आत्म समर्पण करना चाहिए। लेकिन नक्सली ऐसा नहीं कर रहे हैं।वे(नक्सली) जिस बात का भी प्रचार प्रसार करते हैं, उसकी कोई अहमियत नहीं है।वे नक्सली क्षेत्र में हो रहे विकास का विरोध करते हैं और अनावश्यक जंगल में घूमकर समय खराब कर रहे है।आत्म समर्पण के लिए उन्हें पुलिस से डरने की जरूरत नहीं है।वह किसी के भी सामने सरेंडर कर सकते हैं। चाहे वह पुलिस हो, कलेक्टर हो या कोई जनप्रतिनिधि हो या फिर डॉक घर के अधिकारी ही क्यों ना हो। वह कहीं पर भी जाकर सरेंडर कर सकते हैं।यदि उन्हें पुलिस से डर है तो मीडिया के सामने आकर अपने जुर्म कबूलकर आत्म समर्पण कर सकते हैं। यह बात आई जी संजय सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में कहीं।

बालाघाट जिले में कोई फर्जी एनकाउंटर नहीं होता

आईजी संजय सिंह ने पत्रकार द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि बालाघाट जिले में कोई फर्जी एनकाउंटर नहीं होता। अक्सर पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर के जो आरोप लगाए जाते हैं वह गलत है। नक्सली चाहे तो किसी भी जनप्रतिनिधि के सामने, या किसी भी अधिकारी कर्मचारी के सामने सरेंडर कर सकते हैं। उन्हें पुलिस प्रशासन द्वारा पूरी सुरक्षा दी जाएगी। वही सरेंडर पॉलिसी के तहत उन्हें सुविधाएं भी दी जाएगी।

ग्रेनेड लांचर का तकनीकी ज्ञान रखता था नक्सली रवि

आईजी संजय सिंह ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया की इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सली में रवि नमक नक्सली ग्रेनेड लांचर का कार्य करता था। उसे ग्रेनेड का उपयोग करना आता था। वह उसका टेक्निकल नॉलेज रखता था। वही तीनों महिला नक्सली अलग-अलग भूमिका में थी। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि पालागोंदी का नक्सली दीपक सहित अन्य दो स्थानीय नक्सली है।इन 3 को छोड़कर बाकी सभी नक्सली बाहर से हैं। जिनके लिए पुलिस द्वारा अलग से प्लान किया जा रहा है। नक्सली दीपक के परिजनों से चर्चा कर दीपक को मुख्य धारा में जोड़ने की बात कही गई है, लेकिन नक्सली दीपक अपने परिजनों की बात भी नहीं मान रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र के नक्सलियों के परिजनों से भी चर्चा कर नक्सलियों को मुख्य धारा में लौटने के लिए कहा गया है।

अभी भी सर्चिंग ऑपरेशन जारी है

आईजी संजय सिंह ने बताया कि नक्सली मुठभेड़ के बाद लगातार सर्चिंग अभियान चल रहा है। वर्तमान समय में भी करीब 600 जवानों द्वारा जंगल क्षेत्र में सर्चिंग की जा रही है। जब-जब पड़ोसी बॉर्डर में बड़ी कार्रवाई होती है तब तब नक्सली इधर-उधर भागते हैं। बालाघाट में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। इसीलिए व्रहद स्तर पर सर्चिंग की जा रही है।हम नक्सली क्षेत्र चेक पोस्ट बढ़ा रहे है। नक्सली क्षेत्र में पिछले चार-पांच महीनो में कुछ नक्सलियों की आमद हुई है। उन्होंने बताया कि नक्सली तेंदूपत्ता फड़, वहां चल रहे विकास काम करने वाले ठेकेदारों से या वनोंपज का काम करने वाले लोगों से अवैध वसूली करते हैं।जिसको काफी हद तक काबू में पा लिया गया है। अन्य दिनों की तुलना में डिंडोरी में नक्सलीयो का मूवमेंट समाप्त हो चुका है। वही मंडला में भी हल्का-फुल्का मूवमेंट देखा जा रहा है। बालाघाट में भी नक्सलियों का मूवमेंट काफी कम हो चुका है।

रेन बसेरा में एक महिला से रेन बसेरा की तीन मैडम ने की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 13 स्थित रेन बसेरा शक्ति सदन बालाघाट में एक महिला को इस रेन बसेरा के तीन महिला ने हाथ बुक्के और लकड़ी से मारपीट कर घायल कर दी। मारपीट में महिला भूमेश्वरी पति अंकेश कपासे से 23 वर्ष का इलाज जिला अस्पताल में किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भूमेश्वरी कपासे करीब 4 महीने से अपने बेटे 2 साल के बेटे के साथ रेन बसेरा में रह रही है। 15 जून को भुमेंश्वरी रेन बसेरा के बाथरूम में चली गई थी। इसी बात को लेकर रेन बसेरा की तीन महिला संगीता राऊत रोशनी गोस्वामी और महिमा गोस्वामी ने भुमेश्वरी कपासे को रेन बसेरा के बाथरूम में क्यों गई कहकर गाली गुप्तार की और हाथ बुक्के और लकड़ी से मारपीट कर दी। मारपीट में घायल भुमेश्वरी कपासे को उसकी मां सुनीता जीबकाटे ने उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती की है। जिला अस्पताल पुलिस ने भुमेश्वरी कपासे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

पत्नी ललतीन बाई को कुल्हाड़ी से वार कर फरार रमेश धुर्वे गिरफ्तार

मुर्गा काटने मना करने पर पत्नी पर चलाई थी कुल्हाड़ी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड पुलिस ने मुर्गा काटने मना करने पर पत्नी को कुल्हाड़ी से मार कर फरार रमेश पिता भीमा धुर्वे 40 वर्ष ग्राम बैगा टोला ग्राम पंडरापानी निवासी को गिरफ्तार कर लिये ।जिसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।यह घटना 14 जून की रात्रि 8:00 बजे करीब हुई थी पति द्वारा कुल्हाड़ी के वार से घायल महिला ललतीन बाई पति रमेश धुर्वे 35 वर्ष को बिरसा के अस्पताल में भर्ती किया गया है। ज्ञात हो कि ललतीन बाई धुर्वे मजदूरी करती है। जिसकी शादी 15 साल पहले रमेश धुर्वे के साथ हुई थी। जिनकी 8 लड़कियां थी। जिनमें दो बेटी की मृत्यु हो चुकी है। 14 जून की रात 8:00 बजे जब ललतीन बाई अपने बच्चों के साथ घर में थी तभी पति रमेश धुर्वे घर का मुर्गा को काट रहा था। ललतीन बाई ने उसे मुर्गा को काटने के लिए मना की और बोली की मुर्गा को बेचकर कुछ पैसा आएगा तो घर का खर्चा चलेगा। ललतीन बाई के इतना कहते ही रमेश धुर्वे आवेश में आ गया और घर में रखी लोहे की कुल्हाड़ी हाथ में लेकर ललतीन बाई को जान से खत्म कर देने की धमकी देकर ललतीन बाई के ऊपर कुल्हाड़ी से वार कर दिया ।कुल्हाड़ी का वार ललतीन बाई के दाहिने तरफ कान के ऊपर सिर में लगने से ललतीन बाई खून से लथपथ हो गई और घर से भाग कर अपनी गांव में ही अपनी मां रुनिया बाई परते के घर चली गई थी। 15 जून को 108 एंबुलेंस से ललतीन बाई को बिरसा के अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है। सूचना मिलने पर मलाजखंड पुलिस थाना से। उप निरीक्षक घुड़नलाल अहिरवार ने बिरसा अस्पताल पहुंचकर घायल ललतीन बाई के बयान लिए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति रमेश धुर्वे पिता भीमा धुर्वे ग्राम बैगा टोला निवासी के विरुद्ध ललतीन बाई की हत्या करने का प्रयास करने के आरोप में धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। मलाजखंड पुलिस ने रमेश धुर्वे को गिरफ्तार करके 16 जून को बैहर की अदालत में पेश कर दी जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में बैहर जेल भिजवा दिया गया है।

महज 2 घंटे के भीतर चोरों एक मकान से सवा दो लाख रुपए के नगदी जेवरात किये पार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम टवेझरी चोरों ने महज 2 घंटे के भीतर एक मकान से नगदी जेवरात सहित करीब सवा दो लाख रुपए की चोरी कर ली। यह चोरी शनिवार को दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:00 के बीच उस समय हुई जब इस मकान के रहवासी बाहर गए हुए थे। भरवेली पुलिस ने इस मामले में टुंडीलाल पिछोड़े 42 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। प्राप्त जानकारी अनुसार टुंडी लाल पिछोड़े अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। इसके अलावा वे किराए से ट्रैक्टर और टवेरा भी चलाते हैं। उनके परिवार में पत्नी सुनीता पिछोड़े और दो बच्चे हैं। जिनमे बेटी बालाघाट में रहकर पढ़ाई कर रही है और बेटा नागपुर में है। 14 जून शनिवार को 2:00 बजे टुंडीलाल पिछोड़े अपनी भांजी को लेने के लिए ग्राम मोहाड़ी चले गए थे। घर में उनकी पत्नी सुनीता पिछोड़े थी और 3:30 बजे करीब सुनीता पिछोड़े खेत चली गई थी। शाम 6:00 बजे करीब जब सुनीता पिछोड़े अपने घर लोटी और घर के पीछे बाथरूम गई।तब उसने घर के पीछे का दरवाजा खुला देखी। घर के अंदर जाकर देखने पर अंदर का भी दरवाजा खुला था। लाइट चालू करने पर घर के अंदर का सामान बिल्कुल बिखरा हुआ था और घर के अंदर रखी संदूक(पेटी) खुली हुई थी और संदूक का सामान भी बिखरा हुआ था ।चेक करने पर संदूक के अंदर अटेची में रखे जेवरात नहीं थे और साड़ी में लपेट कर रखे करीब सवा लाख रुपए भी नहीं थे। यह सवा लाख रुपए धान बिक्री के थे। जिसे पेटी में ही साड़ी में लपेटकर रख दिया गया था। चोरी की खबर मिलते ही टुंडीलाल पिछोड़े तुरंत अपने घर पहुंचे। अटैची में रखें जेवरात चेक करने पर 48 तोले की चांदी की करधन, 22 तोला चांदी की पायल, 7 ग्राम सोने का झुमका और नगद सवा लाख रुपए चोरों ने मकान के पीछे का दरवाजा तोड़कर चोरी कर लिए। सूचना मिलती ही भरवेली पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। 15 जून को भरवेली पुलिस ने टुंडी लाल पिछोड़े द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 305(a) 331(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट